ठाणे - मुंबई से प्रकाशित

शनिवार, 04 अप्रैल 2026

वर्ष - 19, अंक-109

मुल्य-2, पृष्ठ-8+4

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

तरुणमित्र

www.tarunmitra.in

संपादक- स्वतंत्र कुमार

श्रम ही आधार, खबरों से सरोकार

e-mail-tarun.thana@gmail.com

महाराष्ट्र, उत्तर प्रदेश, मध्यप्रदेश, बिहार से प्रकाशित

संक्षिप्त समाचार

डिप्टी लीडर पद से हटाए जाने पर राघव चड्ढा बोले- खामोश करवाया गया हूं, हारा नहीं हूं

एजेंसी, नई दिल्ली । आम आदमी पार्टी ने राज्यसभा सचिवालय को पत्र लिखकर अपने सांसद राघव चड्ढा को सदन में पार्टी के डिप्टी लीडर के पद से हटाने का आग्रह किया है। इसके बाद राघव चड्ढा ने इशारों-इशारों में आम आदमी पार्टी पर निशाना साधा। राघव ने एक्स पर पोस्ट करते हुए आम आदमी को मैसेज देते हुए लिखा, खामोश करवाया गया हूं, हारा नहीं हूं। आप ने राज्यसभा सचिवालय से यह भी कहा है कि अब राघव चड्ढा को सदन में पार्टी के नेता के तौर पर बोलने का मौका न दिया जाए। इससे उनके बोलने के समय में भी कटौती की जा सकती है। बता दें राघव चड्ढा हाल के दिनों में संसद में कई जनहित के मुद्दों को जोर-शोर से उठा रहे थे। इनमें एयरपोर्ट पर 10 रुपए की चाय का मुद्दा और डिलीवरी बॉयज से जुड़े सवाल शामिल थे।

5 दिन में दूसरी बार पीएम मोदी से मिली प्रियंका चतुर्वेदी, सियासी मिजाज बदले-बदले दिखे

एजेंसी, नई दिल्ली । शिवसेना (उद्धव ठाकरे गुट) की राज्यसभा सांसद प्रियंका चतुर्वेदी के सियासी मिजाज बदले-बदले दिख रहे हैं। दरअसल गुरुवार को उन्होंने पीएम मोदी से एक बार फिर मुलाकात की थी। इस मुलाकात के फोटो शेयर कर पीएम मोदी को 5 दिन में दो बार धन्यवाद देकर उनकी तारीफ कर दी है। हालांकि 5 दिन में इस दूसरी मुलाकात के बाद उन्होंने अपनी भविष्य की राजनीति को लेकर सियासी अटकलों पर विराम लगा दिया है। शिवसेना नेता चतुर्वेदी ने कहा है कि वे विपक्ष की मुखर सदस्य बनी रहेंगी, क्योंकि देश को मजबूत विपक्ष की जरूरत है। उन्होंने पोस्ट कर कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने राज्यसभा में मेरे अनुभवों को सुना और अपने विचार को साझा किए। प्रियंका चतुर्वेदी ने लिखा कि यह मुलाकात उनके लिए काफी मायने रखती है। साथ ही उन्होंने साफ किया कि वे आगे भी विपक्ष की एक मुखर आवाज बनी रहेंगी।

सीमा हैदर ने अपने 6वें बच्चे का नाम भारत रखा, महिलाओं के साथ किया कुंआ पूजन

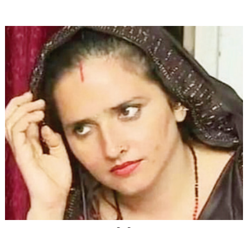

एजेंसी, नोएडा। पाकिस्तान से भारत आईं सीमा हैदर ने अपने बेटे का नाम 'भारत' रख दिया है। गुरुवार को रबूपुरा स्थित घर पर बेटे का नामकरण हुआ। नामकरण संस्कार के पहले सीमा ने कुंआ पूजन किया। डीजे की धुन पर नाचती-गाती मोहल्ले की महिलाएं पूजन करने निकली। घर पर भी संगीत समारोह का आयोजन हुआ। इसके पहले रात में माता के जागरण का आयोजन किया गया था। सीमा ने कहा कि हिंदू धर्म बहुत खूबसूरत है। वे बहुत खुश हैं। उन्हें हिंदू होने पर गर्व है। सीमा हैदर ने कहा कि मैं क्रिकेट मैच में भारत को सपोर्ट करती हूं। भारत जब मैच जीतता है, तब मुझे खुशी होती है। मैच के दौरान भगवान से प्रार्थना करती हूं कि भारत की ही जीत हो। भारत के लोग बहुत ही अच्छे हैं।

भारतीय नौसेना में शामिल हुआ स्वदेशी युद्धपोत आईएनएस तारागिरी

- समुद्री सुरक्षा को मिलेगी नई ताकत
- रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह बोले- ऊर्जा सुरक्षा के लिए मजबूत नौसेना अनिवार्य

एजेंसी, विशाखापट्टनम

भारत की समुद्री ताकत को एक बड़ा बल देते हुए स्वदेशी युद्धपोत आईएनएस तारागिरी को शुक्रवार को औपचारिक रूप से नौसेना के बेड़े में शामिल किया गया। विश्शाखपट्टनम में आयोजित कमीशनिंग समारोह में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने इसे देश की समुद्री सुरक्षा और आत्मनिर्भरता की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बताया। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने अपने संबोधन में कहा कि एक मजबूत और सक्षम नौसेना आज की आवश्यकता है, क्योंकि भारत की ऊर्जा सुरक्षा काफी हद तक समुद्री मार्गों पर निर्भर करती है। उन्होंने यह भी रेखांकित किया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'विकसित भारत 2047' के विज़न को साकार करने में समुद्री शक्ति की अहम भूमिका होगी। आईएनएस तारागिरी 'प्रोजेक्ट 17ए' के तहत विकसित चौथा युद्धपोत है, जिसका निर्माण एमडीएस लिमिटेड मुंबई द्वारा किया

गया है। लगभग 6,670 टन वजनी यह युद्धपोत आधुनिक डिजाइन और अत्याधुनिक इंजीनियरिंग का उत्कृष्ट उदाहरण है। इस पोत की संरचना को विशेष रूप से इस तरह तैयार किया गया है कि यह रडार पर कम दिखाई दे, जिससे इसकी 'स्टील्थ' क्षमता बढ़ती है। जटिल समुद्री परिस्थितियों में भी इसकी संचालन क्षमता उच्च स्तर की है। यह युद्धपोत 75 प्रतिशत से अधिक स्वदेशी सामग्री से निर्मित है, जिसमें 200 से अधिक सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों (एमएसएमईएस) का योगदान रहा है, जिससे देश में रोजगार के अवसर भी बढ़े हैं। आईएनएस तारागिरी में संयुक्त डीजल या गैस प्रणोदन प्रणाली (सीओडीओजी) लगी है, जो इसे उच्च गति और लंबी दूरी तक संचालन की क्षमता प्रदान करती है। यह अत्याधुनिक हथियार प्रणालियों से लैस है, जिनमें सुपरसोनिक सतह से सतह पर मार करने वाली मिसाइलें, मध्यम दूरी की सतह से हवा में मार करने वाली मिसाइलें और उन्नत पनडुब्बी रोधी युद्ध प्रणाली शामिल हैं। इन सभी को एक आधुनिक युद्ध प्रबंधन प्रणाली से जोड़ा गया है, जिससे किसी भी खतरे का तेजी और सटीकता से जवाब दिया जा सकता है। युद्धक क्षमताओं के अलावा, इस पोत को मानवीय सहायता और आपदा राहत कार्यों के लिए भी डिजाइन किया गया है, जिससे यह शांति और संकट दोनों परिस्थितियों में उपयोगी साबित होगा। आईएनएस तारागिरी का नौसेना में शामिल होना भारत के रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता और आधुनिक सैन्य शक्ति की दिशा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि माना जा रहा है, जो देश के समुद्री हितों की सुरक्षा को और मजबूत करेगा।

पुडुचेरी में प्रधानमंत्री मोदी का भव्य रोड शो, एनडीए के समर्थन की अपील

एजेंसी, नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शुक्रवार को पुडुचेरी में रोड शो कर 09 अप्रैल को होने वाले विधानसभा चुनाव के लिए एआईएनआरसी-भाजपा गठबंधन के पक्ष में समर्थन मांगा। इस दौरान उन्होंने राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) सरकार के विकास कार्यों को गिनाते हुए जनता से दोबारा अवसर देने की अपील की। प्रधानमंत्री मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर सिलसिलेवार पोस्ट में रोड शो की तस्वीरें साझा करते हुए इसे "शानदार" बताया। उन्होंने कहा कि पुडुचेरी की जनता ने "बीईएसटी पुडुचेरी" के विजन को आगे बढ़ाने के लिए एनडीए को पुनः चुनने का मन बना लिया है। उन्होंने रोड शो में बड़ी संख्या में शामिल महिलाओं और युवाओं की भागीदारी को भी सराहा। मोदी ने कहा कि मुख्यमंत्री एन. रंगासामी के नेतृत्व में पुडुचेरी ने कई क्षेत्रों में प्रगति की है। उन्होंने सार्वजनिक वितरण प्रणाली को मजबूत करने, रोजगार सृजन, रिक्त पदों को भरने और किसानों व युवाओं के कल्याण के लिए किए गए कार्यों की सराहना की प्रधानमंत्री ने हाल ही में शुरू

की गई विकास परियोजनाओं का उल्लेख करते हुए कहा कि पीएम ई-बस सेवा के तहत शुरू की गई ई-बसों से परिवहन अधिक आरामदायक और पर्यावरण अनुकूल हुआ है। उन्होंने एनएच-32 के एक हिस्से पर एलिवेटेड कॉरिडोर, एनएच-332ए के 14 किमी हिस्से के उन्नयन और पुडुचेरी-पुंडियानकुप्पम सेक्शन के चार लेन निर्माण से बेहतर कनेक्टिविटी का जिक्र किया। साथ ही, मरक्कानम-पुडुचेरी राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजना और माहे स्टेशन के अमृत भारत योजना के तहत कायाकल्प का भी उल्लेख किया। उन्होंने स्वास्थ्य और शिक्षा क्षेत्र में हो रहे विकास कार्यों की चर्चा करते हुए कहा कि एनआईटी कराईकल में डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम ब्लॉक, गंगा हॉस्टल, जिपमर के क्षेत्रीय कैंसर केंद्र का आधुनिकीकरण और पांडिचेरी विश्वविद्यालय में नए बुनियादी ढांचे से स्थानीय जरूरतों के साथ-साथ राष्ट्रीय स्तर पर भी लाभ मिलेगा। आर्थिक विकास पर जोर देते हुए प्रधानमंत्री ने करासूर-सेदारापेट औद्योगिक क्षेत्र को महत्वपूर्ण परियोजना बताया, जहां फार्मा, टेक्सटाइल और आईटी पार्क विकसित किए जा रहे हैं।

शाह ने कहा, असम में सत्ता आते ही यूसीसी लागू होगा

एजेंसी, गोलपाड़ा । केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने असम के गोलपाड़ा में चुनावी सभा को संबोधित कर कहा कि राज्य में यूसीसी लागू किया जाएगा। उन्होंने कहा कि इसके बाद कोई चार शादी नहीं करेगा। यूसीसी में कांग्रेस आदिवासियों को डराती है कि आप पर भी यूसीसी लगेगी लेकिन मैं आपको विश्वास दिलाता हूं कि आदिवासियों को यूसीसी से बाहर रखा जाएगा। केंद्रीय गृह मंत्री शाह ने गोलपाड़ा में कहा कि असम के युवा कहते हैं कि घुसपैठियों की संख्या बहुत बढ़ गई है। इतनी सारी आबादी बढ़ती है, रोका कैसे जाएं। मैं उन युवाओं से कहना चाहता हूं हम असम में यूनिफॉर्म सिविल कोड (यूसीसी) लाएंगे। अब कोई चार शादी नहीं कर पाएगा। यूसीसी में कांग्रेस आदिवासियों को डराती है कि आप पर भी यूसीसी लगेगी लेकिन आदिवासियों को यूसीसी से बाहर रखा जाएगा।

डॉ. बाबासाहब आंबेडकर जयंती को उनके विचारों के उत्सव के रूप में मनाएंः मुख्यमंत्री

तरुणमित्र, मुंबई

महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने शुक्रवार को कहा कि भारतरत्न डॉ. बाबासाहब आंबेडकर जयंती को उनके विचारों के उत्सव के रुप में मनाया जाना चाहिए। मुख्यमंत्री फडणवीस आज डॉ. बाबासाहब आंबेडकर की 135वीं जयंती की तैयारियों के संदर्भ में सह्याद्री अतिथि गृह में समीक्षा बैठक को संबोधित कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि डॉ. बाबासाहब आंबेडकर की ओर से दिए गए विचारों और संविधान ने देश को प्रगति की दिशा प्रदान की है। उनके कार्य और समाज के उत्थान के लिए किए गए योगदान को समाज के प्रत्येक वर्ग तक पहुंचाना अत्यंत आवश्यक है। राज्य सरकार हर वर्ष डॉ. बाबासाहब आंबेडकर जयंती को अधिक प्रभावी और भव्य रूप से मनाने का प्रयास करती है और इस वर्ष भी विभिन्न विभागों के समन्वय से इसे और अधिक व्यापक रूप में मनाया जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि महापुरुषों की जयंती मनाने का उद्देश्य केवल औपचारिकता नहीं, बल्कि उनके विचारों और कार्यों की प्रेरणा को नई पीढ़ी तक पहुंचाना है। डॉ. आंबेडकर द्वारा दिया गया संविधान दुनिया के सर्वश्रेष्ठ संविधानों में से एक है और इसके समावेशी सिद्धांतों के कारण भारत एक विकसित राष्ट्र बनने की दिशा में अग्रसर है। समाज को मिलने वाले अवसर, अधिकार और प्रगति के पीछे किसका योगदान है, यह नई पीढ़ी को समझना आवश्यक है। इसलिए जयंती समारोह केवल उत्सव न होकर विचारों के प्रसार का माध्यम बनना चाहिए। इस बैठक में सामाजिक न्याय मंत्री संजय शिरसाट, पूर्व राज्यमंत्री भाई गिरकर, पूर्व विधायक प्रकाश गजभिये, मुंबई महानगरपालिका आयुक्त अश्विनी भिडे, अपर मुख्य सचिव लोकेश चंद्र, नगर विकास विभाग के अपर मुख्य सचिव गोविंदराज, कोकण विभागीय आयुक्त रूबल अग्रवाल, मुंबई पुलिस आयुक्त देवेन भारती, प्रधान सचिव श्रीकर परदेशी, सामाजिक न्याय विभाग के प्रधान सचिव हर्षदीप कांबळे, भंते डॉ. राहुल बोधी महाथेरो, डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर महापरिनिर्वाण दिन समन्वय समिति के महासचिव नागसेन कांबले, दादर चैत्यभूमि स्मारक समिति के प्रतिनिधि तथा विभिन्न विभागों के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

मालाड में 600 रुपये के विवाद पर हिंसक झड़प, तेजाब हमले में छह झुलसे

तरूणमित्र/ब्यूरो

मुंबई। मालाड इलाके में 600 रुपये के लिए शुरू हुआ विवाद देखते ही देखते अचानक हिंसक झड़प में बदल गया। दरअसल मामला यह है कि पाल नगर स्थित एक अनधिकृत केमिकल कंपनी में काम करने वाले मजदूरों के बीच उधारी को लेकर कहासुनी हो रही थी। मामला ज्यादा बढ़ने पर दोनों गुटों के लोगों ने एक-दूसरे पर लात-घूंसे बरसाने शुरू कर दिए।

इसके बाद स्थिति इतनी गंभीर हो गई कि कुछ लोगों ने गुस्से में आकर एक-दूसरे पर तेजाब फेंकना शुरू कर दिया। इससे वहां मौजूद लोगों में अफरा-तफरी मच गई। इस झड़प में 6 लोग बुरी तरह झुलस गए और गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना के बाद सभी घायलों को नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उनका इलाज जारी है। घटना के बाद पाल नगर इलाके में तनाव का माहौल बना हुआ है। हालात को देखते हुए इलाके में पुलिस बल की तैनाती की गई है। मामले को लेकर मुंबई पुलिस ने दोनों गुटों के खिलाफ दंगा करने और जानलेवा हमले की कोशिश के तहत मामला दर्ज कर लिया है। इसके साथ ही फरार आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए विशेष टीमें बनाई गई हैं। जो लगातार छापेमारी कर रहे है। इसके अलावा जिस अनधिकृत केमिकल यूनिट में यह घटना हुई है। वहां प्रशासन की टीम जांच कर रही है।

ठाणे में काशैली भवन निवासियों पर कार्रवाई की तलवार लटकी

तरुणमित्र, मुंबई । ठाणे शहर में डेवलपर्स द्वारा फर्जी दस्तावेज तैयार करके बनाई गई इमारतों में रहने वाले हजारों लोगों पर कार्रवाई की तलवार लटक रही है। इस मामले में विधायक संजय केलकर ने एमएमआरडीए अधिकारियों को संबंधित डेवलपर्स के खिलाफ केस दर्ज करके रहने वालों को राहत देने का निर्देश दिया है। विधायक संजय केलकर ने आज बताया कि काशेली इलाके में डेवलपर्स ने एमएमआरडीए के फर्जी डॉक्यूमेंट्स तैयार करके बिल्डिंग्स बनाई हैं और उनमें हजारों लोग रह रहे हैं। फर्जी दस्तावेज़ तैयार करके बैंक लोन भी लिए गए हैं। हालांकि, अब एमएमआरडीए ने रहने वालों को सभी कागजात जमा करने के लिए नोटिस जारी किया है। चूंकि डेवलपर्स आपत्ति नहीं प्रमाणपत्र जारी करने में भी आनाकानी कर रहे हैं।

टीना डाबी ने टोंक जिला कलेक्टर पद पर कार्यभार ग्रहण किया

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक तरुणमित्र ब्यूरो चीफ टोंक डॉ नरेन्द्र मेहरा

टोंक। टोंक जिला कलेक्टर के पद पर 2015 की यूपीएससी टॉपर आईएएस टीना डाबी ने आज दोपहर को टोंक कलेक्ट्रेट कार्यालय पर पदभार ग्रहण कर लिया है। इस मौके पर टोंक जिला कलेक्टर टीना डाबी ने कहां कि सरकार की 25 प्लेगशिप नमस्ते योजनाओं को आमजन तक पहुंचाना प्राथमिकता है। इसके अलावा आमजन की समस्याओं के निस्तारण करके उन्हें राहत पहुंचाई है और उन्होंने कहा की केन्द्र व राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं

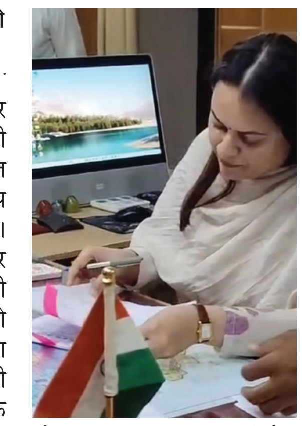

को आमजन तक पहुंचाना ही मेरा प्रयास रहेगा इसमे किसी भी प्रकार की कोताही बर्दास्त नहीं की जाएगी

उज्जैन में विज्ञान, आध्यात्मिकता और संस्कृति का अद्भुत समन्वय : धर्मेंद्र प्रधान

- उज्जैन में 'महाकाल द मास्टर ऑफ टाइम' इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस का शुभारंभ

एजेंसी, भोपाल

केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने कहा कि उज्जैन वह स्थान है जहां अध्यात्म और विज्ञान के बीच की दूरी समाप्त हो जाती है और एक नई दृष्टि का जन्म होता है। भारत के जितने भी प्रमुख आध्यात्मिक केंद्र हैं, चाहे वह उज्जैन हो, काशी हो, कांची हो या पुरी धाम, सभी भारतीय ज्ञान परंपरा पर आधारित ऐसी 'जीती-जागती प्रयोगशालाएं' हैं, जहां विज्ञान, कला, संस्कृति,

साहित्य और आध्यात्मिकता का अद्भुत समन्वय मिलता है। केंद्रीय मंत्री प्रधान शुक्रवार को मध्य प्रदेश के उज्जैन में अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन 'महाकालः द मास्टर ऑफ टाइम' के शुभारंभ सत्र को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने महाकालः द मास्टर ऑफ टाइम अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में पधारे विद्वानों और विशेषज्ञों का स्वागत अभिनंदन किया। इस दौरान उन्होंने विज्ञान और आध्यात्मिकता के अटूट संबंध पर विशेष बल दिया।

उन्होंने कहा कि विज्ञान आध्यात्मिकता के बिना अधूरा है और इसका सबसे सटीक उदाहरण स्वयं उज्जैन नगरी और महाकाल मंदिर की व्यवस्थाओं में दिखाई देता है। केंद्रीय मंत्री प्रधान ने महाकाल मंदिर के एक वैज्ञानिक अनुष्ठान का उल्लेख करते हुए बताया कि वैशाख मास के पहले दिन से भगवान शिव के ऊपर मटके से निरंतर जल की धारा प्रवाहित करने की व्यवस्था केवल एक धार्मिक परंपरा नहीं, बल्कि ग्रीष्मकाल की चुनौतियों का एक वैज्ञानिक समाधान और पर्यावरणीय प्रबंधन है। यह दर्शाता है कि हमारा समाज सदियों से काल गणना और प्रकृति के बदलावों के अनुसार अपनी जीवनशैली को ढालने की वैज्ञानिक समझ रखता था। भारतीय ज्ञान परंपरा में पर्यावरण के प्रति उत्तरदायित्व और संतुलित जीवन प्रवाह हमेशा से केंद्र में रहा है।

सच्चा शासक वही, जो अपनी जनता के दुख-दर्द को खुद महसूस करे : भैय्याजी जोशी

एजेंसी, नई दिल्ली । राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के वरिष्ठ प्रचारक और मार्गदर्शक सुरेश भैय्याजी जोशी ने शुक्रवार को यहां कहा कि श्रीराम ने 14 साल जंगलों में बिताए ताकि वे आम जनमानस और पिछड़े समाज की समस्याओं को करीब से देख सकें। उसके बाद, 'राम-राज्य' की नींव रखी। उनका जीवन सिखाता है कि नेतृत्व का अर्थ आदेश देना नहीं बल्कि समाज के प्रति समर्पित होना है। जब तक शासक जनता के संघर्ष को नहीं पहचानता, वह न्याय नहीं कर सकता। जोशी ने इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केंद्र (आईजीएनसीए) में आयोजित तीन दिवसीय अयोध्या पर्व के उद्घाटन समारोह में कहा, "मर्यादा पुरुषोत्तम राम के आदर्शों पर आधारित राष्ट्र का पुनर्निर्माण ही आज के युग की सबसे बड़ी आवश्यकता है।

रत्नागिरी जिले में आग से निजी बस जलकर राख, 30 यात्री बाल-बाल बचे

तरुणमित्र

मुंबई । महाराष्ट्र के रत्नागिरी जिले के संगमेश्वर तहसील में पुणे-रत्नागिरी हाइवे पर शुक्रवार को सुबह अचानक आग लगने से एक निजी बस जलकर राख हो गई। लेकिन बस चालक गोविंद सालुंखे की तत्परता से बस में सफर कर रहे सभी ३० यात्रियों को सुरक्षित बस से उतार लिया गया। इस घटना की जांच सखारपा पुलिस स्टेशन की टीम कर रही है।

इस घटना की छानबीन कर रहे पुलिस उपनिरीक्षक प्रमोद वाघते ने बताया कि निजी बस गुरुवार को पुणे से रात में

रत्नागिरी से निकली थी। जैसे ही बस सखारपा जाधववाड़ी के पास गद्रे पेट्रोल पंप के सामने पहुंची तो बस में अचानक आग लग गई। बस में आग लगने की भनक जैसे ही चालक गोविंद धोंडीराम सालुंखे को लगी, उसने बस को हाइवे के किनारे रोक दिया। इसके बाद बस चालक ने सभी यात्रियों को तत्काल बस से उतार दिया। इस घटना की सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड की टीम तत्काल मौके पर पहुंची और बस में लगी आग को बुझा दिया। इस घटना में सभी यात्री सुरक्षित बच गए लेकिन बस में उनका सामान जलकर राख हो गया। इस घटना की छानबीन की जा रही है।

श्रीयादे माता मेले में उमड़ा जनसैलाब, 185 प्रतिभाओं व भामाशाहों को मिला सम्मान

श्रीयादे माता का दो दिवसीय वार्षिक मेला शुक्रवार को धूमधाम से सम्पन्न

स्थानीय संपादक कर्मपालसिंह सवाली

सिरोही. श्री मारू प्रजापति विकास एवं सेवा संस्थान समस्त सोलह परगना सिरोही की ओर से आयोजित श्रीयादे माता का दो दिवसीय वार्षिक मेला शुक्रवार को धूमधाम से सम्पन्न हुआ। मेले के दूसरे दिन मां श्रीयादे की तस्वीर पर माल्यार्पण कर कार्यक्रम की शुरुआत की गई।

मेले में समाज की 185 प्रतिभाओं को सम्मानित किया गया। इनमें 10वीं व 12वीं बोर्ड परीक्षा में 80 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त करने वाले विद्यार्थी, स्नातक व अधिस्नातक स्तर पर 75 प्रतिशत अंक हासिल करने वाले छात्र-छात्राएं, राजकीय सेवा में चयनित युवा तथा राष्ट्रीय स्तर पर प्रमाण-पत्र प्राप्त करने वाले शामिल रहे। इन सभी प्रतिभाओं को हीरालाल नरसाराम मंडोरा मोहब्बतनगर व पुरीबेन थानाराम सिरोही की ओर से आकर्षक ईनाम देकर सम्मानित किया गया।

संस्थान के अध्यक्ष शंकरलाल मंडोरा व उपाध्यक्ष शंकरलाल सिरोही ने बताया कि मेले को लेकर समाजबंधुओं में खासा उत्साह देखने को मिला। हजारों की संख्या में समाजबंधुओं ने शिरकत की।

सह प्रचार-प्रसार मंत्री भरत कुमार ने बताया कि मेले में कैबिनेट मंत्री जोराराम कुमावत, सांसद लुम्बाराम चौधरी, भाजपा जिलाध्यक्ष रक्षा भंडारी, गणपत सिंह, भाजपा ओबीसी मोर्चा जिलाध्यक्ष अमराराम, भाजयुमो जिला महामंत्री अनिल प्रजापत समेत अन्य का आतिथ्य रहा। समाज की ओर से सभी अतिथियों का स्वागत किया गया।

सह कोषाध्यक्ष पदमाराम ने बताया कि इसके साथ ही मेले में सहयोग करने वाले भामाशाह भरत भाई खीमाराम सवली, नटवरलाल धर्माराम गोयली समेत मेले मे सहयोग करने वाले सभी भामाशाहों का सम्मान किया गया।

कैबिनेट मंत्री जोराराम कुमावत ने संबोधित करते हुए कहा कि समाज की प्रतिभाओं को सम्मानित करना उनके भीतर सकारात्मक प्रेरणा जगाने का उत्कृष्ट प्रयास है। जब हम किसी व्यक्ति की मेहनत और उपलब्धियों को सार्वजनिक रूप से सम्मानित करते हैं तो हम सिर्फ उसका मनोबल नहीं बढ़ाते, बल्कि समाज के अन्य लोगों को आगे बढऩे की प्रेरणा देते हैं। सोलह परगना के अध्यक्ष शंकरलाल मंडोरा ने भी समाज विकास व उत्थान पर विचार रखे।

माणक प्रजापत ने बताया कि वरिष्ठ उपाध्यक्ष कसनाराम, कोषाध्यक्ष भरत कुमार, सचिव सुरेश कुमार, सह सचिव रणछोड़ कुमार, शिक्षामंत्री छोगाराम, प्रचार-प्रसार मंत्री मंछाराम सहित नाथूराम, वीराराम, चम्पत परमार, अमृतलाल, थानाराम, महेंद्र प्रजापत,बाबूलाल, हिदाराम, भेराराम, कन्हैयालाल, अशोक कुमार, नरेश कुमार, अनिल चौहान, विनोद कुमार, धर्मेंद्र कुमार, हसमुख कुमार, सुरेश कुमार, मुकेश सेजारा, मुकेश कुमार, नरेश परमार सहित समाजबंधुओं ने सहयोग किया। कार्यक्रम का संचालन शिक्षामंत्री छोगाराम, शिक्षक महेन्द्र कुमार, शिक्षक सुरेश कुमार व पदमाराम ने किया।

द्रव्यवती नदी को प्रदूषण मुक्त करने के लिए राज्य सरकार सख्त

अतिरिक्त मुख्य सचिव ने किया निरीक्षण, आगामी 5 दिनों में सर्वे करवा व्यापक कार्ययोजना तैयार करने के दिए निर्देश

विशालसिंह सवाली

जयपुर, 3 अप्रैल। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के द्रव्यवती नदी को प्रदूषण मुक्त बनाने के स्पष्ट निर्देशों की अनुपालना में शुक्रवार को नगरीय विकास एवं आवासन विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव श्री आलोक गुप्ता ने वरिष्ठ अधिकारियों के साथ द्रव्यवती नदी का निरीक्षण किया।

निरीक्षण के दौरान श्री आलोक गुप्ता के साथ जयपुर विकास प्राधिकरण (जेडीए) आयुक्त श्री सिद्धार्थ महाजन तथा नगर निगम आयुक्त श्री ओम कसेरा , जेडीए सचिव श्री गौरव सैनी, जेडीए के निदेशक अभियांत्रिकी श्री अजय गर्ग एवं प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के उच्च अधिकारी उपस्थित रहे। अधिकारियों ने बम्बाला पुलिया से स्वर्ण जयंती पार्क तक द्रव्यवती नदी के विभिन्न हिस्सों का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया।

निरीक्षण के दौरान अतिरिक्त मुख्य सचिव आलोक गुप्ता ने नगर निगम, जेडीए एवं प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के अधिकारियों को निर्देश दिए कि आगामी 5 दिनों में जयपुर शहर का समग्र अध्ययन कर द्रव्यवती नदी में प्रदूषण को कम करने के लिए ठोस एवं प्रभावी समाधान तैयार किए जाएं। उन्होंने कहा कि जिन नालों को बंद किया जा सकता है, उन्हें प्राथमिकता से चिन्हित कर तत्काल प्रभाव से बंद किया जाए। इसके साथ ही उन्होंने द्रव्यवती नदी के रख-रखाव पर विशेष ध्यान देने के निर्देश देते हुए कहा कि मेंटेनेंस कार्यों की नियमित मॉनिटरिंग सुनिश्चित की जाए। नदी किनारे स्थित शौचालयों एवं वॉक-वे की समुचित सफाई एवं रख-रखाव सुनिश्चित करने के भी निर्देश दिए गए। अतिरिक्त मुख्य सचिव ने स्पष्ट किया कि द्रव्यवती नदी को स्वच्छ एवं प्रदूषण मुक्त बनाना राज्य सरकार की प्राथमिकता है तथा इस दिशा में सभी संबंधित विभाग समन्वय के साथ प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित करें।

शैक्षिक महासंघ ने अवकाश कटौती पर जताया विरोध, शिविर पंचांग में बदलाव पर प्रदर्शन की चेतावनी दी

तरुणमित्र

फालना (रितेश अग्रवाल)। बाली उपखंड के राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय नंबर 1 के सभागार में अखिल भारतीय राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ (ABRSM) की बैठक खंड अध्यक्ष परबत सिंह महेचा की अध्यक्षता में आयोजित की गई। इस बैठक में सरकार द्वारा जारी शिविर पंचांग में ग्रीष्मकालीन अवकाश और प्रधानाचार्य अवकाश में की गई कटौती तथा विद्यालय के समय परिवर्तन पर गहन विचार-विमर्श किया गया। महासंघ ने नए शैक्षिक सत्र 2026-27 के लिए सभी सदस्यों को बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। बैठक में ग्रीष्मकालीन अवकाश में कटौती, प्रधानाचार्य के अवकाश में एक दिन की कटौती और विद्यालय का समय 1 अप्रैल की जगह 1 मार्च से करने के सरकारी निर्णय पर चर्चा हुई। सदस्यों ने इन मांगों को नहीं माने जाने पर धरना प्रदर्शन और आगे की कार्य योजना बनाने का निर्णय लिया। बैठक में अखिल भारतीय राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ के 15 अप्रैल से 25 अप्रैल तक होने वाले सदस्यता अभियान पर भी चर्चा की गई। इस अभियान को सफल बनाने के लिए संकुलवार संयोजक, सहसंयोजक और महिला संयोजक नियुक्त किए गए। इस बैठक में वरिष्ठ उपाध्यक्ष एवं खंड प्रभारी सुरेंद्र सिंह राणावत, मंत्री विक्रम सिंह, कोषाध्यक्ष जब्बर सिंह आढा, उपाध्यक्ष छगनलाल, वरिष्ठ उपाध्यक्ष महेंद्र सरेल, उदय सिंह कुंपावत, महिला मंत्री रेखा परिहार, सुनीता शेखावत, संगीता कुमारी, गजेंद्र सिंह राठौड़, दिनेश, सरोज राठौड़ और धर्मपाल सरेल मौजूद रहे।

देवली की बेटी का कमाल: विधायक ने बढ़ाया हौसला, ओलंपिक तैयारी के लिए 2 लाख की गन भेंट

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक तरुणमित्र ब्यूरो चीफ टोंक डॉ नरेन्द्र मेहरा

टोंक। देवली-उनियारा क्षेत्र से एक गर्व की खबर सामने आई है, जहाँ पोल्याडा निवासी प्रतिभाशाली निशानेबाज राधिका मीणा को उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए सम्मानित किया गया। राधिका ने राष्ट्रीय स्तर की निशानेबाजी प्रतियोगिता में पदक हासिल कर न केवल अपने परिवार बल्कि पूरे देवली, टोंक और राजस्थान का नाम रोशन किया है।

देवली के प्रधान बनवारी चौधरी ने बताया की आज देवली-उनियारा विधायक राजेंद्र गुर्जर द्वारा राधिका मीणा को उनके उज्ज्वल भविष्य और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर देश का प्रतिनिधित्व करने के उद्देश्य से 2 लाख मूल्य की गन भेंट की गई। यह पहल राधिका के एशियाई खेलों और ओलंपिक की तैयारी को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम मानी जा रही है।

बताया जा रहा है कि करीब तीन महीने पहले श्री कमल शर्मा ने विधायक राजेन्द्र गुर्जर से देवली दौरे के दौरान मुलाकात कर राधिका मीणा, उनके पिता महावीर मीणा एवं माता शकुंतला मीणा (जो देवली पुलिस में कार्यरत हैं) से परिचय करवाया था। उसी समय राधिका के उज्ज्वल भविष्य को देखते हुए गन उपलब्ध कराने का निवेदन किया गया था, जिसे विधायक गुर्जर ने सहर्ष स्वीकार किया।

आज अपने वादे को पूरा करते हुए विधायक राजेन्द्र गुर्जर ने गन भेंट कर राधिका को आशीर्वाद दिया और कहा कि वे देश का नाम अंतरराष्ट्रीय मंच पर रोशन करें।

यह पहल न केवल राधिका मीणा के लिए बल्कि क्षेत्र के अन्य युवाओं के लिए भी एक प्रेरणा है कि मेहनत और लगन से हर लक्ष्य हासिल किया जा सकता है।

खूबसूरत कविता : ग़जब है जिंदगी

तरुणमित्र
(पत्रकार - रितेश अग्रवाल, फालना)

समझ गए जिन्दग़ी, तो आबाद है।
न समझे, तो समझो गजब है जिन्दग़ी
समय निकल जाता है हंसते, रोते
और सीखने में,
अच्छा निकल गया,
तो समझो जिंदगी तो आबाद है
और ना निकले तो समझो गजब है जिंदगी।
आंखों से बातें समझने वाले ही
इस दुनिया के समझदार है
और जो ना समझे वो वफादार नहीं है।
ना उदास होना कभी ,
खुद को ही समझना है जरूरी
खुद पर ही समय निकालना है।
इस बात को समझ गए
तो समझो जिंदगी तो आबाद है
ना समझे तो गजब है जिंदगी।
कोई नहीं बनता यहाँ हम दर्द वाला दोस्त ,बन जाए तो समझो आबाद है जिंदगी
न बने तो समझो ग़जब है जिंदगी।
अपनो का साथ मिलना तो दस्तूर है
अपनो के साथ बिना मन मुटाव के साथ, खुश रहना है, तो समझो आबाद है जिंदगी, न बन पाए ,और न मिल पाए अपनो का साथ तो समझो ग़जब है जिंदगी।
बुढापे में बच्चों का साथ मिल जाए
तो समझो, बची जिंदगी आबाद है और यदि न मिले तो समझो ग़जब है जिंदगी।

लेखक - हेमा बहल

डीडवाना की दीपिका रांकावत (वैष्णव) ने रचा इतिहास, 99.80% अंकों के साथ बनीं राजस्थान साइंस टॉपर

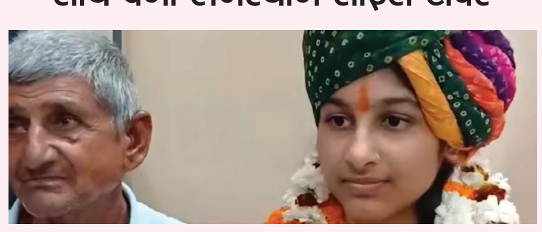

स्थानीय संपादक
कर्मपालसिंह सवाली

जयपुर, डीडवाना। पूरे राजस्थान में साइंस की टॉपर 12th Result 2026: डीडवाना की दीपिका रांकावत वैष्णव ने रचा इतिहास, 99.80% अंकों के साथ बनीं राजस्थान साइंस टॉपर। राजस्थान मारवाड़ क्षेत्र के देसूरी में भी वैष्णव समाज में हर्ष की लहर, पूर्व मीडिया प्रभारी कल्पेश वैष्णव ने बताया कि समाज की बेटी ने अपने माता-पिता के साथ-साथ पूरे राजस्थान का गौरव बढ़ाया, पूर्व मंडल अध्यक्ष अशोकपुरी गोस्वामी , समाजसेवी चेनाराम चौधरी, पूर्व मंडल अध्यक्ष जगदीश प्रजापति ,फताराम प्रजापति, तुलसीदास वैष्णव,गजेंद्र वैष्णव,घनश्याम छीपा, मोतीलाल प्रजापति, राजू मेवाड़ा, समाजसेवी अनिल कुमार माली (अन्नाराम माली) दुर्गेश वैष्णव, कमलेश वैष्णव, ललित वैष्णव अलावा अनेक युवाओं ने खुशी का इजहार करते हुए बधाइयां शुभकामनाएं दी।

गौ सम्मान आवाहन अभियान के तहत आज हस्ताक्षर अभियान शुरू

चीफ ब्यूरो किशन पालीवाल आमेट

आमेट=नगर में गौ सम्मान आवाहन अभियान के तहत चल रहे हस्ताक्षर अभियान में नगर के आराध्य देव भगवान श्री जयसिंह श्याम मंदिर परिसर पर जयसिंह श्याम मित्र मंडल द्वारा गौ सम्मान आवाहन अभियान के लिए गाय माता को राष्ट्रमाता का सम्मान मिले। इस हस्ताक्षर अभियान में श्री जय सिंह श्याम मित्र मंडल गो भक्तों द्वारा गाय माता के लिए चल रहे हस्ताक्षर अभियान में हस्ताक्षर कर शपथ ली गई। और कहा कि गौ माता के सम्मान के लिए पूरा राष्ट्र एक साथ खड़ा है। और अपनी संस्कृति और परंपरा व कर्तव्य के लिए यह एक जन-जन का संकल्प है। और गो माता राष्ट्र माता का सम्मान दिलाकर रहेगा का संकल्प लिया । इस अवसर पर श्री जय सिंह श्याम मित्र मंडल के जय सिंह शर्मा, रघु शर्मा, प्रकाश सोनी,धर्मेश सोनी, रमेश शर्मा,विनोद शर्मा, गणपत बागवान, संजू ट्रेलर, नारायण सिंह पवार सहित गोपद उपस्थित थे।

हनुमान जन्मोत्सव पर पालीवाल समाजबड़ी पोल मंदिर परिसर पर भजन संध्या का आयोजन हुआ

तरुणमित्र
चीफ ब्यूरो किशन पालीवाल

राजसमंद । आमेट उपखंड क्षेत्र के बड़ी पोल पालीवाल समाज द्वारा भगवान श्री चारभुजा नाथ मंदिर परिसर पर हनुमान जन्मोत्सव पर विभिन्न आयोजनों के साथ रात्रि को एक भजन संध्या का आयोजन किया गया। पालीवाल नवयुग मंडल द्वारा बताया गया कि प्रातः बजरंगबली की प्रतिमा को विशेष श्रृंगार कराया गया यज्ञ हवन अनुष्ठान किया गया संध्याकालीन 8:00 बजे हनुमान जी महाराज की महा आरती उतारी और 21 किलो का रोट बनाकर बालाजी महाराज को भोग लगाया गया और प्रसाद वितरण किया गया।

वहीं रात्रि को 9:00 बजे एक शाम बालाजी के नाम भजन संध्या का आयोजन किया गया जिसमें भजन गायक उमेश (काका) व मुरलीधर (पानडी) आदि भजन कलाकारों द्वारा एक से बढ़कर एक भजनों की प्रस्तुति दी गई। जिसे श्रोतागणों झूम उठे । यह भजन संध्या देर रात तक चली भजन संध्या में पालीवाल समाज के महिला ,पुरुष, बालक बालिकाएं व आसपास मोहल्ले के श्रोतागणों ने भजन संध्या का आनंद उठाया।

पालेश्वर महादेव मंदिर में हनुमान चालीसा पाठ का आयोजन

पाली ब्यूरो चीफ भरत शर्मा

पाली -रानी। हनुमान जयंती के अवसर पर श्री अंजली पुत्र हनुमान चालीसा पाठ मंडल बिजोवा के तत्वावधान में पालेश्वर महादेव मंदिर पर हनुमान चालीसा पाठ व भजन संध्या का आयोजन किया। मंदिर परिसर को आकर्षक रोशनी से सजाया गया।श्री हनुमान की प्रतिमा पर मनमोहक आंगी की गई। कार्यक्रम की शुरुआत गणपति वंदना से हुई।बाद में हनुमान चालीसा का लगातार पांच बार सामुहिक पाठ किया गया। पूरा माहोल भक्तिमय बन गया। कार्यक्रम में भजन भी प्रस्तुत किए गए। कार्यक्रम में भरत सुथार, लालचंद चौहान, विमल सुथार, ललित उपाध्याय,अरविंद शर्मा, बालचंद सेन,भरत उपाध्याय, देवेन्द्र सिंह,खुश शर्मा, लीलाधर शर्मा, विशाल सिंह, महावीर शर्मा,राम लाल, रमेश शर्मा, भीमराज ,सुकन टेलर, हेमंत त्रिवेदी,चन्दु, हितेश सहित सैकड़ों लोग उपस्थित थे।

आपदा प्रबंधन को मजबूत बनाने की पहल, एनडीआरएफ-एसडीआरएफ देंगे प्रशिक्षण

तरुणमित्र/ ब्यूरो

ठाणे। ठाणे जिले में आपदा प्रबंधन व्यवस्था को अधिक सक्षम और प्रभावी बनाने के उद्देश्य से जिला प्रशासन ने विशेष प्रशिक्षण अभियान शुरू करने का निर्णय लिया है। इस अभियान के तहत राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया बल (एनडीआरएफ) और राज्य आपदा प्रतिक्रिया बल (एसडीआरएफ) के अधिकारी स्थानीय प्रशासन और स्वयंसेवकों को आपदा से निपटने के व्यावहारिक प्रशिक्षण देंगे।

जिला प्रशासन का मानना है कि प्राकृतिक या मानव निर्मित आपदाओं के दौरान समय पर और समन्वित कार्रवाई से जनहानि को काफी हद तक रोका जा सकता है। इसी उद्देश्य से जिलाधिकारी डॉ. श्रीकृष्ण पांचाळ, जो जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के अध्यक्ष भी हैं, के निर्देश पर 1 अप्रैल से 15 अप्रैल 2026 तक 'परिचय सराव कार्यक्रम' आयोजित किया गया है।

यह प्रशिक्षण प्रतिदिन सुबह 10 बजे से शाम 4 बजे तक जिले के विभिन्न स्थानों पर आयोजित किया जाएगा, जिसमें प्रत्येक सत्र में लगभग 200 प्रतिभागी शामिल होंगे। इस पहल के तहत एनडीआरएफ और एसडीआरएफ की संयुक्त टीम स्थानीय तंत्र को आधुनिक उपकरणों के उपयोग, आपदा के दौरान त्वरित प्रतिक्रिया, और विभिन्न एजेंसियों के बीच समन्वय बनाए रखने की जानकारी देगी।

प्रशिक्षण के लिए एनडीआरएफ और एसडीआरएफ के कुल 25 अनुभवी अधिकारी एवं कर्मचारी ठाणे पहुंचे हैं, जिनमें 1 राजपत्रित अधिकारी, 2 अधीनस्थ अधिकारी और 22 जवान शामिल हैं। यह टीम शहरी और ग्रामीण दोनों क्षेत्रों में जाकर प्रशिक्षण देगी।

निवासी उपजिल्हाधिकारी एवं जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के मुख्य कार्यकारी अधिकारी डॉ. संदीप माने ने सभी संबंधित विभागों को इस कार्यक्रम के सफल आयोजन के निर्देश दिए हैं। जिला आपदा प्रबंधन अधिकारी डॉ. अनिता जवंजाळ के साथ-साथ सभी प्रांताधिकारी और तहसीलदार भी इस प्रशिक्षण में सक्रिय भूमिका निभाएंगे।

इस अभियान में केवल सरकारी अधिकारी ही नहीं, बल्कि स्थानीय स्वयंसेवक, नागरिक सुरक्षा दल, पुलिस पाटील और 'आपदा मित्र-सखी' जैसे समूहों को भी शामिल किया गया है, जिससे आपदा के समय जमीनी स्तर पर कार्य करने वाली टीमों को तकनीकी ज्ञान और प्रशिक्षण मिल सके।

प्रशिक्षण कार्यक्रम की तिथियां और स्थान इस प्रकार हैं

2 अप्रैल – नवी मुंबई महानगरपालिका (मुख्यालय सभागार)

4 अप्रैल – उल्हासनगर महानगरपालिका (सिधूभवन ऑडिटोरियम)

6 अप्रैल – ठाणे महानगरपालिका (नरेंद्र बल्लाळ हॉल)

7 अप्रैल – मीरा-भाईंदर महानगरपालिका (नगर भवन, भाईंदर पश्चिम)

8 अप्रैल – भिवंडी-निजामपुर महानगरपालिका (राजय्या गाजेगी हॉल)

9 अप्रैल – तहसीलदार कार्यालय, शहापुर (शेतकी भवन)

10 अप्रैल – कल्याण-डोंबिवली महानगरपालिका (बिर्ला कॉलेज, कल्याण)

13 अप्रैल – तहसीलदार कार्यालय, मुरबाड (एमआईडीसी सभागार)

15 अप्रैल – तहसीलदार कार्यालय, अंबरनाथ (आदर्श हाईस्कूल, बदलापुर)

इस पहल से ठाणे जिले की आपदा प्रबंधन प्रणाली को नई मजबूती मिलने की उम्मीद जताई जा रही है।

मनपा की नगर रचना विभाग ने तोड़े कमाई के रिकॉर्ड

तरुणमित्र/ब्यूरो

नवी मुंबई। नवी मुंबई मनपा का नगर रचना विभाग इन दिनों अपनी वित्तीय सफलता की नई इबारत लिख रहा है. आर्थिक वर्ष 2025-26 के समापन पर विभाग ने राजस्व वसूली के मामले में न केवल अपने लक्ष्य को भेदा है, बल्कि पिछले सालों के मुकाबले एक बड़ी छलांग लगाई है. मनपा आयुक्त डॉ. कैलास शिंदे के रणनीतिक नेतृत्व में नगर रचना विभाग ने 541.84 करोड़ रुपये का ऐतिहासिक राजस्व जमा किया है।

विभाग की इस सफलता का अंदाजा पिछले चार वर्षों के तुलनात्मक आंकड़ों से लगाया जा सकता है. हर साल लक्ष्य और वसूली का फासला जिस तरह बढ़ा है, उसने निगम की आर्थिक स्थिति को मजबूती दी हैः वर्ष 2022-23 में 200 करोड़ का लक्ष्य था लेकिन वशूली 266.81 करोड़ रुपये हुई. इसी तरह 2023-24 में 278.16 लक्ष्य पर 204.24 करोड़ रुपये वशूली हुई. 2024-25 में 305 के लक्ष्य पर 381.98 करोड़ रुपये वशूली हुई. और 2025-26 में संशोधित 400 करोड़ रुपये के लक्ष्य पर 541.84 करोड़ रुपये वशूली हुई है। इस भारी राजस्व वृद्धि के पीछे मुख्य कारण निर्माण अनुमति प्रक्रिया का पूरी तरह डिजिटल होना है. BPMS और AutoDCR प्रणालियों के कारण फाइलों का निपटारा अब महीनों के बजाय हफ्तों में हो रहा है. इसके अलावा, प्रशासन ने जर्जर इमारतों के लिए जो पुनर्विकास सेल बनाया, उसने रुकी हुई परियोजनाओं में जान फूंक दी. जब प्रोजेक्ट्स की रफ्तार बढ़ी, तो विकास शुल्क और अन्य टैक्स के रूप में निगम के पास रिकॉर्ड पैसा पहुंचा।

पारदर्शिता और समन्वय का मिला लाभ : आयुक्त डॉ. कैलास शिंदे और सहायक संचालक सोमनाथ केकाण ने शासन स्तर पर UDCPR (एकीकृत विकास नियंत्रण नियमावली) से जुड़ी तकनीकी अड़चनों को सुलझाने में सक्रिय भूमिका निभाई. विभिन्न विभागों की NOC को एक ही पोर्टल पर लाने की प्रक्रिया ने डेवलपर्स के लिए काम आसान कर दिया. महापौर सुजाता पाटील ने इस उपलब्धि पर खुशी जाहिर करते हुए कहा कि नगर रचना विभाग के अधिकारियों और कर्मचारियों की मेहनत की वजह से ही आज नवी मुंबई विकास के पथ पर आर्थिक रूप से और भी सक्षम होकर खड़ी है।

गौण खनिज की अवैध ढुलाई पर कार्रवाई, ट्रक सहित 15 लाख का माल जब्त

तरुणमित्र / ब्यूरो

भिवंडी : भिवंडी क्षेत्र में अवैध रूप से रेत (गौण खनिज) की ढुलाई करने वाले माफिया के खिलाफ महसूल विभाग ने बड़ी कार्रवाई की है। कोपर ग्राम के महसूल अधिकारी रमेश रामराव सूर्यवंशी ने अपनी टीम के साथ यह कार्रवाई करते हुए एक ट्रक समेत करीब 15 लाख 15 हजार रुपये का माल जब्त किया है। इस मामले में नारपोली पुलिस स्टेशन में चालक के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है।

जानकारी के अनुसार, काल्हेर, कशेली और कोपर गांवों से अवैध खनन और रेत की ढुलाई की शिकायतें भिवंडी तहसीलदार अभिजित खोले को मिल रही थीं। इसके बाद उन्होंने संबंधित अधिकारियों को सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए। निर्देशों के तहत कोपर ग्राम महसूल अधिकारी रमेश सूर्यवंशी ने अपनी टीम—मनोज नवले, रुपेश कारभारी और किसन हांबीर के साथ 1 अप्रैल को गश्त के दौरान दोस्ती ग्रेटर ठाणे क्षेत्र में एक संदिग्ध हायवा ट्रक (MH 46 CU 9372) को रोका। ट्रक में रेत भरी हुई थी और जब चालक से वैध कागजात मांगे गए तो उसने अधिकारियों से बहस की और मौके से चाबी लेकर फरार हो गया। इस घटना के बाद शासकीय कार्य में बाधा डालने के आरोप में चालक मनोज के खिलाफ नारपोली पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज किया गया। पुलिस ने ट्रक सहित अवैध रेत का माल जब्त कर लिया है। महसूल विभाग की इस कार्रवाई से रेत माफिया में हड़कंप मच गया है। अधिकारी रमेश सूर्यवंशी ने बताया कि अवैध खनन और ढुलाई करने वालों के खिलाफ आगे भी ऐसी कार्रवाई जारी रहेगी।

पश्चिम एशिया में तनाव के बीच पीएम मोदी के नेतृत्व में भारत की आपूर्ति श्रृंखला मजबूतः कैट

तरुण मित्र ब्यूरो

नई दिल्ली। कनफेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) के उपाध्यक्ष एवं ठाणे जिला होलसेल व्यापारी वेलफेयर महासंघ के अध्यक्ष सुरेश भाई ठक्कर ने बताया कि पश्चिम एशिया में जारी भू-राजनीतिक तनाव के बीच जहां वैश्विक स्तर पर चिंताएं बढ़ी हैं, वहीं भारत की आपूर्ति श्रृंखला प्रणाली प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के निर्णायक नेतृत्व में मजबूत, स्थिर और पूरी तरह सक्षम बनी हुई है, यह बात कन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) ने कही।

कैट के राष्ट्रीय महामंत्री एवं दिल्ली से सांसद श्री प्रवीन खंडेलवाल ने कहा कि भारत सरकार ने पहले ही स्पष्ट कर दिया है कि देश में आवश्यक वस्तुओं का पर्याप्त भंडार उपलब्ध है और वस्तुओं की उपलब्धता या वितरण को लेकर किसी प्रकार की चिंता की आवश्यकता नहीं है। केंद्र और राज्य सरकारों के बीच सक्रिय निगरानी तंत्र और मजबूत समन्वय के कारण आपूर्ति श्रृंखला निर्बाध रूप से संचालित हो रही है।

कैट के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री बी. सी. भरतिया ने बताया कि कैट ने देशभर के व्यापारियों को सलाह दी है कि वे वस्तुओं की आपूर्ति को सुचारू और निरंतर बनाए रखें, किसी भी प्रकार की घबराहट से बचें और सामान्य व्यापारिक गतिविधियां जारी रखें। साथ ही व्यापारियों से यह भी आग्रह किया गया है कि वे प्रशासन के साथ सहयोग करें ताकि उपभोक्ताओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो।

खंडेलवाल और भरतिया दोनों ने उन तत्वों की कड़ी निंदा की, जो आवश्यक वस्तुओं की कमी को लेकर अफवाहें और भ्रामक जानकारी फैला रहे हैं। उन्होंने कहा कि ऐसे दावे पूरी तरह निराधार, भ्रामक और राष्ट्रीय हित के विरुद्ध हैं। बाजार में घबराहट फैलाने की कोशिश करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जानी चाहिए।

सांसद खंडेलवाल ने कहा कि आज प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में भारत पहले की तुलना में कहीं अधिक मजबूत स्थिति में है। विविध स्रोतों से आपूर्ति, बेहतर लॉजिस्टिक्स अवसंरचना, उन्नत डिजिटल निगरानी प्रणाली और बढ़ी हुई घरेलू उत्पादन क्षमता ने देश को और सशक्त बनाया है। आत्मनिर्भरता पर सरकार का जोर और आपूर्ति श्रृंखला के डिजिटलीकरण तथा अवसंरचना विकास जैसे कदमों ने व्यापार और वाणिज्य की मजबूती को और बढ़ाया है।

दोनों व्यापारी नेताओं ने कहा कि भारत के रणनीतिक भंडार, कुशल बंदरगाह संचालन और सुव्यवस्थित परिवहन नेटवर्क यह सुनिश्चित कर रहे हैं कि किसी भी बाहरी व्यवधान का घरेलू बाजारों पर न्यूनतम प्रभाव पड़े।

संसद खंडेलवाल ने आश्वस्त किया कि देश का व्यापारिक समुदाय मूल्य स्थिरता बनाए रखने, वस्तुओं की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित करने और देशभर में निर्बाध आपूर्ति के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है।

उन्होंने आगे कहा कि भारत की आर्थिक मजबूती और आपूर्ति श्रृंखला की लचीलापन एक बार फिर यह दर्शाता है कि देश वैश्विक अनिश्चितताओं का प्रभावी ढंग से सामना करने और अपने नागरिकों एवं व्यापारिक समुदाय के हितों की रक्षा करने में पूरी तरह सक्षम है।

विधायक ने किया पिकल बॉल कोर्ट का उद्घाटन, सभी के लिए खुला खेल का मैदान

तरुण मित्र ब्यूरो

ठाणे। शहर में तेजी से लोकप्रिय हो रहे पिकल बॉल खेल को बढ़ावा देने के लिए, ठाणे पूर्व में नये बने पिकल बॉल कोर्ट का भव्य उद्घाटन विधायक संजय केलकर और विधायक निरंजन डावखरे ने किया। यह पहल, पीपल एजुकेशन सोसाइटी और द्रोणाचार्य स्पोर्ट्स अकादमी के सहयोग से शुरू की गई है। हालांकि ठाणे में पहले कुछ निजी पिकल बॉल कोर्ट उपलब्ध हैं, लेकिन यह पहला महत्वपूर्ण कोर्ट माना जा रहा है जो आम खिलाड़ियों के लिए आसानी से सुलभ होगा। ठाणे पिकल बॉल एसोसिएशन के तहत स्थापित इस पहल से खिलाड़ियों को अच्छी सुविधाएं मिलेंगी। इस अवसर पर पीपल एजुकेशन सोसाइटी के अध्यक्ष विद्याधर वैशम्पायन, सचिव अल्हड़ जोशी, ठाणे पिकल बॉल एसोसिएशन के अध्यक्ष मनोहर डुंबरे, सचिव सचिन मोरे, एड. सुभाष काले, ऑर्गनाइज़ेशन के डायरेक्टर भोले, तुरुकमाने तथा श्रीमती मेधा भंडारी सहित एसोसिएशन के अनेक अधिकारी, खिलाड़ी और सामाजिक क्षेत्र से जुड़े लोग बड़ी संख्या में मौजूद रहे। यह नया कोर्ट स्कूल और कॉलेज के विद्यार्थियों को पिकल बॉल जैसे आधुनिक खेल में महारत हासिल करने के लिए एक प्लेटफ़ॉर्म देगा। गणमान्य लोगों ने भरोसा जताया कि भविष्य में ज़्यादा से ज़्यादा युवा इस खेल की ओर रुख करेंगे और व्यावसायिक स्तर पर लाभ अर्जित करेंगे। विधायक संजय केलकर और निरंजन डावखरे ने इस पहल की तारीफ़ की और खिलाड़ियों को सभी ज़रूरी सुविधाएँ और मदद देने का भरोसा दिया। ऐसा लगता है कि यह नई स्पोर्ट्स फ़ैसिलिटी ठाणे पूर्व के स्पोर्ट्स कल्चर को एक नया बढ़ावा देगी।

लिफ्ट रोकने के विवाद को लेकर पड़ोसी की बेरहमी से पिटाई

तरुणमित्र/ब्यूरों

नवी मुंबई। सीवुड्स के सेक्टर 46 स्थित श्री जी हाइट्स जैसी आलीशान सोसाइटी की लिफ्ट गुरुवार की सुबह एक रणक्षेत्र में तब्दील हो गई. महज लिफ्ट रोकने जैसी मामूली बात पर हुए विवाद ने ऐसा तूल पकड़ा कि एक ही परिवार के चार सदस्यों ने मिलकर अपने पड़ोसी की बेरहमी से पिटाई कर दी. पुलिस ने इस मामले में एक महिला सहित चार लोगों के खिलाफ गंभीर धाराओं में मामला दर्ज किया है। घटना गुरुवार सुबह करीब 12 बजे के करीब की है. 21वीं मंजिल पर रहने वाले 39 वर्षीय अजिंक्य मारुति पाटील अपने काम पर जाने के लिए लिफ्ट से नीचे उतर रहे थे. जब लिफ्ट 12वीं मंजिल पर पहुंची, तो वहां रहने वाली अनीता रविंद्र भोईर ने लिफ्ट को रोक लिया लेकिन वह अंदर नहीं आ रही थीं। जल्दी में होने के कारण अजिंक्य ने उनसे विनम्रतापूर्वक कहा, कृपया अंदर आ जाइए या लिफ्ट मत रोकिए, मुझे देरी हो रही है. इतनी सी बात पर अनीता भोईर भड़क गईं और शोर मचाना शुरू कर दिया. शोर सुनकर उनका पति रविंद्र भोईर और दोनों बेटे, सनी और निसील, मौके पर पहुंच गए. देखते ही देखते विवाद मारपीट में बदल गया. आरोपियों ने अजिंक्य को लिफ्ट के भीतर मारना शुरू किया और फिर उन्हें घसीटते हुए अपने घर के अंदर ले गए. आरोप है कि घर के भीतर चारों ने मिलकर अजिंक्य को लात-घूसों से पीटा. इतना ही नहीं, हैवानियत की हद पार करते हुए आरोपियों ने रॉड से अजिंक्य के पैरों और पीठ पर वार किए. इस हमले में अजिंक्य बुरी तरह घायल हो गए हैं. एनआरआई पुलिस स्टेशन ने पीड़ित की शिकायत पर रविंद्र भोईर, सनी, निसील और अनीता भोईर के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है. लेकिन हाई-प्रोफाइल सोसाइटी में हुई इस घटना ने शहर में सुरक्षा और पड़ोसियों के बीच बढ़ते असहिष्णु व्यवहार पर सवाल खड़े कर दिए हैं।

आईएएस ऑफिसर कुमार आशीर्वाद को मुख्यमंत्री फडणवीस ने सौंपी अहम जिम्मेदारी

तरुणमित्र

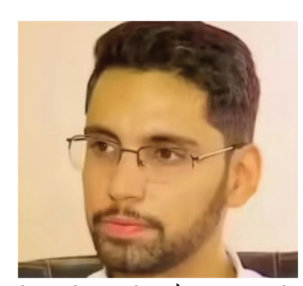

मुंबई। महाराष्ट्र में मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस की अगुवाई वाली राज्य सरकार ने ब्यूरोक्रेसी में बड़ा बदलाव किया है। सरकार ने 25 आईएएस के तबादले किए हैं। इन तबादलों में दिवंगत अजित पवार-अंजना कृष्णा विवाद की जांच करने वाले आईएएस ऑफिसर कुमार आशीर्वाद को मुख्यमंत्री फडणवीस ने अहम जिम्मेदारी सौंपी है। राज्य सरकार ने 2016 बैच के आईएएस अधिकारी कुमार आशीर्वाद को नागपुर का कलेक्टर बनाया है। कुमार आशीर्वाद अभी तक सोलपुर के कलेक्टर थे। 25 आईएएस के तबादलों में सबसे अहम जिम्मेदारी कुमार आशीर्वाद के खाते में आई है। महाराष्ट्र में मुंबई के बाद नागपुर का दबदबा है। इसे राज्य की राजनैतिक राजधानी माना जाता है। इतना ही नहीं शीतकालीन सत्र भी नागपुर में आयोजित होता है। इस सब के अलावा नागपुर कई और वजहों से भी अहम है। यह मौजूदा सीएम देवेंद्र फडणवीस का गृह जनपद हैं। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी का चुनाव क्षेत्र है। इस सब के अलावा राजनैतिक तौर पर नागपुर की काफी ज्यादा अहमियत है। यहां पर ही राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (RSS) का मुख्यालय स्थित है। दूसरी अहम नियुक्ति में सरकार ने आईएएस विनय गौड़ा को चंद्रपुर से छत्रपति संभाजी नगर का नया कलेक्टर नियुक्त किया है। कुमार आशीर्वाद 2016 बैच के आईएएस अधिकारी हैं। उन्होंने आईआईटी खड़गपुर से सिविल इंजीनियरिंग में बीटेक किया है। कुमार आशीर्वाद के आईएएस बनने का सफर काफी प्रेरक है। उन्होंने यूपीएससी की परीक्षा में चार बार फेल होने के बाद पांचवें प्रयास में ऑल इंडिया लेवल पर 35वीं रैंक हासिल की। पिता की नौकरी के चलते कुमार ने दार्जिलिंग और जमशेदपुर से अपनी स्कूली शिक्षा और आईआईटी खड़गपुर का रुख किया था। 2011 में वह दिल्ली के मुखर्जीनगर पहुंचे थे। जहां रहकर उन्होंने सिविल सेवा में जाने का ड्रीम पूरा किया। कुमार आशीर्वाद पूर्व में गड़चिरोली में भी तैनात रह चुके हैं। कुमार आशीर्वाद बिहार के गोपालगंज जिले के रहने वाले हैं। उन्होंने एक इंटरव्यू में बताया था कि वह बिहार के ऐसे गांव से आते हैं जहां पर बिजली को लग्जरी माना जाता है।

अनियंत्रित बस पलटने से दो की मौत, 22 घायल

तरुणमित्र/ब्यूरों

नवी मुंबई। रायगढ़ जिले के नागोठणे स्थित सुकेली घाटी शुक्रवार तड़के चीख-पुकार से दहल उठी. पनवेल से गोवा की ओर जा रही एक तेज रफ्तार निजी बस के अनियंत्रित होकर पलटने से एक बड़ा हादसा हो गया. इस दर्दनाक दुर्घटना में दो यात्रियों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि 22 अन्य यात्री घायल हुए हैं. घटना शुक्रवार की भोर करीब 3 बजे की है, जब गहरी नींद में सोए यात्रियों को संभलने तक का मौका नहीं मिला।

खाई की चढ़ाई बनी काल : जानकारी के अनुसार, मध्य प्रदेश पासिंग की निजी बस एम.पी. 13-जेड पी 4545 कुल 46 यात्रियों को लेकर गोवा की ओर बढ़ रही थी. जैसे ही बस रोहा तहसील के नागोठणे स्थित सुकेली घाटी की चढ़ाई चढ़ने लगी, चालक हेमंत कुमार बाजीराव पाटिल वाहन पर से अपना नियंत्रण खो बैठा. ढलान और मोड़ पर बस अचानक पलट गई, जिससे भीतर सवार यात्री खिड़कियों से बाहर जा गिरे. अंधेरा होने के कारण बचाव कार्य शुरू होने तक वहां चीख-पुकार मची रही. स्थानीय प्रशासन और बचाव दल ने मौके पर पहुँचकर घायलों को मलबे से निकाला।

कामोटे एमजीएम अस्पताल में घायलों का उपचारः हादसे की गंभीरता को देखते हुए 22 घायलों को तत्काल नवी मुंबई के कामोटे स्थित एमजीएम अस्पताल में भर्ती कराया गया. इनमें से 3 यात्रियों की हालत बेहद नाजुक बताई जा रही है, जिन्हें बेहतर इलाज के लिए दूसरे विशेष अस्पताल में रेफर किया गया है. शेष 19 घायलों का उपचार फिलहाल एमजीएम में जारी है और डॉक्टरों के अनुसार उनकी स्थिति अभी स्थिर बनी हुई है. प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि अस्पताल में उपचाराधीन सभी पीड़ितों को हर संभव चिकित्सा सहायता प्रदान की जा रही है।

परिजनों में कोहराम, जांच शुरू : जैसे ही हादसे की खबर फैली, अस्पताल परिसर में घायलों के परिजनों की भीड़ जमा हो गई. अपनों की कुशलता जानने के लिए लोग व्याकुल नजर आए. पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है कि हादसा तकनीकी खराबी की वजह से हुआ या चालक की लापरवाही के कारण. फिलहाल इस हृदयविदारक घटना से पूरे परिसर में शोक की लहर है।

जीएसटी संग्रह में ऐतिहासिक वृद्धि, व्यापारियों का योगदान सराहनीय : शंकर ठक्कर

तरुण मित्र ब्यूरो

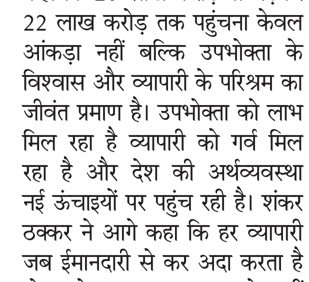

मुंबई। कन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) के राष्ट्रीय मंत्री एवं अखिल भारतीय खाद्य तेल व्यापारी महासंघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष शंकर ठक्कर ने कहा मार्च माह में देश का जीएसटी संग्रह 2 लाख करोड रुपए पर पहुंच गया है। यह आंकड़ा मार्च 2025 के 1.83 लाख करोड रुपए की तुलना में 8.8 % अधिक है पूरे वित्त वर्ष 2025 -26 में जीएसटी संग्रह 22 .27 लाख करोड रुपए रहा जो पिछले वित्त वर्ष 2024 -25 के 20.55 लाख करोड़ रुपए से 8.3% अधिक है यह उपलब्धि देश की आर्थिक मजबूती और व्यापारियों के निरंतर योगदान का प्रमाण है। शंकर ठक्कर ने इस उपलब्धि पर खुशी व्यक्त करते हुए कहा कि जीएसटी संग्रह में लगातार वृद्धि यह दर्शाती है कि व्यापारी समाज देश की अर्थव्यवस्था की रीड है उन्होंने कहा कि 20 लाख करोड़ से बढ़कर 22 लाख करोड़ तक पहुंचना केवल आंकड़ा नहीं बल्कि उपभोक्ता के विश्वास और व्यापारी के परिश्रम का जीवंत प्रमाण है। उपभोक्ता को लाभ मिल रहा है व्यापारी को गर्व मिल रहा है और देश की अर्थव्यवस्था नई ऊंचाइयों पर पहुंच रही है। शंकर ठक्कर ने आगे कहा कि हर व्यापारी जब ईमानदारी से कर अदा करता है तो वह केवल सरकार का सहयोग नहीं देता बल्कि राष्ट्र निर्माण में भी सीधा योगदान करता है उन्होंने महाराष्ट्र के व्यापारियों को विशेष रूप से बधाई देते हुए कहा कि यहां के व्यापारी देश में सबसे ज्यादा जीएसटी संग्रह में योगदान देकर देश की प्रगति में अहम भूमिका निभा रहे हैं।

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
तरुणमित्र
www.tarunmitra.in
श्रम ही आधार, खबरों से सरोकार

द्वंद्व के बीच शांति की खोज

केवल ज्ञान की बातें करों। किसी व्यक्ति के बारे में दूसरे व्यक्ति से सुनी बातें मत दोहराओ। जब कोई व्यक्ति तुम्हें नकारात्मक बातें कहे, तो उसे वहीं रोक दो, उस पर वास भी मत करो। यदि कोई तुम पर कुछ आरोप लगाये, तो उस पर वास न करो। यह जान लो कि वह बस तुम्हारे बुरे कर्मो को ले रहा है और उसे छोड़ दो। यदि तुम गुरु के निकटतम में से एक हो तो संसार के सारे आरोपों को हंसते हुए ले लोगे। द्वद्व संसार का स्वभाव है और शांति आत्मा का स्वभाव है। द्वद्व के बीच शान्ति की खोज करो। द्वद्व समाप्त करने की चेष्टा द्वद्व को और ज्यादा बढ़ाती है। आत्मा की शरण में आकर विरोध के साथ रहो। जब शान्ति से मन ऊबने लगे तो सांसारिक क्रिया-कलापों का मजा लो। और जब इनसे थक जाओ तो आत्मा की शान्ति में आ जाओ। यदि तुम गुरु के करीब हो, तो दोनों क्रिया कलाप साथ-साथ करोगे। ईश्वर व्यापक हैं। और अन्नत काल से ईश्वर सभी विरोधों को संभालते आए हैं। यदि ईश्वर सारे विरोधों को ले सकते हैं, तो निश्चित ही तुम भी ऐसा कर सकते हो। जैसे ही तुम विरोध के साथ रहना स्वीकार कर लेते हो, विरोध स्वतः समाप्त हो जाता है। शान्ति चाहने वाले लोग लड़ना नहीं चाहते और इसके विपरीत लड़ाई करने वाले शान्ति पसन्द नहीं करते। शान्ति चाहने वाले लड़ाई से बचना चाहते हैं। आवश्यक यह है कि मन को शांत करें और फिर लड़ें। गीता की यही मूल शिक्षा है। कृष्ण अजरुन को उपदेश देते हैं कि अजरुन युद्ध करो मगर हृदय को शान्त रखकर। संसार में जैसे ही तुम एक विरोध को समाप्त करते हो तो दूसरा खड़ा हो जाता है।

विवाह संस्था और व्यक्तिगत स्वतंत्रता के बीच नई खाई

ललित गर्ग

आधुनिकता के संक्रमणकालीन दौर में सबसे अधिक यदि कोई संस्था प्रश्नों के घेरे में है, तो वह विवाह और रिश्तों की पारंपरिक अवधारणा है। बदलती जीवनशैली, आर्थिक आत्मनिर्भरता, तकनीक, वैश्वीकरण और व्यक्तिगत स्वतंत्रता की बढ़ती चेतना ने रिश्तों की परिभाषा, अपेक्षाएँ और संरचना-सब कुछ बदल दिया है। यही कारण है कि आज रिश्तों से जुड़े प्रश्न केवल सामाजिक विमर्श का विषय नहीं रहे, बल्कि अदालतों तक पहुँच रहे हैं। हाल ही में इलाहाबाद उच्च न्यायालय के दो फैसलों ने व्यक्तिगत स्वतंत्रता और विवाह संस्था के बीच उत्पन्न हो रही नाजुक खाई को उजागर किया है। एक निर्णय में न्यायालय ने कहा कि वयस्कों के बीच आपसी सहमति से बना लिव-इन रिलेशनशिप, भले ही एक साथी विवाहित हो, अपराध नहीं है; वहीं दूसरे मामले में न्यायालय ने ऐसे ही एक जोड़े को संरक्षण देने से इनकार कर दिया और कहा कि व्यक्तिगत स्वतंत्रता के नाम पर पति या पत्नी के कानूनी अधिकारों को कमजोर नहीं किया जा सकता। यह विरोधाभास वास्तव में न्यायिक असंगति से अधिक एक कानूनी रिक्तता और सामाजिक संक्रमण का संकेत है। वास्तव में एक हकीकत यह भी है कि भारतीय समाज में वैवाहिक अधिकारों और व्यक्तिगत स्वतंत्रता के बीच संतुलन बनाने वाले एक प्रभावी ढांचे की लंबे समय से आवश्यकता महसूस की जाती रही है। हमें मौजूदा परिदृश्य में यह बात स्वीकार करनी होगी कि यद्यपि विवाह संस्था संरक्षण की हकदार है, फिर भी पुरुष या स्त्री की व्यक्तिगत स्वतंत्रता को अनिश्चित काल तक इसके अधीन बंधक बनाकर नहीं रखा जा सकता है।

निश्चित ही भारतीय संविधान का अनुच्छेद 21 प्रत्येक व्यक्ति को जीवन और व्यक्तिगत स्वतंत्रता का अधिकार देता है और इसी के दायरे में न्यायालयों ने समय-समय पर लिव-इन रिलेशनशिप को अपराध की श्रेणी से बाहर माना है। लेकिन दूसरी ओर, भारतीय कानून विवाह को एक कानूनी और सामाजिक संस्था के रूप में सर्वोच्च प्राथमिकता देता है, जिसमें अधिकार और दायित्व दोनों शामिल हैं। यही वह बिंदु है जहाँ व्यक्तिगत स्वतंत्रता और वैवाहिक अधिकारों के बीच टकराव उत्पन्न होता है। न्यायालय लिव-इन संबंधों को अपराध नहीं मानता, परंतु उनके सभी परिणामों को वैध मानने में संकोच करता है। यह स्थिति न केवल कानूनी भ्रम उत्पन्न करती है, बल्कि सामाजिक असुरक्षा भी पैदा करती है। वास्तव में समस्या न्यायिक निर्णयों की नहीं, बल्कि स्पष्ट विधायी ढाँचे की कमी की है। यदि व्यापक सामाजिक परिप्रेक्ष्य में देखें तो भारतीय समाज इस समय एक बड़े संक्रमणकाल से गुजर रहा है। एक ओर सदियों से स्थापित पारंपरिक जीवन मूल्य हैं, जिनमें विवाह केवल एक अनुबंध नहीं बल्कि एक संस्कार, सामाजिक स्वीकृति और पारिवारिक व्यवस्था का आधार है; दूसरी ओर आधुनिक जीवन की वास्तविकता है, जहाँ व्यक्ति की स्वतंत्रता, आत्म-विकास, करियर, आर्थिक स्वायत्तता और व्यक्तिगत संतुष्टि को भी समान महत्व दिया जा रहा है। विशेष रूप से महिलाओं की आर्थिक आत्मनिर्भरता ने रिश्तों की शक्ति-संतुलन व्यवस्था को बदल दिया है। अब रिश्ते केवल सामाजिक दबाव से नहीं, बल्कि आपसी समझ और संतुष्टि के आधार पर टिके रहते हैं। परिणामस्वरूप, रिश्तों की स्थायित्व की अवधारणा बदल रही है और प्रतिबद्धता अब आजीवन वचन से अधिक एक निरंतर पुनर्मूल्यांकन की प्रक्रिया बनती जा रही है।

पिछली पीढ़ियों में विवाह जीवन का अनिवार्य चरण माना जाता था। हमारे माता-पिता और दादा-दादी के लिए विवाह केवल दो व्यक्तियों का नहीं, बल्कि दो परिवारों का संबंध था और जीवन भर साथ निभाना ही उसका लक्ष्य था। लेकिन आधुनिक पीढ़ी रिश्तों को अलग दृष्टि से देख रही है। आज के युवा पहले शिक्षा, करियर और आर्थिक स्थिरता को प्राथमिकता देते हैं, उसके बाद रिश्तों के बारे में निर्णय लेते हैं। कुछ लोग विवाह से पहले साथ रहने का विकल्प चुनते हैं, कुछ रिश्तों को नाम देने से भी बचते हैं और कुछ लोग विवाह के बजाय साझेदारी को अधिक उपयुक्त मानते हैं। इसका अर्थ यह नहीं कि आधुनिक पीढ़ी रिश्तों को महत्व नहीं देती, बल्कि इसका अर्थ यह है कि वे रिश्तों में स्वतंत्रता, सम्मान, संवाद और समानता को अधिक महत्व देते हैं। रिश्तों में सबसे बड़ा परिवर्तन लिंग भूमिकाओं के बदलाव से भी आया है। पहले पुरुष कमाने वाला और महिला घर संभालने वाली मानी जाती थी, लेकिन आज दोनों काम करते हैं, दोनों निर्णय लेते हैं और दोनों भावनात्मक सहयोग चाहते हैं। आधुनिक रिश्तों में समानता, खुलकर संवाद और साझा जिम्मेदारियों पर जोर है। हालांकि पुरुष और महिलाओं की अपेक्षाएँ पूरी तरह समान नहीं होतीं-अक्सर महिलाएँ भावनात्मक सहयोग और संवाद को अधिक महत्व देती हैं, जबकि पुरुष स्वतंत्रता और बौद्धिक जुड़ाव को महत्वपूर्ण मानते हैं लेकिन इन अंतरों को समझकर ही मजबूत रिश्ते बनाए जा सकते हैं।

आज आत्म-प्रेम और आत्म-देखभाल को स्वार्थ नहीं, बल्कि स्वस्थ जीवन का आधार माना जाने लगा है। तकनीक और सोशल मीडिया ने भी रिश्तों की प्रकृति को गहराई से प्रभावित किया है। सोशल मीडिया ने लोगों को जोड़ने का काम किया है, लेकिन इसके साथ तुलना की संस्कृति भी बढ़ी है। अब लोग अपने रिश्तों की तुलना दूसरों की ऑनलाइन तस्वीरों और पोस्ट से करने लगे हैं, जिससे असंतोष और अवास्तविक अपेक्षाएँ बढ़ती हैं। कई बार डिजिटल दुनिया में मिलने वाला ध्यान वास्तविक रिश्तों की आत्मीयता को कम कर देता है। ऑनलाइन फ्लर्टिंग, डिजिटल बेवफाई और लगातार उपलब्ध रहने की अपेक्षा जैसी नई समस्याएँ भी सामने आई हैं। इसलिए आज डिजिटल सीमाएँ भी उतनी ही आवश्यक हो गई हैं जितनी व्यक्तिगत सीमाएँ।

ऑनलाइन डेटिंग ने रिश्तों की दुनिया को पूरी तरह बदल दिया है। जीवनसाथी ढूँढना पहले परिवार, समाज या परिचितों के माध्यम से होता था, लेकिन अब मोबाइल एप और वेबसाइटों के माध्यम से लोग साथी ढूँढते हैं। इससे विकल्प बढ़े हैं, लेकिन साथ ही रिश्तों की स्थिरता कम हुई है। "स्वाइप संस्कृति" ने रिश्तों को कई बार उपभोक्ता वस्तु की तरह बना दिया है, जहाँ विकल्प हमेशा खुले रहते हैं और प्रतिबद्धता कठिन हो जाती है। इसके बावजूद, यह भी सत्य है कि कई सफल विवाह और रिश्ते भी ऑनलाइन माध्यम से ही बने हैं। इसलिए समस्या तकनीक में नहीं, बल्कि उसके उपयोग की मानसिकता में है। आज की तेज़ रफ्तार दुनिया में रिश्तों को समय देना भी एक बड़ी चुनौती बन गया है। करियर, प्रतिस्पर्धा, आर्थिक दबाव, सोशल मीडिया और व्यक्तिगत महत्वाकांक्षाएँ-इन सबके बीच रिश्ते अक्सर प्राथमिकता सूची में नीचे चले जाते हैं। लेकिन यह भी एक सत्य है कि अंततः मनुष्य को भावनात्मक सहारा, अपनापन और संबंधों की ही आवश्यकता होती है। इसलिए आधुनिक जीवन में रिश्तों को बनाए रखने के लिए संवाद, समय, सम्मान और समझ पहले से कहीं अधिक आवश्यक हो गए हैं।

विभिन्न पीढ़ियों के बीच रिश्तों को लेकर दृष्टिकोण में भी बड़ा अंतर दिखाई देता है। पुरानी पीढ़ी स्थायित्व और त्याग को महत्व देती है, जबकि नई पीढ़ी संतुष्टि और स्वतंत्रता को। पुरानी पीढ़ी रिश्ते बचाने के लिए समझौता करती थी, नई पीढ़ी रिश्ते में सम्मान और खुशी नहीं मिलने पर उसे छोड़ने का साहस रखती है। दोनों दृष्टिकोणों में अपनी-अपनी सच्चाई है। इसलिए आवश्यकता पीढ़ियों के संघर्ष की नहीं, बल्कि संवाद और समझ की है। वास्तव में विवाह बनाम स्वतंत्रता का प्रश्न किसी एक पक्ष की जीत या हार का प्रश्न नहीं है। यह समाज के विकास और परिवर्तन का स्वाभाविक चरण है। विवाह संस्था समाज के लिए आवश्यक है, क्योंकि वह स्थिरता, परिवार और सामाजिक व्यवस्था का आधार है। लेकिन व्यक्तिगत स्वतंत्रता भी उतनी ही आवश्यक है, क्योंकि बिना स्वतंत्रता के कोई भी रिश्ता केवल बंधन बन जाता है। इसलिए आवश्यकता इस बात की है कि कानून, समाज और परिवार-तीनों मिलकर ऐसा संतुलन बनाएं, जिसमें विवाह संस्था भी सुरक्षित रहे और व्यक्ति की स्वतंत्रता भी सुरक्षित रहे। निश्चिततौर पर यह स्वीकार करना होगा कि जब रिश्ते टूट जाते हैं, तो व्यक्तियों को गरिमा के साथ आगे बढ़ने की अनुमति देना समाज के लिए खतरा नहीं है, बल्कि यह सामाजिक व्यवस्था का एक आवश्यक अनुकूलन है। दुनिया तेजी से बदल रही है, संस्कृतियाँ एक-दूसरे से जुड़ रही हैं और सोच भी बदल रही है। ऐसे समय में हमें परंपरा और आधुनिकता के बीच संघर्ष नहीं, बल्कि समन्वय का मार्ग खोजना होगा। रिश्तों का भविष्य न पूरी तरह परंपरागत होगा, न पूरी तरह आधुनिक, बल्कि दोनों के संतुलन से ही एक नई सामाजिक व्यवस्था का निर्माण होगा, जहाँ विवाह भी सम्मानित होगा और स्वतंत्रता भी सुरक्षित होगी।

कभी भी घृणा को घृणा से खत्म नहीं किया जा सकता घृणा प्यार से कम होती है. यह एक अटल नियम है।
- गौतम बुद्ध

जिंदगी एक साईकिल की तरह है, अगर आपको बैलेंस बनाकर रखना है तो आपको पैडल मारते रहना होंगा। - अल्बर्ट आइस्टीन

शुभ संवत 2083, शाके 1948, सौम्य गोष्ठ, वैशाख कृष्ण पक्ष, बसंत ऋतु, गुरु उदय पूर्व, शुक्रोदय पश्चिमे तिथि, दोइज, शनिवासरे, स्वाति नक्षत्रे, हल योगे, गर करणे, तुला की चंद्रमा, सिद्ध योग, तथापि पश्चिम दिशा की यात्रा शुभ उत्तम फलदायी, लाभकारी होगी।

आज जन्म लिए बालक का फल

आज जन्म लिया बालक बुद्धिमान, चपल, चतुर, चंचल, अग्रसोची, बोलने में निपुण, लेखक, राजनेता, मंत्री, प्रसिद्ध-ख्याति प्राप्त व्यक्ति होगा, नीति निपुण, लेक्चरार, प्रोफेसर, प्रिंसपल होगा।

मेष राशि :- तनाव व उदर रोग विकार, मित्र लाभ, राजभय तथा परिवारिक समस्या होगी।

वृष राशि :- अनुभव सुख, मंगल कार्य विरोध, मामले-मुकदमें में जीत की सम्भावना है।

मिथुन राशि :- कुसंगति से हानि, विरोधी भय, यात्रा, सामाजिक कार्यों में सावधान रहें।

कर्क राशि :- भूमि लाभ, स्त्री सुख, हर्ष, प्रगति, स्थिति में सुधार, लाभ अवश्य होगा।

सिंह राशि :- तनाव, विवाद से बचें, विरोधी चिन्ता, राजकीय कार्य में प्रतिष्ठा बढ़ेगी।

कन्या राशि :- भूमि लाभ, स्त्री सुख, कार्य प्रगति, स्थान में सुधार, लाभ अवश्य ही होगा।

तुला राशि :- प्रगति, वाहन का भय, भूमि लाभ, कलह, कुछ अच्छे कार्य भी होंगे।

वृश्चिक राशि :- कार्य सिद्ध, विरोध, लाभ, कष्ट, हर्ष, व्यय, व्यापार में सुधार होगा।

धनु राशि :- माता से हानि, मातृ-पितृ कष्ट, व्यय में सुधार होगा, आवश्यक कार्य बनें।

मकर राशि :- शुभ कार्य, वाहन आदि भय, रोग, धार्मिक व कुछ अच्छे कार्य अवश्य बनेंगे।

कुंभ राशि :- अभिष्ट सिद्धी, राजभय, कार्यबाधा, राजकार्य में कष्ट का अनुभव होगा।

मीन राशि :- अल्प हानि, रोग भय, सम्पर्क लाभ, राजकार्य में विलम्ब, परेशानी होगी।

निरंतर सीखना, क्षमता-आधारित शासन और कर्मयोगी दृष्टि

विनोद कुमार सिंह

बदलते वैश्विक परिदृश्य, तीव्र तकनीकी विकास और नागरिक अपेक्षाओं के विस्तार के इस दौर में शासन की प्रकृति भी तेजी से परिवर्तित हो रही है।ऐसे समय में मिशन कर्मयोगी के अंतर्गत प्रारंभ 'कर्मयोगी साधना सप्ताह' केवल एक कार्यक्रम नहीं, बल्कि भारतीय प्रशासनिक व्यवस्था के व्यापक रूपांतरण का सशक्त संकेत है। यह पहल "नागरिक देवो भव" की भावना को केंद्र में रखते हुए सेवा, संवेदना और दक्षता के नए मानक स्थापित करती है—जो सीधे तौर पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के "विकसित भारत 2047" के स्वप्न से जुड़ी हुई है।नई दिल्ली स्थित डॉ. आंबेडकर इंटरनेशनल सेंटर में आयोजित यह सप्ताह मिशन कर्मयोगी के पाँच वर्ष पूर्ण होने का भी प्रतीक है।यह वह पड़ाव है जहाँ उपलब्धियों का मूल्यांकन करते हुए भविष्य की दिशा तय की जा रही है।इस पहल का उद्देश्य केवल कौशल विकास नहीं, बल्कि एक ऐसी सिविल सेवा का निर्माण करना है,जो सक्षम, उत्तरदायी,पारदर्शी और पूर्णतः नागरिक-केंद्रित हो।प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा परिकल्पित "विकसित भारत 2047" केवल आर्थिक प्रगति का लक्ष्य नहीं, बल्कि एक समग्र राष्ट्रीय दृष्टि है।यह एक ऐसे भारत की कल्पना करता है जो आत्मनिर्भर,समावेशी, तकनीकी रूप से अग्रणी और सामाजिक रूप से न्यायपूर्ण हो। इस लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए आवश्यक है कि शासन व्यवस्था भी उसी अनुरूप विकसित हो - जहाँ निर्णय त्वरित हों, सेवाएँ सुलभ हों और नागरिकों का विश्वास सर्वोपरि हो।इसी संदर्भ में प्रधान मंत्री के प्रमुख सचिव डॉ. पी. के. मिश्रा का यह कथन अत्यंत महत्वपूर्ण है कि भविष्य की सिविल सेवा के लिए "निरंतर सीखना" अनिवार्य है।अब प्रशिक्षण एक बार का औपचारिक चरण नहीं, बल्कि एक सतत प्रक्रिया बन चुका है-जहाँ अधिकारी "कहीं भी,कभी भी" सीख सकते हैं। iGOT जैसे डिजिटल प्लेटफॉर्म इस परिवर्तन को गति दे रहे हैं,जो लाखों कर्मियों को ज्ञान और कौशल से जोड़ रहे हैं।डॉ. मिश्रा ने शासन के नियम- आधारित ढाँचे से भूमिका-आधारित मॉडल की ओर संक्रमण को भी रेखांकित किया।यह बदलाव विकसित भारत की दिशा में अत्यंत महत्वपूर्ण है, क्योंकि यह प्रशासन को अधिक लचीला,परिणामोन्मुख और नवाचार-प्रधान बनाता है। अब अधिकारी केवल नियमों के पालनकर्ता नहीं, बल्कि परिवर्तन के वाहक और समाधान के निर्माता बन रहे हैं।क्षमता निर्माण आयोग की अध्यक्ष एस. राधा चौहान ने मिशन कर्मयोगी को ज्ञान,कौशल और मूल्यों के समन्वय का मॉडल बताया। वास्तव में "कर्मयोगी" का अर्थ ही है-कर्तव्य को साधना के रूप में अपनाना। यही वह भावना है जो विकसित भारत 2047 के लक्ष्य को वास्तविक धरातल पर उतार सकती है।कार्मिक एवं प्रशिक्षण विभाग की सचिव रचना शाह द्वारा प्रस्तुत आँकड़े इस मिशन की व्यापकता को स्पष्ट करते हैं - iGOT प्लेटफॉर्म पर करोड़ों पंजीकरण और पाठ्यक्रम पूर्ण होना इस बात का संकेत है कि सीखने की यह संस्कृति अब जमीनी स्तर तक पहुँच रही है।यहाँ यह समझना आवश्यक है कि विकसित भारत का सपना तभी साकार होगा जब शासन की "अंतिम मील डिलीवरी" मजबूत हो। योजनाएँ तभी सफल मानी जाएँगी जब उनका लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुँचे।इसी उद्देश्य से 'कर्मयोगी क्षमता कनेक्ट' और 'कर्मयोगी कर्तव्य कार्यक्रम' जैसी पहलें जमीनी स्तर के कर्मचारियों को सशक्त बना रही हैं।सुब्रमण्यम रामदोराई ने जिस प्रकार कृत्रिम बुद्धिमत्ता और उभरती तकनीकों में दक्षता पर बल दिया, वह इस बात का संकेत है कि भविष्य का प्रशासन डिजिटल और डेटा-आधारित होगा। इसके साथ ही मानवीय संवेदनशीलता भी उतनी ही आवश्यक है।विकसित भारत केवल तकनीकी रूप से उन्नत नहीं,बल्कि मानवीय मूल्यों से समृद्ध भी होना चाहिए। कर्मयोगी साधना सप्ताह का "प्रौद्योगिकी, परंपरा और ठोस परिणाम" पर आधारित ढाँचा इस संतुलन को स्पष्ट करता है।यह आधुनिकता और परंपरा के समन्वय के माध्यम से स्थायी और प्रभावी शासन की दिशा में मार्ग प्रशस्त करता है। आज जब विश्व अनेक चुनौतियों -जलवायु परिवर्तन,वैश्विक अस्थिरता और तीव्र शहरीकरण का सामना कर रहा है,तब भारत का यह मॉडल एक सशक्त उदाहरण प्रस्तुत करता है।निरंतर सीखने, नवाचार और सेवा-भाव के आधार पर निर्मित यह सिविल सेवा न केवल देश के भीतर बल्कि वैश्विक स्तर पर भी एक नई पहचान बना सकती है।

अंततः यह कहा जा सकता है कि 'कर्मयोगी साधना सप्ताह' केवल एक कार्यक्रम नहीं,बल्कि विकसित भारत 2047 की दिशा में एक सशक्त कदम है।यह पहल प्रशासनिक व्यवस्था में उस ऊर्जा और दृष्टि का संचार करती है, जो भारत को एक सक्षम,संवेदनशील और विश्व-स्तरीय राष्ट्र बनाने में निर्णायक भूमिका निभाएगी।यदि इस मिशन की भावना को सही रूप में आत्मसात किया गया, तो भारत की सिविल सेवा न केवल दक्षता और पारदर्शिता का प्रतीक बनेगी,बल्कि मानवीय संवेदना और सेवा-भाव का भी वैश्विक आदर्श प्रस्तुत करेगी,ऐसे में प्रधान मंत्री नरेन्द्र मोदी के कुशल नेतृत्व में विकसित भारत 2047 के निर्माण में सिविल सेवा का नया प्रतिमान स्थापित करेगा ।

भाजपा के लिए भस्मासुर साबित होगा चुनाव आयोग?

सनत कुमार जैन

पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव की अधिसूचना जारी हो चुकी है विधानसभा चुनाव के लिए एसआईआर की प्रक्रिया पिछले कई माह से चल रही है इसको लेकर सुप्रीम कोर्ट में याचिका की सुनवाई चल रही है पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी जिस तरह से आर पार की लड़ाई लड़ रही है उसके कारण वह चुनाव आयोग और भाजपा के लिए एक बड़ा सिर दर्द बन गई हैं। चुनाव आयोग का एसआईआर का खेल बिहार विधानसभा चुनाव के दौरान विपक्ष ने समझ लिया है फॉर्म नंबर 6 और 7 का जो खेल चुनाव आयोग में चल रहा है उसे भी विपक्षी दलों और ममता बनर्जी ने पहचान लिया है जिस तरह से केंद्रीय चुनाव आयोग ने पश्चिम बंगाल में बड़ी संख्या में बड़े अधिकारियों से लेकर बीएलओ तक के ट्रांसफर किए हैं। हर मामले में ममता बनर्जी और उनके अधिवक्ताओं ने सुप्रीम कोर्ट में इस मामले को उठाया है हाई कोर्ट में भी ममता बनर्जी ने लड़ाई लड़ने में कोई कोताही नहीं बरती निश्चित रूप से चुनाव आयोग को जो संवैधानिक संरक्षण प्राप्त है सरकार का संरक्षण प्राप्त है उसको देखते हुए हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट से अपेक्षाकृत लाभ नहीं मिला इसके बाद भी उन्होंने पूरी तरह से जिन लोगों के नाम मतदाता सूची से काटे गए हैं उसमें एक धर्म विशेष के लोगों में जब हाईकोर्ट के जज का नाम कट गया उससे यह मामला जनता के बीच बड़ी तेजी के साथ पहुंच गया हाल ही में न्यायिक अधिकारी ब्लॉक ऑफिस में बैठकर जिन लोगों के नाम नहीं जुड़े थे उनकी शिकायतों पर जांच कर रहे थे उन न्यायिक अधिकारियों को मतदाताओं ने कई घंटे तक बंधक बना कर रखा हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश को पूरी रात जाग कर प्रशासन को सक्रिय करना पड़ा उसके बाद सुनवाई कर रहे जजों को बाहर निकाला गया बाद में सुप्रीम कोर्ट को आदेश करना पड़ा कि सीआरपीएफ को न्यायिक अधिकारियों की सुरक्षा की ड्यूटी में लगाया जाए इस मामले में पहले ही टीएमसी ने कोर्ट में अपना पक्ष रखते हुए यह कह दिया था जिस बड़े पैमाने पर अधिकारियों के ट्रांसफर केंद्रीय चुनाव आयोग द्वारा बिना राज्य सरकार के परामर्श के किए गए हैं उसके बाद राज्य सरकार की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी चुनाव अधिसूचना जारी होने के बाद केंद्रीय चुनाव आयोग के आदेश पर पूरा प्रशासन कम कर रहा है कानून व्यवस्था की पश्चिम बंगाल में स्थिति लगातार बिगड़ती जा रही है जिद मतदाताओं के नाम काटे गए हैं उनकी संख्या लाखों में है और वह अपने नाम जुड़वाने के लिए शोध आक्रोषित होकर स्थानीय अधिकारियों और न्यायिक अधिकारियों के पास पहुंच रहे हैं।

हरियाणा महाराष्ट्र तथा बिहार के चुनाव में किस तरह से फॉर्म 6 एवं 7 का दुरुपयोग किया गया है किस तरह से चुनाव में मतदाताओं के नाम जोड़ने और काटने में अंतिम समय पर चुनाव आयोग द्वारा हेराफेरी की गई है इसका खुलासा अब पूरी तरह से हो गया है राहुल गांधी ने जब पत्रकार वार्ता कर चुनाव आयोग के ऊपर आरोप लगाए थे उस समय विपक्ष ने चुप्पी साध ली थी लेकिन चुनाव के दौरान किस तरह की गड़बड़ी होती है इसका खुलासा सबसे पहले राहुल गांधी ने किया था चुनाव आयोग ने अभी तक उसे पत्रकार वार्ता का जवाब नहीं दिया पश्चिम बंगाल में ममता बनर्जी और टीएमसी के नेता सड़क से लेकर अदालत तक यह लड़ाई लड़ते चले आ रहे हैं पश्चिम बंगाल अपने अधिकारों के प्रति काफी जागरूक रहता है जिसके कारण भाजपा को पश्चिम बंगाल में सबसे ज्यादा परेशानी का सामना करना पड़ा रहा है टीएमसी का नेटवर्क गांव गांव तक फैला हुआ है जिस तरह से टीएमसी चुनाव आयोग के हर रिकॉर्ड को न केवल अपने पास संरक्षित कर रही है वरन चुनाव आयोग द्वारा समय-समय पर जो मतदाता सूची जारी की जा रही है उसमें जरा सी भी गड़बड़ी होने पर कोर्ट पहुंच जाती है ममता बनर्जी ने चुनाव आयोग और भाजपा को बुरी तरह से घेर लिया है पश्चिम बंगाल पहला राज्य होगा जहां से चुनाव आयोग के कारण भाजपा को भी नुकसान उठाना पड़ सकता है पश्चिम बंगाल में चर्चाओं के दौरान यह कहा जा रहा है केंद्रीय चुनाव आयोग ज्ञानेश कुमार भाजपा के लिए आगे चलकर भस्मासुर बन सकते हैं। चुनाव आयोग के ऊपर आरोप लग रहे हैं कि वह भाजपा नेताओं के इशारे पर उनके मनपसंद अधिकारियों और कर्मचारियों को चुनाव कार्य में लगा रहे हैं बड़े पैमाने पर बदलाव किया गया है चुनाव अधिसूचना जारी होने के बाद मुख्यमंत्री ममता बनर्जी इसका ठीकरा चुनाव आयोग पर फोड़ रहे हैं जो भी कानून व्यवस्था की स्थिति खराब होगी गड़बड़ी होगी उस सबके लिए वह चुनाव आयोग को ही जिम्मेदार ठहरा रही हैं रही सही कसर सुप्रीम कोर्ट और हाई कोर्ट के आदेश पर जो न्यायिक अधिकारी मतदाता सूची के काम में लगे हुए हैं उनको बंधक बनाए जाने के बाद किस तरह की कानून व्यवस्था की स्थिति है यह सुप्रीम कोर्ट के सामने उजागर हो गया है। पश्चिम बंगाल में अभी मतदाता सूची फाइनल नहीं हुए हैं जल्द ही नामांकन भरने की प्रक्रिया शुरू हो जाएगी जैसे-जैसे चुनाव आगे बढ़ेगा पश्चिम बंगाल में कानून व्यवस्था की स्थिति को नियंत्रित कर पाना आसान नहीं होगा ममता बनर्जी को चुनाव आयोग ने पूरी तरह से अलग-अलग करके रखा है मानवाने तरीके से ट्रांसफर पोस्टिंग की गई है ऐसी स्थिति में पश्चिम बंगाल के चुनाव में जो भी गड़बड़ी होगी या कानून व्यवस्था की स्थिति बिगड़ेगी उसके लिए चुनाव आयोग और भाजपा को जिम्मेदार ठहराना ममता बनर्जी के लिए आसान हो गया है। पहली बार एसआईआर के दौरान जो गड़बड़ियां हुई है वह सुप्रीम कोर्ट के रिकॉर्ड में आ गई है यह सही है कि कानून दान केंद्रीय चुनाव आयोग को जिम्मेदार नहीं ठहराया जा सकता है उनके ऊपर मुकदमा नहीं चलाया जा सकता है लेकिन जिस तरह से जनता उत्तेजित हो रही है उसका काम में आज कहीं ना कहीं केंद्रीय चुनाव आयोग और भाजपा को भुगतना पड़ सकता है।

केन्द्रीय सशस्त्र पुलिस बल विधेयक पर विपक्ष का विरोध-आशंकाएं-वास्तविकता

सौरभ वार्ष्णेय

भारत में केन्द्रीय सशस्त्र पुलिस बल देश की आंतरिक सुरक्षा की रीढ़ माने जाते हैं। सीमाओं की सुरक्षा से लेकर नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में शांति बहाली और आपदा प्रबंधन तक, इन बलों की भूमिका बेहद महत्वपूर्ण है। ऐसे में जब भी इनके ढांचे, सेवा शर्तों या अधिकारों से जुड़ा कोई नया विधेयक या सुधार प्रस्ताव सामने आता है, तो स्वाभाविक रूप से व्यापक चर्चा होती है। लेकिन हाल के समय में देखा गया है कि विपक्ष इन प्रस्तावों का मुखर विरोध कर रहा है। यह विरोध किन कारणों से प्रेरित है, इसे समझना जरूरी है।

सबसे पहली चिंता संघीय ढांचे (फेडरल स्ट्रक्चर) को लेकर है। विपक्ष का आरोप है कि केंद्र सरकार केन्द्रीय सशस्त्र पुलिस बल (सीएपीएफ) के माध्यम से राज्यों के अधिकारों में हस्तक्षेप बढ़ा सकती है। यदि किसी विधेयक में बलों को अधिक स्वायत्तता या सीधे हस्तक्षेप के अधिकार दिए जाते हैं, तो यह राज्यों की कानून-व्यवस्था की जिम्मेदारी को कमजोर कर सकता है। यही कारण है कि कई विपक्षी दल इसे राज्यों के अधिकारों पर अतिक्रमण के रूप में देखते हैं।

दूसरा महत्वपूर्ण मुद्दा बलों के कर्मियों के अधिकारों और कल्याण से जुड़ा है। विपक्ष का कहना है कि सरकार सुधार के नाम पर अनुशासन और नियंत्रण को तो मजबूत कर रही है, लेकिन जवानों की समस्याओं—जैसे लंबी ड्यूटी, मानसिक तनाव, वेतन विसंगतियां और पेंशन—पर पर्याप्त ध्यान नहीं दिया जा रहा। यदि किसी विधेयक में इन मुद्दों का संतुलित समाधान नहीं होता, तो उसका विरोध स्वाभाविक है।

तीसरा पहलू राजनीतिक दुरुपयोग की आशंका है। विपक्ष को डर है कि सीएपीएफ का इस्तेमाल राजनीतिक विरोध को दबाने या चुनावी लाभ के लिए किया जा सकता है। भारत जैसे लोकतंत्र में सुरक्षा बलों की निष्पक्षता अत्यंत महत्वपूर्ण है, इसलिए किसी भी ऐसे प्रावधान पर सवाल उठना लाजिमी है जो इस निष्पक्षता को प्रभावित कर सकता है। हालांकि, यह भी सच है कि कई बार विरोध का कारण केवल नीतिगत असहमति नहीं, बल्कि राजनीतिक रणनीति भी होती है। संसद में सरकार को घेरने और जनमत को प्रभावित करने के लिए विपक्ष अक्सर ऐसे मुद्दों को प्रमुखता से उठाता है। इससे बहस तो होती है, लेकिन कई बार सार्थक समाधान पीछे छूट जाते हैं। इस पूरे परिदृश्य में सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि सीएपीएफ जैसे संवेदनशील विषय पर निर्णय लेते समय संतुलन और पारदर्शिता बनाए रखी जाए। सरकार को चाहिए कि वह सभी हितधारकों—राज्यों, सुरक्षा विशेषज्ञों और स्वयं बलों के कर्मियों—से व्यापक संवाद करे। वहीं विपक्ष को भी केवल विरोध तक सीमित न रहकर रचनात्मक सुझाव देने चाहिए। सुरक्षा और लोकतंत्र दोनों के बीच संतुलन बनाए रखना ही सबसे बड़ी चुनौती है। केन्द्रीय सशस्त्र पुलिस बल (सीएपीएफ) सुधारों पर सहमति और संवाद का रास्ता ही देशहित में सबसे उपयुक्त साबित होगा।

भारत की आंतरिक सुरक्षा व्यवस्था में केन्द्रीय सशस्त्र पुलिस बल (सीएपीएफ) — जैसे (सीआरपीएफ), (बीएफएफ), (आईटीबीपी), (सीआईएसएफ) और (एसएसबी) की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण रही है। सीमाओं की रक्षा से लेकर नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में शांति बनाए रखने तक, इन बलों ने लगातार चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में देश की सेवा की है। ऐसे में केन्द्रीय सशस्त्र पुलिस बल विधेयक का प्रस्ताव न केवल प्रशासनिक सुधार का विषय है, बल्कि यह देश की सुरक्षा संरचना को आधुनिक बनाने की दिशा में एक बड़ा कदम भी माना जा रहा है।

इस विधेयक का मूल उद्देश्य (सीएपीएफ) के कार्य, अधिकार और जवाबदेही को एक समान कानूनी ढांचे में लाना है। वर्तमान में अलग-अलग बलों के लिए अलग-अलग कानून और नियम हैं, जिससे समन्वय और निर्णय प्रक्रिया में जटिलताएं पैदा होती हैं। एक समेकित विधेयक इन समस्याओं को दूर कर सकता है, जिससे संचालन में स्पष्टता और दक्षता आएगी।हालांकि, इस प्रस्ताव के साथ कुछ महत्वपूर्ण चिंताएं भी जुड़ी हैं। सबसे बड़ी चिंता बलों के अधिकारों और कर्मियों के कल्याण को लेकर है। (सीएपीएफ) के जवान लंबे समय से बेहतर कार्य-परिस्थितियों, निश्चित कार्य-घंटों, और पेंशन संबंधी मुद्दों को उठाते रहे हैं। यदि यह विधेयक केवल प्रशासनिक केंद्रीकरण तक सीमित रह जाता है और जवानों की वास्तविक समस्याओं को नजरअंदाज करता है, तो इसका उद्देश्य अधूरा रह जाएगा।

इसके अलावा, संघीय ढांचे पर इसके प्रभाव को भी समझना जरूरी है। राज्यों की पुलिस व्यवस्था और ष्ट्रक्कस्न के बीच संतुलन बनाए रखना एक संवेदनशील विषय है। यदि केंद्र के अधिकार अत्यधिक बढ़ते हैं, तो यह राज्यों के अधिकार क्षेत्र में हस्तक्षेप का कारण बन सकता है, जिससे संघीय संतुलन प्रभावित हो सकता है।

इस विधेयक के सफल क्रियान्वयन के लिए आवश्यक है कि इसमें पारदर्शिता, जवाबदेही और मानवाधिकारों के संरक्षण को प्राथमिकता दी जाए। साथ ही, जवानों के मानसिक स्वास्थ्य, परिवार से दूरी, और कठिन परिस्थितियों में काम करने जैसी चुनौतियों को ध्यान में रखते हुए ठोस प्रावधान किए जाएं। केन्द्रीय सशस्त्र पुलिस बल विधेयक एक अवसर है—सुरक्षा तंत्र को मजबूत करने के साथ-साथ उन जवानों के जीवन को बेहतर बनाने का, जो दिन-रात देश की रक्षा में लगे हैं। यह तभी सार्थक होगा, जब सुरक्षा के साथ संवेदनशीलता और शक्ति के साथ संतुलन भी सुनिश्चित किया जाए।

बेटियों को आगे बढ़ाने के मुख्यमंत्री के विजन को साकार कर रही कन्या वाटिका

तरुणमित्र

बीकानेर। शहर के हृदय स्थल स्थित पब्लिक पार्क में विकसित की जा रही कन्या वाटिका केवल एक उद्यान नहीं, बल्कि समाज में बेटियों के प्रति बदलती सोच और सकारात्मक दृष्टिकोण का जीवंत प्रतीक बनकर उभर रही है। जिले में यह पहल मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ और बेटियों के समग्र सशक्तीकरण के विजन को जमीनी स्तर पर साकार करती नजर आती है।

इस अनूठे नवाचार की शुरुआत गत वर्ष हरियाली तीज के अवसर पर बीकानेर जिला प्रशासन एवं महिला अधिकारिता विभाग के संयुक्त प्रयासों से की गई थी। जब जिले के प्रभारी मंत्री गजेन्द्र सिंह खींवसर सहित अनेक गणमान्य अतिथियों की उपस्थिति ने इस पहल को विशेष महत्व प्रदान किया। बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ योजना के अंतर्गत प्रारंभ की गई इस कन्या वाटिका का उद्देश्य केवल हरियाली बढ़ाना नहीं, बल्कि समाज में बालिका शिक्षा, संरक्षण और सशक्तीकरण के संदेश को गहराई से स्थापित करना है। यह वाटिका एक ऐसा सृजनात्मक स्थल है, जहां भ्रमण करने आने वाले लोगों—विशेषकर बच्चों और अभिभावकों—को बेटियों के महत्व और उनके उज्ज्वल भविष्य के प्रति प्रेरित किया जाता है। वाटिका की विशेषता इसके कलात्मक और संदेशप्रधान स्वरूप में निहित है। यहां स्थापित विभिन्न स्कल्प्चर बालिका शिक्षा और सशक्तीकरण के सिद्धांतों को अभिव्यक्त करते हैं। पुस्तक के आकार की बेंचें और विशाल पुस्तक रूपी स्कल्पचर विशेष आकर्षण का केंद्र हैं, जिन पर प्रसिद्ध सामाजिक कार्यकर्ता कमला भसीन की कविता "क्योंकि मैं लड़की हूं, मुझे पढ़ना है" अंकित है। यह पंक्तियां न केवल भावनात्मक रूप से प्रेरित करती हैं, बल्कि समाज को यह सशक्त संदेश भी देती हैं कि शिक्षा हर बालिका का अधिकार है। महिला अधिकारिता विभाग की उपनिदेशक डॉ. अनुराधा सक्सेना के अनुसार, इस वाटिका की संकल्पना का उद्देश्य बीकानेर की सांस्कृतिक चेतना में बालिका शिक्षा और संरक्षण को सहज रूप से समाहित करना है। इसी सोच के तहत इस स्थल को शहर के प्रमुख पार्क में विकसित किया गया है, ताकि अधिकतम लोगों तक यह संदेश पहुंच सके। वाटिका में अनेक बालिकाओं और महिलाओं द्वारा लगाए गए पौधे इस पहल को जनभागीदारी से जोड़ते हैं। साथ ही, समूह में खेलती हुई बालिकाओं की जीवंत प्रतीत होती आकृतियां न केवल सौंदर्य बढ़ाती हैं, बल्कि यह संदेश भी देती हैं कि बालिकाएं संगठित, स्वस्थ और प्रसन्न रहकर समाज में अपनी सशक्त पहचान बना सकती हैं। वाटिका का विकास कार्य अभी प्रगति पर है, लेकिन भविष्य की योजनाएं इसे और अधिक आकर्षक और संदेशपूर्ण बनाएंगी। प्रस्तावित भ्रमण पथ, झूले, थीम आधारित पेंटिंग्स और अन्य रचनात्मक तत्व इस स्थान को एक प्रेरणादायक शिक्षण स्थल में परिवर्तित करेंगे। निस्संदेह, पब्लिक पार्क में विकसित यह कन्या वाटिका न केवल मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के विजन को साकार करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है, बल्कि बीकानेर की बेटियों के उज्ज्वल, सशक्त और आत्मनिर्भर भविष्य का एक सजीव प्रतीक भी बनती जा रही है।

गुजरात की बदली भौगोलिक पहचान, अब तटरेखा 1600 किलोमीटर नहीं बल्कि 2340 किलोमीटर है

तरूण मित्र, गुजरात।

गुजरात की तटरेखा की भौगोलिक पहचान को लेकर एक बेहद महत्वपूर्ण और चौंकाने वाली खबर सामने आई है। अब तक हम पाठ्यपुस्तकों में पढ़ते आए हैं कि गुजरात की तटरेखा 1600 किलोमीटर लंबी है, लेकिन भारत सरकार के नवीनतम वृत्ताकार और आधुनिक उपग्रह आंकड़ों के अनुसार, यह आंकड़ा अब 2340.62 किलोमीटर हो गया है। यानी गुजरात की तटरेखा की लंबाई में लगभग 740 किलोमीटर की वृद्धि हुई है। गुजरात की तटरेखा की भौगोलिक पहचान को लेकर एक बड़ा खुलासा हुआ है। तालाला विधायक भगा बारड द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार, भारत सरकार के नवीनतम परिपत्र के मुताबिक, गुजरात की तटरेखा का क्षेत्रफल अब 2340.62 किलोमीटर है। सवाल यह है कि तटरेखा की लंबाई और चौड़ाई में यह वृद्धि रातोंरात कहाँ से हुई? विशेषज्ञों का कहना है कि समुद्र का क्षेत्रफल नहीं बढ़ा है, बल्कि हमारा नजरिया बदल गया है। आधुनिक उच्च-रिज़ॉल्यूशन तकनीक के कारण अब छोटे-छोटे खाड़ी क्षेत्रों और द्वीपों को भी सटीक रूप से मापना संभव हो गया है, जिन्हें

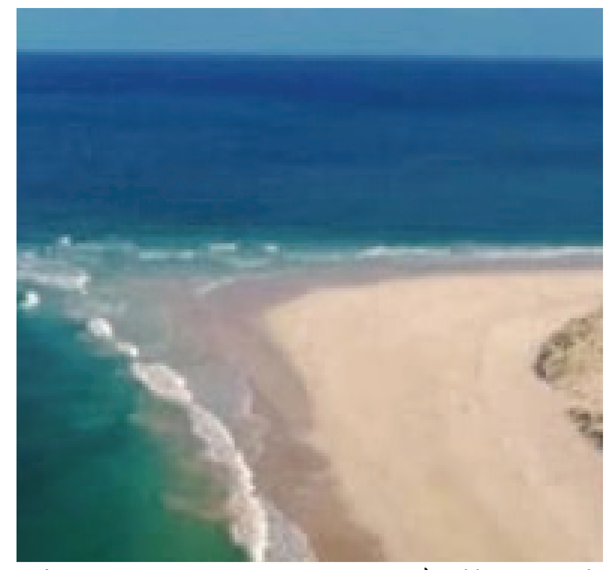

पहले नहीं मापा जा सकता था। अब, उच्च-रिज़ॉल्यूशन उपग्रह तकनीक के कारण, इन दुर्गम क्षेत्रों की लंबाई को जोड़कर यह बड़ा अंतर सामने आया है। तटरेखा की लंबाई में वृद्धि से केंद्र सरकार से गुजरात के लिए अनुदान के द्वार खुलेंगे। समुद्र विज्ञान विशेषज्ञों के अनुसार, इससे बुनियादी ढांचे और 'नीली अर्थव्यवस्था' को बड़ा बढ़ावा मिलेगा। नई स्थानिक प्रजातियों की खोज होने की संभावना है, जिससे समुद्री अनुसंधान और तटीय मत्स्य पालन में रोजगार के नए अवसर पैदा होंगे। इस खुशी के साथ-साथ एक चिंताजनक पहलू भी है। दक्षिण गुजरात के उदवाडा जैसे इलाकों में समुद्र का जलस्तर अंदर की ओर बढ़ रहा है, जिसके कारण उपजाऊ भूमि खारी होती जा रही है। बढ़ता हुआ मृदा अपरदन स्थानीय कृषि और आवासीय क्षेत्रों के लिए खतरा बन रहा है। यदि पर्यावरण और विकास के बीच संतुलन बनाए रखते हुए सही नीति बनाई जाए, तभी यह लंबी तटरेखा गुजरात की वास्तविक जीवनरेखा बन सकती है।

गुजरात के विभिन्न जिलों में सुबह-सुबह हुई बारीश, बेमौसम बारीश से किसान चिंतित

तरूण मित्र

गुजरात। गुजरात के विभिन्न जिलों में बारिश का मौसम देखा गया। खबर है कि गुजरात के द्वारका, कच्छ और पोरबंदर जिलों में सुबह-सुबह ही बारीश शुरू हो गई, जिसके कारण सड़कें जलमग्न हो गईं। द्वारका के तीर्थ स्थल पर बेमौसम बारीश हुई और सड़कों पर पानी भर गया, जिससे तीर्थयात्रियों को भी परेशानी का सामना करना पड़ा। बेमौसम बारीश से वातावरण ठंडा हो गया और ग्रामीण इलाकों में भी बारीश का मौसम रहा, जिससे किसान चिंतित हैं।

पोरबंदर जिले में मौसम में बदलाव आया और बारीश हुई। शहर में सुबह से ही बरसाती मौसम बना हुआ था, जबकि कुछ इलाकों में बेमौसम बारीश हुई जिससे किसान चिंतित थे। पोरबंदर शहर के कुछ हिस्सों में भारी बारीश हुई और सड़कों पर पानी भर गया। भचाऊ तालुका में बेमौसम बारिश हुई और मावथा से नमक उद्योग को नुकसान पहुंचने की आशंका है। भचाऊ कंठा क्षेत्र में बरसाती मौसम रहा और अंजार, गांधीधाम और मुंद्रा में भी बारीश हुई। राज्य में द्वारका के कल्याणपुर में सबसे अधिक 1 इंच बारीश हुई, वेरावल में 1.5 इंच बारीश हुई, खंभाणीया में आधा इंच बारिश हुई और अन्य तालुकों में 20 मिमी तक बारिश हुई।

युवा उद्यमी वरुण चौबे का उत्साहपूर्वक मना जन्मदिन, शुभचिंतकों ने दी बधाई

तरुणमित्र -ओमप्रकाश द्विवेदी

बोईसर (पालघर)। तारापुर औद्योगिक क्षेत्र के प्रतिष्ठित संस्थान 'प्योर गैस प्रोडक्ट' के प्रोप्राइटर और उभरते युवा उद्यमी पं. वरुण चौबे का जन्मवर्षगांठ बीते गुरुवार, 02 अप्रैल को धूमधाम से मनाया गया। उनके औद्योगिक प्रतिष्ठान पर आयोजित इस कार्यक्रम में बड़ी संख्या में स्थानीय उद्यमियों, मित्रों और शुभचिंतकों ने हिस्सा लिया।

उद्योग और समाज सेवा में सक्रिय भागीदारी

पं. वरुण चौबे न केवल औद्योगिक जगत में अपनी विशिष्ट पहचान बना रहे हैं, बल्कि वे 'विप्र फाउंडेशन बोईसर' के एक सक्रिय और ऊर्जावान सदस्य के रूप में सामाजिक कार्यों में भी निरंतर योगदान दे रहे हैं। कार्यक्रम के दौरान विप्र फाउंडेशन के सदस्यों ने उनकी सक्रियता और समाज के प्रति उनके समर्पण की सराहना की।

सफलता के लिए मिली मंगल शुभेच्छाएँ : इस अवसर पर उपस्थित गणमान्य व्यक्तियों ने पं.वरुण चौबे के सरल स्वभाव और उनके व्यवसाय की निरंतर प्रगति को लेकर चर्चा की। लोगों ने उनके उज्ज्वल भविष्य, दीर्घायु और सफल कारोबार की कामना करते हुए उन्हें फूलों के गुलदस्ते और मंगल शुभेच्छाएँ भेंट कीं।

भाजपा की सीनेट चुनाव प्रक्रिया में उम्मीदवारों की बाढ़, टिकट के इच्छुक उम्मीदवारों की लंबी कतारें

तरूण मित्र, अहमदाबाद।

स्थानीय निकाय चुनावों की गहमागहमी बढ़ने के साथ ही, भारतीय जनता पार्टी ने अहमदाबाद शहर में उम्मीदवारों के चयन के लिए जनमत संग्रह की प्रक्रिया शुरू कर दी है। कार्यकर्ताओं और नेताओं में शहर के विभिन्न वार्डों से टिकट पाने की प्रबल उत्सुकता है। विशेष रूप से घाटलोडिया विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले वार्डों में यह प्रक्रिया और भी तेज हो गई है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, घाटलोडिया विधानसभा के दो महत्वपूर्ण वार्डों में जनमत संग्रह की प्रक्रिया पूरी हो चुकी है। इनमें से गोता वार्ड में 55 और घाटलोडिया वार्ड में 35 उम्मीदवारों ने अपना नामांकन दर्ज कराया है। फिलहाल, थलतेज और बोडकदेव वार्डों में पर्यवेक्षकों द्वारा उम्मीदवारों के जनमत संग्रह का काम चल रहा है। निकोल वार्ड में चुनाव में खड़े उम्मीदवारों की संख्या सबसे अधिक 80 से अधिक है।

पूर्वी क्षेत्र की बात करें तो निकोल वार्ड में उम्मीदवारों की अधिकतम संख्या 80 से अधिक है, जबकि ओधव में 66 और विराटनगर में 33 उम्मीदवारों ने टिकट की मांग की है। पश्चिमी अहमदाबाद के अन्य वार्डों के आंकड़े भी चौंकाने वाले हैं। सरखेज वार्ड में 63, जोधपुर वार्ड में 36, वेजलपुर वार्ड में 32 और मक्तमपुर में 16 उम्मीदवारों ने अपनी मजबूत दावेदारी पेश की है। भाजपा के पर्यवेक्षक प्रत्येक उम्मीदवार की प्रोफाइल, पार्टी के प्रति निष्ठा और स्थानीय लोकप्रियता के आधार पर एक रिपोर्ट तैयार करेंगे और उसे राज्य नेतृत्व को सौंपेंगे। इतने अधिक उम्मीदवारों को देखते हुए, संगठन के लिए चयन करना लोहे के टुकड़े को चबाने जैसा कठिन कार्य साबित होगा।

अशांतधारा में भ्रष्टाचार के संबंध में 15 दिनों के भीतर कराई गई शिकायत दर्ज

सहायक कलेक्टर ने स्वयं अपने ड्राइवर के खिलाफ दर्ज कराई शिकायत

तरूण मित्र, भावनगर। भावनगर में अशांत धारा योजना के नाम पर संपत्ति हस्तांतरण की आड़ में चल रहे एक बड़े भ्रष्टाचार रैकेट का पर्दाफाश हुआ है। 15 दिनों की लंबी जांच के बाद आखिरकार सहायक कलेक्टर प्रतिभा दहिया ने खुद आगे आकर अपने ड्राइवर मोमिन पठान के खिलाफ पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है। इस मामले ने पूरे प्रशासन में हलचल मचा दी है। घटना का ब्यौरा यह है कि भावनगर के अशांत इलाकों में संपत्ति हस्तांतरण की अनुमति दिलाने के लिए ड्राइवर मोमिन पठान ने लाखों रुपये की मांग की थी। कुछ दिन पहले सोशल मीडिया पर एक सनसनीखेज वीडियो वायरल हुआ था, जिसमें

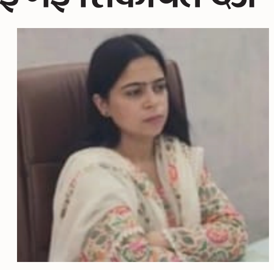

यह ड्राइवर संपत्ति हस्तांतरण की अनुमति दिलाने के बदले 14 लाख रुपये की रिश्वत मांगता नजर आ रहा था। इस वीडियो के सामने आने के बाद प्रशासन संदेह के घेरे में आ गया। गौरतलब है कि ड्राइवर द्वारा एक उच्च पदस्थ अधिकारी के नाम का इस्तेमाल करके रिश्वत मांगना एक गंभीर मामला है। पुलिस ने इस मामले में केस दर्ज कर ड्राइवर को गिरफ्तार करने की कोशिश कर रही है। अब इस मामले में अन्य बड़े अधिकारियों की संलिप्तता का पता लगाने के लिए जांच तेज की जाएगी।

चुनाव से पहले, बैनरों पर लिखा है कि केवल उन्हीं को वोट, जो मंदिर को बचाएंगे

तरूण मित्र

सूरत। राज्य में स्थानीय निकाय चुनावों की तैयारियों के बीच, सूरत के पॉश अडाजन इलाके में 'अशांत धारा' के उल्लंघन को लेकर स्थानीय लोगों में व्यापक आक्रोश है। अडाजन के स्थानीय निवासियों ने नेताओं के खिलाफ मोर्चा खोल दिया हैं और विरोध जताते हुए सोसाइटियों के गेट पर बैनर लगा दिए हैं।

स्थानीय लोगों का आरोप है कि इलाके में एक मंदिर के पीछे बन रही नई कॉलोनी का निर्माण अशांतधारा नियमों का पूरी तरह उल्लंघन है। निवासियों के अनुसार, संपत्तियों का अवैध हस्तांतरण हो रहा है जिससे भविष्य में इलाके की जनसांख्यिकीय स्थिति बदल सकती है। लोग इस अवैध निर्माण को तुरंत रोकने की मांग को लेकर सड़कों पर उतर आए हैं। सोसाइटियों के मुख्य द्वारों पर लगे बैनरों पर साफ

लिखा है, "जो मंदिर को बचाएगा, उसे वोट मिलेगा।" इतना ही नहीं, प्रशासन या राजनीतिक नेताओं द्वारा इस अवैध कॉलोनी का निर्माण कार्य न रोकने पर आगामी चुनावों का पूर्ण बहिष्कार करने की धमकी भी दी गई है। चुनावों की पूर्व संध्या पर उत्पन्न हुई इस स्थिति ने सत्ताधारी और विपक्षी दोनों दलों के लिए चिंता बढ़ा दी है। अब देखना यह है कि प्रशासन इस मामले में क्या कदम उठाता है।

राजस्थान विश्वविद्यालय में महिला सशक्तीकरण कार्यक्रम को लेकर बवाल, एनएसयूआई-एबीवीपी आमने-सामने

तरुणमित्र

जयपुर। राजस्थान विश्वविद्यालय में शुक्रवार को महिला सशक्तीकरण से जुड़े कार्यक्रम को लेकर शुक्रवार को छात्र संगठनों के बीच तीखा विवाद हो गया। नेशनल स्टूडेंट्स यूनियन ऑफ इंडिया के कार्यकर्ताओं ने मुख्य द्वार पर जोरदार प्रदर्शन किया, इस दौरान पुलिस से उनकी झड़प भी हुई।

शुक्रवार दोपहर करीब 2 बजे शुरू हुए प्रदर्शन में कार्यकर्ता बैरिकेड्स पर चढ़ गए और नारेबाजी करते हुए अंदर जाने का प्रयास किया। पुलिस ने पहले से ही गेट पर बैरिकेडिंग कर रखी थी। स्थिति बिगड़ने पर पुलिस ने प्रदर्शनकारियों को नीचे उतारकर हिरासत में लिया और गाड़ियों में बैठाकर ले गई। कुछ कार्यकर्ता सड़क पर लेटकर विरोध जताते नजर आए।

दरअसल, विश्वविद्यालय के मानविकी पीठ सभागार व संविधान पार्क में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ से जुड़े 'मातृशक्ति संवाद' एवं महिला सशक्तीकरण कार्यक्रम का आयोजन प्रस्तावित था, जिसका एनएसयूआई ने विरोध किया। संगठन का आरोप था कि विश्वविद्यालय परिसर में किसी विशेष विचारधारा को बढ़ावा दिया जा रहा है।

प्रदर्शन में युवा नेता कार्तिकेय भारद्वाज सहित कई छात्र नेता शामिल हुए। उन्होंने कार्यक्रम पर सवाल उठाते हुए इसे संविधान, महिला अधिकारों और सामाजिक समानता के खिलाफ बताया। वहीं एनएसयूआई के राष्ट्रीय अध्यक्ष विनोद जाखड़ के निर्देश पर जिला उपाध्यक्ष शुभम डंडोरिया के नेतृत्व में विरोध प्रदर्शन किया गया, जिसमें पुलिस के साथ नोकझोंक भी हुई। प्रदर्शनकारियों ने कार्यक्रम रद्द करने की मांग की। करीब आधे घंटे तक चले हंगामे के बाद पुलिस ने स्थिति को नियंत्रित किया। दूसरी ओर अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद ने कार्यक्रम का समर्थन करते हुए एनएसयूआई पर राजनीतिक लाभ के लिए विरोध करने का आरोप लगाया और कहा कि कार्यक्रम विश्वविद्यालय प्रशासन की अनुमति से आयोजित किया जा रहा है।

प्रभावित बीमित फसल के कृषक आपदा के 72 घण्टे के अंदर सूचित करें

कर्मपालसिंह सवाली

अलवर : प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना में फसल कटाई उपरान्त अधिकतम 14 दिन की अवधि में सूखने के लिए खेत में काटकर फैलाकर छोडी गई फसल को चक्रवात, चक्रवती वर्षा, असामयिक वर्षा तथा ओलावृष्टि से व्यक्तिगत आधार पर हुए नुकसान के लिए फसल बीमा क्लेम आवरण उपलब्ध है। उन्होंने बताया कि प्रभावित बीमित फसल के कृषक को आपदा के 72 घण्टे के अंदर सीधे भारत सरकार द्वारा संचालित कृषि रक्षक पोर्टल एवं हैल्पलाइन 14447 पर अथवा क्रोप इंश्योरेंस एप अथवा लिखित में अपने बैंक/कृषि विभाग के अधिकारियों के माध्यम से सूचित करना आवश्यक है। बैंक स्तर पर इस संबंध में सूचना प्राप्त होने पर बीमित फसल, बीमित क्षेत्र, प्रीमियम की कटौती की तिथि आदि का सत्यापन करते हुए बीमा कम्पनी को प्रकरण निर्धारित समय सीमा में अविलम्ब अग्रेषित करना होगा। उन्होंने बताया कि यदि तकनीकी खराबी की वजह बीमित कृषकों द्वारा पोस्ट-हार्वेस्ट लॉसेस के हानि के इंटीमेशन दर्ज नहीं हो पा रहे हैं। तो ऐसी परिस्थिति में सुविधानुसार निकटतम कृषि कार्यालय में लिखित सूचना देवे। फसल में क्षति का आंकलन सर्वेयर द्वारा संबंधित कृषक व स्थानीय कृषि विभाग के अधिकारी/कर्मचारी के साथ संयुक्त रूप से किया जावेगा। यह आंकलन सर्वे दस दिन के अंदर पूर्ण किया जाए।

खास खबर

कम्पोजिट विद्यालय में शिक्षा चौपाल संग वार्षिकोत्सव का भव्य आयोजन

जौनपुर। जनपद के सिरकोनी विकासखंड अंतर्गत कम्पोजिट विद्यालय सेहमलपुर में "शिक्षा चौपाल एवं विद्यालय वार्षिकोत्सव" का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य निपुण भारत अभियान के प्रभावी क्रियान्वयन को बढ़ावा देना और शैक्षिक गुणवत्ता को सुदृढ़ करना रहा। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि मुख्य विकास अधिकारी ध्रुव खाड़िया एवं विशिष्ट अतिथि बेसिक शिक्षा अधिकारी डॉ. गोरखनाथ पटेल रहे। इस अवसर पर सिरकोनी ब्लॉक प्रमुख बंशराज सिंह ने बच्चों का उत्साहवर्धन करते हुए शिक्षा के महत्व पर विशेष बल दिया। मुख्य विकास अधिकारी ध्रुव खाड़िया ने नव नामांकित बच्चों का माल्यार्पण कर स्वागत किया तथा उन्हें कॉपी-पेंसिल वितरित कर प्रोत्साहित किया। वहीं बेसिक शिक्षा अधिकारी डॉ. गोरखनाथ पटेल ने अभिभावकों से अधिक से अधिक बच्चों का विद्यालय में नामांकन कराने की अपील की। कार्यक्रम के दौरान 20 नए बच्चों का नामांकन भी कराया गया। कार्यक्रम का विशेष आकर्षण छात्रा आरूषि यादव एवं आयुषी यादव द्वारा बनाई गई आकर्षक कलाकृति रही, जिसे मुख्य विकास अधिकारी को भेंट किया गया। कलाकृति से प्रभावित होकर उन्होंने दोनों छात्राओं एवं उनकी माता को शॉल और स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया। विद्यालय परिवार द्वारा आगंतुक अभिभावकों एवं ग्रामवासियों का गर्मजोशी से स्वागत किया गया। इस दौरान बच्चों ने रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत कर अपनी प्रतिभा का उत्कृष्ट प्रदर्शन किया, जिसे उपस्थित जनसमूह ने खूब सराहा। कार्यक्रम को सफल बनाने में खंड शिक्षा अधिकारी अमरेश कुमार सिंह, प्रभारी प्रधानाध्यापक रईस खान, शिक्षक दीपक सिंह, शालिनी सिंह एवं रिचा सिंह का विशेष योगदान रहा।

पोखरे में मिली श्रमिक की लाश, परिजन जता रहे हत्या की आंशका

जौनपुर। बक्शा थाना क्षेत्र के सरायचंद गांव में स्थित एक पोखरे में श्रमिक की लाश मिलने से क्षेत्र में सनसनी फ़ैल गई। परिजन बार.बार हत्या का आरोप लगा रहे हैं। परिजनों के अनुसार गांव के एक स्वर्ण व्यक्ति धर्मेंद्र कुमार गौड़ उम्र लगभग 35 वर्ष पुत्र धनु गौड़ गुरुवार लगभग 9 बजे खेत काटने के लिए उसे बुलाकर ले गया। दूसरे दिन शुक्रवार लगभग 7 बजे धर्मेंद्र की लाश गांव में ही स्थित पोखरे में देखी गई। जैसे ही यह खबर ग्रामीणों को लगी मौके पर अच्छी खासी भीड़ एकत्रित हो गई। परिवार के लोग भी रोते बिलखते हुए पहुंच गए। परिजन आरोप लगा रहे हैं कि गांव के व्यक्ति द्वारा की हत्या करके लाश को पोखरे में फेंक दिया गया है। हत्या का कारण पूछे जाने पर परिजनों ने बताया कि मजदूरी को लेकर के विवाद चल रहा था। घटना की जानकारी मिलते ही स्थानीय थाने के थाना अध्यक्ष लक्ष्मण विक्रम सिंह सहयोगी जवानों के साथ मौके पर पहुंच गए। थानाध्यक्ष ने बताया कि देखने से पानी में डूब कर मृत्यु होने की घटना प्रतीत हो रही है। आगे उन्होंने बताया कि फिलहाल मौत का सही कारण जानने के लिए लाश को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा जा रहा है।

बिजली के तार में शॉर्ट सर्किट से गेहूं की फसल जली

जौनपुर। चन्दवक के डोभी क्षेत्र के खुज्झी गांव में शुक्रवार दोपहर लगभग 12 बजे बिजली के तार में शॉर्ट सर्किट होने से भीषण आग लग गईए जिससे गेहूं की खड़ी फसल जलकर खाक हो गई। इस घटना में करीब ढाई बीघे गेहूं की फसल के नुकसान की बात सामने आई है। ग्रामीणों ने तत्काल मौके पर पहुंचकर आग बुझाने का प्रयास किया और कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पायाए लेकिन तब तक काफी नुकसान हो चुका था। गांव निवासी जंग बहादुर यादव ;पुत्र राजाराम यादवद्ध ने बताया कि उनकी लगभग दो बीघे गेहूं की फसल जल गई। वहीं प्रमिला सिंह ;पत्नी स्वण् काशीनाथ सिंहद्ध के अनुसारए उन्हें करीब 5 बिस्सा फसल का नुकसान हुआ है। गांव के ही नरेंद्र यादव ने ट्रैक्टर की मदद से आग बुझाने में अहम भूमिका निभाई। इस दौरान आग बुझाने के प्रयास में वे हल्का झुलस भी गए। जानकारी मिलने पर बिजली विभाग के कर्मचारी और राजस्व विभाग के लेखपाल उमेश सोनकर मौके पर पहुंचे और नुकसान का आकलन करने में जुट गए हैं।

बिजली ठीक कर रहे किशोर की करंट की चपेट में आने से मौत

जौनपुर। गौरा बादशाहपुर थाना क्षेत्र के बारी गांव में शुक्रवार दोपहर एक दर्दनाक हादसे में 14 वर्षीय किशोर की करंट लगने से मौत हो गई। इस घटना के बाद पूरे गांव में शोक की लहर दौड़ गई और परिजनों का रो.रोकर बुरा हाल है। इसी थाना क्षेत्र के बारी गांव निवासी लाल बिहारी का पुत्र राज यादव उम्र 14 वर्ष घर में बिजली की तकनीकी खराबी को ठीक करने का प्रयास कर रहा था। इसी दौरान वह अचानक करंट की चपेट में आ गया और मौके पर ही गिर पड़ा। हादसे के समय घर पर कोई परिजन मौजूद नहीं था। कुछ देर बाद जब परिजन घर पहुंचे तो राज को जमीन पर अचेत अवस्था में पड़ा देखा। आनन. फानन में उसे निजी वाहन से जिला अस्पताल ले जाया गयाए जहां चिकित्सकों ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। सूचना मिलने पर गौरा बादशाहपुर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। इस घटना से परिवार में कोहराम मच गया है। वहीं गांव में भी शोक का माहौल है।

निजी स्कूलों पर शिकंजा कसे बिना, स्कूल चलो अभियान खतरे में

तरुणमित्र

जौनपुर। बिना फिटनेस के दौड़ते वाहन, मनमाना फीस, फिटनेस खो चुके वैन, किताबों पर अलग से प्रिंट चिपकाकर लूट, पब्लिशरों की डकैती, स्टेशनरी का स्टॉल और ड्रेस पर कमीशन, इन तमाम प्रपंचो के बाद भी शिक्षा विभाग मौन है । वाराणसी और जौनपुर में निजी स्कूलों द्वारा जो लूटपाट शुरु हुई है वह जाँच का विषय है। यदि आरटीओ और परिवहन विभाग व खंड शिक्षा अधिकारी ठीक ढंग से जाँच और कार्यवाही कर दे तो आधे से ज्यादा निजी स्कूल दम तोड़ दे जिसके बाद ही सरकारी स्कूलों का उत्थान संभव है। प्रशासन के नाक के नीचे अभिवावको से लूटपाट हो रहा फिर भी इनका मोह भंग निजी स्कूलों से नहीं हो पा रहा। ये स्कूल सीबीएससी के नाम पर ना सिर्फ अभिवाहकों के आँखो में धूल झोक रहें बल्कि छात्रों के भविष्य से भी खेल रहे। गलत कॉपी मार्किंग और अभिवाहकों को खुश करने के लिए स्लो लर्नर छात्रों को भी सत्तर से अस्सी प्रतिशत नंबर दे देना यह आजकल के निजी स्कूलों का प्रचलन है। उधर जौनपुर में कई वर्ष से जमे बीएसए गोरखनाथ पटेल सरकारी स्कूलो के लिए स्कूल चलो अभियान का शुभारंभ करते दिखाई तो दिए है पर मानक विहीन निजी स्कूलों पर कार्यवाही नहीं कर पा रहे । प्रश्न अब भी यही है की बिना निजी स्कूलों पर शिकंजा कसे क्या ऐसे अभियान सफल हो सकेंगे ! स्कूल चलो अभियान के सार्थकता पर प्रश्नचिन्ह लगाते हुए जनपद के पत्रकार पंकज सीबी मिश्रा ने कहा कि वाराणसी और जौनपुर में निजी स्कूलों की मनमानी पर कार्यवाही किए बिना सरकारी स्कूलों की स्थिति नहीं सुधरेगी। उधर बीएसए ने घर-घर जाकर नामांकन कराने का अभियान शुरू किया। जनपद में "स्कूल चलो अभियान" के तहत बख्शा के प्राथमिक विद्यालयों में नामांकन अभियान उत्साह और जनभागीदारी के साथ संपन्न हुआ पर इसकी परनीति क्या होगी यह भविष्य के गर्त में है। हर साल स्कूल चलो अभियान चलाया जाता है पर औसत प्रवेश अब भी चिंताजनक है। इस वर्ष अभियान के शुभारम्भ के दौरान बख्शा के सदरूद्दीनपुर में कुल 25 बच्चों का नामांकन किया गया।अभियान के माध्यम से शिक्षा के महत्व को जन-जन तक पहुंचाने का प्रयास किया तो जा रहा है, ताकि कोई भी बच्चा शिक्षा से वंचित न रहे पर निजी स्कूलों पर सख्त कार्यवाही किए बिना यह संभव नहीं । बख्शा में कार्यक्रम के दौरान आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं एवं शिक्षकों ने नव नामांकित बच्चों का तिलक लगाकर स्वागत किया। साथ ही बच्चों को किताबें, कॉपी और पेंसिल वितरित कर शिक्षा के प्रति प्रेरित किया गया। इस मौके पर खंड शिक्षा अधिकारी, ग्राम प्रधान, विंध्यवासिनी उपाध्याय, समस्त अध्यापक, गांव के ग्रामीण एवं अभिभावक उपस्थित रहे। सभी ने अभियान को सफल बनाने में सहयोग दिया और अधिक से अधिक बच्चों को विद्यालय से जोड़ने का संकल्प लिया।

शॉर्ट सर्किट के कारण एक एकड़ से अधिक खड़ी गेहूं की फसल जली

तरुणमित्र

जौनपुर। सरायख्वाजा क्षेत्र के दक्षिण पट्टी गांव में गुरुवार दोपहर बिजली के शॉर्ट सर्किट ने किसानों की मेहनत पर पानी फेर दिया। खेतों के ऊपर से गुजर रही एलटी लाइन में हुए शॉर्ट सर्किट की चिंगारी से एक एकड़ से अधिक खड़ी गेहूं की फसल जलकर राख हो गई। ग्रामीणों ने अपनी जान जोखिम में डालकर घंटों की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। जिससे आसपास के अन्य खेत खाक होने से बच गए। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसारए दोपहर के समय गांव के सिवान में उस वक्त अफरा.तफरी मच गईए जब बिजली के खंभों के बीच जुड़े केबल के जोड़ ;जॉइंटद्ध से अचानक चिंगारियां निकलने लगीं। देखते ही देखते आग की चिंगारी सीधे नीचे खड़ी सूखी फसल पर जा गिरी। तेज हवाओं के कारण आग ने विकराल रूप धारण कर लिया और लपटें आसमान छूने लगीं। खेत से धुआं उठता देख आसपास के ग्रामीण शोर मचाते हुए मौके पर दौड़ पड़े। फायर ब्रिगेड को सूचना देने के साथ ही ग्रामीण खुद ही आग बुझाने में जुट गए। किसी ने निजी पंपसेट चलाए तो कोई बाल्टी से पानी डालकर आग को रोकने की कोशिश करने लगा। काफी जद्दोजहद के बाद आग पर काबू पाया जा सका, लेकिन तब तक किसान रागिब हुसैन और वकार हुसैन की एक एकड़ से अधिक फसल पूरी तरह जल चुकी थी।

हनुमान जन्मोत्सव पर निकली भव्य झांकी व शोभायात्रा, भक्ति में डूबा रहा पूरा नगर

तरुणमित्र

जौनपुर। शाहगंज, हनुमान जन्मोत्सव के पावन अवसर पर नगर में भव्य झांकी एवं शोभायात्रा का आयोजन किया गया, जिसमें श्रद्धालुओं का जनसैलाब उमड़ पड़ा। पूरा नगर जय श्री राम और बजरंगबली के जयघोष से गुंजायमान हो उठा तथा वातावरण भक्तिमय बना रहा। शोभायात्रा का शुभारंभ हनुमान गढ़ी मंदिर से विधिवत पूजा-अर्चना के साथ किया गया। इसके बाद सुसज्जित झांकियों के साथ शोभायात्रा नगर के मुख्य मार्गों से होते हुए आगे बढ़ी। झांकियों में भगवान श्रीराम, माता सीता, लक्ष्मण और हनुमान जी के जीवन प्रसंगों को आकर्षक ढंग से प्रस्तुत किया गया, जिसे देखने के लिए मार्ग के दोनों ओर लोगों की भारी भीड़ उमड़ी रही। शोभायात्रा जैसे-जैसे आगे बढ़ती गई, श्रद्धालुओं द्वारा जगह-जगह पुष्प वर्षा कर उसका भव्य स्वागत किया गया। नगर के विभिन्न सामाजिक संगठनों एवं व्यापारियों द्वारा भक्तों के लिए जगह-जगह शुद्ध जल एवं हल्के जलपान की व्यवस्था की गई, जिससे श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो। यात्रा के दौरान सुरक्षा व्यवस्था के पुख्ता इंतजाम किए गए थे। प्रशासनिक अधिकारी एवं पुलिस बल पूरी तरह मुस्तैद नजर आए, जिससे शोभायात्रा शांतिपूर्ण एवं सुव्यवस्थित ढंग से संपन्न हो सकी। भव्य शोभायात्रा का समापन योगीनाथ तिराहे पर हुआ, जहां आरती एवं प्रसाद वितरण के साथ कार्यक्रम का समापन किया गया। इस दौरान श्रद्धालुओं में विशेष उत्साह और आस्था देखने को मिली। हनुमान जन्मोत्सव के इस आयोजन ने नगर में धार्मिक एकता, श्रद्धा और उत्साह का अद्भुत उदाहरण प्रस्तुत किया।

कुलपति प्रो. वंदना सिंह को पूर्वांचल माटी सम्मान पर शिक्षक प्रतिनिधिमंडल ने दी बधाई

तरुणमित्र

जौनपुर। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय की कुलपति प्रोफेसर वंदना सिंह को 'पूर्वांचल माटी सम्मान' से सम्मानित किए जाने पर शिक्षक प्रतिनिधिमंडल ने उन्हें हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ प्रेषित कीं। यह सम्मान उन्हें लोक सभा स्पीकर ओमप्रकाश बिरला के कर कमलों द्वारा प्रदान किया गया। इस अवसर पर शिक्षक प्रतिनिधिमंडल ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि यह सम्मान न केवल कुलपति के व्यक्तिगत योगदान का सम्मान है, बल्कि पूरे पूर्वांचल क्षेत्र की शैक्षिक गरिमा का भी प्रतीक है। उन्होंने कुलपति प्रो. वंदना सिंह के उज्ज्वल भविष्य एवं निरंतर प्रगति की कामना करते हुए विश्वास व्यक्त किया कि उनके नेतृत्व में विश्वविद्यालय नई ऊँचाइयों को प्राप्त करता रहेगा। इस दौरान एक सकारात्मक एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में शिक्षक प्रतिनिधिमंडल एवं कुलपति के बीच संवाद हुआ, जिसमें बधाई के साथ-साथ विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों पर विचार-विमर्श भी किया गया। इसी क्रम में शिक्षक प्रतिनिधिमंडल ने विश्वविद्यालय से जुड़े विभिन्न मुद्दों को प्रमुखता से उठाया। विशेष रूप से पीएचडी से संबंधित समस्याएँ तथा चयन प्रक्रिया से जुड़े विषयों पर चर्चा की गई। शिक्षक प्रतिनिधियों ने स्पष्ट किया कि वे शिक्षक हितों के प्रति पूरी तरह सजग हैं और एक सक्रिय एवं मजबूत प्रतिनिधिमंडल के रूप में अपनी भूमिका निभाते रहेंगे। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय में सभी निर्णय तर्कसंगत, पारदर्शी एवं न्यायसंगत होने चाहिए। प्रतिनिधिमंडल ने यह भी बताया कि आने वाले समय में वे विभिन्न मुद्दों को लेकर औपचारिक रूप से पत्राचार एवं संवाद की प्रक्रिया को आगे बढ़ाएंगे, ताकि समस्याओं का समाधान शीघ्र एवं प्रभावी रूप से सुनिश्चित किया जा सके। अंत में शिक्षक प्रतिनिधिमंडल ने कुलपति के साथ हुई वार्ता पर संतोष व्यक्त किया तथा आशा जताई कि शिक्षक एवं विद्यार्थी हितों से जुड़े विषयों पर सकारात्मक पहल जारी रहेगी और समस्याओं के समाधान की दिशा में ठोस कदम उठाए जाएंगे। इस अवसर पर प्रो. राजेश सिंह, डॉ. जे.पी. सिंह, प्रो. लक्ष्मण सिंह, डॉ. यदुवंश कुमार, डॉ. उज्ज्वल सिंह, डॉ. संजय शर्मा राय, डॉ. अविनाश कौल, डॉ. अखिलेश गौतम, डॉ. प्रतिमा सिंह, डॉ. कृष्णकांत दुबे, डॉ. अवनीश यादव, डॉ. बालाजी भारद्वाज, डॉ. विवेक प्रजापति, डॉ. विकास यादव, डॉ. अनिल मौर्य, डॉ. सुनील मौर्य, डॉ. सच्चिदानंद पांडे, डॉ. विवेक यादव, डॉ. बृजेश, डॉ. रमेश सिंह, डॉ. अनुराग चौधरी एवं डॉ. जितेश सिंह सहित अन्य शिक्षक प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

जैक ने एक्ट्रेस हुमा कुरैशी को बताया शानदार कलाकार

मुंबई। भारतीय अभिनेत्री हुमा कुरैशी की हॉलीवुड के मशहूर निर्देशक जैक स्नाइडर ने खुलकर तारीफ की है। हुमा को उन्होंने अपनी फिल्म आर्मी ऑफ डेड में काम करने वाले सबसे शानदार कलाकारों में से एक बताया। हाल ही में जैक स्नाइडर ने इंस्टाग्राम पर हुमा की एक तस्वीर साझा करते हुए उनकी प्रतिभा, स्क्रीन प्रेजेंस और दमदार अभिनय की सराहना की। अपने पोस्ट में स्नाइडर ने लिखा कि हुमा कुरैशी उन बेहतरीन अभिनेत्रियों में से एक हैं, जिनके साथ उन्हें काम करने का अवसर मिला। उन्होंने कहा कि हुमा में जबरदस्त टैलेंट के साथ एक खास स्क्रीन प्रेजेंस और चमक है, जो उन्हें अलग बनाती है। इस पोस्ट के सामने आते ही मनोरंजन जगत के कई कलाकारों ने भी प्रतिक्रिया दी। खुद हुमा कुरैशी ने कमेंट करते हुए आभार जताया, जबकि फराह खान ने भी इस पर खुशी जाहिर की। 'आर्मी ऑफ द डेड' एक जॉम्बी-थीम पर आधारित एक्शन फिल्म है, जिसकी कहानी लास वेगास में फैले खौफनाक हालात के बीच एक समूह द्वारा कसीनो में डकैती की योजना पर केंद्रित है। यह फिल्म स्नाइडर के उसी आइडिया से प्रेरित है, जिसे उन्होंने अपनी 2004 की फिल्म डॉन ऑफ डेड के बाद विकसित किया था। फिल्म में कई अंतरराष्ट्रीय सितारे नजर आए थे, जिनमें डेव बॉतिस्ता, एला पर्नेल, ओमारी हार्डविक, एना डे ला रेग्वेरा, थियो रॉसी और अन्य कलाकार शामिल हैं। वर्कफ्रंट की बात करें तो हुमा कुरैशी जल्द ही फिल्म टाक्सिकः ए फेयरी टेल फार ग्रोन-यूपीएस में दिखाई देंगी। यह एक गैंगस्टर एक्शन-ड्रामा फिल्म है, जिसका निर्देशन गीतू मोहनदास ने किया है। फिल्म में यश मुख्य भूमिका में हैं और उन्होंने इसकी कहानी भी लिखी है। इसके अलावा नयनतारा, कियारा आडवानी, रुक्मिणी वसंत और तारा सुतारिया भी अहम किरदारों में नजर आएंगी। फिल्म की रिलीज पहले 19 मार्च 2026 को तय की गई थी, लेकिन बाद में इसे टाल दिया गया।

जनपद रोवर-रेंजर समागम 2026 में बयालसी महाविद्यालय की रेंजर टीम ने हासिल किया द्वितीय स्थान

तरुणमित्र

जौनपुर। बयालसी महाविद्यालय के लिए गर्व का विषय है कि जनपद स्तरीय 34वें वीर बहादुर सिंह पूर्वान्चल विश्वविद्यालय रोवर-रेंजर समागम 2026 में महाविद्यालय की रेंजर टीम ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए द्वितीय स्थान प्राप्त किया। टीम के इस उल्लेखनीय उपलब्धि से महाविद्यालय परिवार में हर्ष का वातावरण है।इस सफलता के पीछे टीम प्रभारी डॉ. अंशुमान सिंह एवं डॉ जितेंद्र प्रसाद यादव का मार्गदर्शन एवं परिश्रम सराहनीय रहा। उनके नेतृत्व में छात्राओं ने अनुशासन, टीमवर्क और कौशल का शानदार प्रदर्शन किया। महाविद्यालय की प्राचार्य प्रो. अलकेश्वरी सिंह ने इस उपलब्धि पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा, "यह उपलब्धि हमारे विद्यार्थियों की प्रतिबद्धता और शिक्षकों के मार्गदर्शन का परिणाम है। रेंजर टीम ने महाविद्यालय का नाम गौरवान्वित किया है। मुझे विश्वास है कि भविष्य में भी हमारे छात्र-छात्राएं इसी तरह उत्कृष्ट प्रदर्शन करते रहेंगे।" महाविद्यालय परिवार ने सभी प्रतिभागियों, विशेष रूप से विजेता टीम एवं उनके प्रभारियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं।

एक दिवसीय शैक्षिक भ्रमण में छात्राओं ने जानी इतिहास और संस्कृति की विरासत

तरुणमित्र

जौनपुर। शाहगंज, राजकीय महिला महाविद्यालय, शाहगंज (जौनपुर) की छात्राओं द्वारा एक दिवसीय शैक्षिक भ्रमण का सफल आयोजन किया गया। इस भ्रमण के अंतर्गत छात्राओं ने वाराणसी स्थित सारनाथ का दौरा किया, जहां उन्हें भारत की समृद्ध ऐतिहासिक एवं सांस्कृतिक धरोहर को करीब से जानने और समझने का अवसर प्राप्त हुआ। भ्रमण के दौरान छात्राओं ने सारनाथ के प्रमुख ऐतिहासिक स्थलों का अवलोकन किया और बौद्ध धर्म से जुड़े महत्वपूर्ण तथ्यों की जानकारी प्राप्त की। इस अवसर पर छात्राओं को प्राचीन स्थापत्य कला, ऐतिहासिक स्मारकों तथा सांस्कृतिक विरासत के विभिन्न आयामों से परिचित कराया गया। शिक्षकों ने स्थल के महत्व पर प्रकाश डालते हुए छात्राओं को व्यावहारिक ज्ञान प्रदान किया, जिससे उनकी शैक्षणिक समझ और अधिक सुदृढ़ हुई। महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. संजय कुमार की अनुमति एवं मार्गदर्शन में आयोजित इस शैक्षिक भ्रमण का नेतृत्व प्रो. रमेश चंद्र, प्रो. अखिलेश राम, डॉ. अजय शुक्ला तथा राज बहादुर जायसवाल द्वारा किया गया। साथ ही चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी श्रीमती संध्या का भी सहयोग सराहनीय रहा। भ्रमण के दौरान छात्राओं में उत्साह और जिज्ञासा का विशेष माहौल देखने को मिला। उन्होंने न केवल ऐतिहासिक तथ्यों को समझा, बल्कि सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण के प्रति जागरूकता भी विकसित की। महाविद्यालय प्रशासन का मानना है कि इस प्रकार के शैक्षिक भ्रमण छात्रों के सर्वांगीण विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। कार्यक्रम के सफल आयोजन पर महाविद्यालय परिवार ने संतोष व्यक्त किया और भविष्य में भी इस प्रकार के ज्ञानवर्धक आयोजनों को निरंतर जारी रखने का संकल्प लिया।

अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मजबूत पकड़ बनाने के लिए तैयार 'दृश्यम'

मुंबई। बॉलीवुड स्टार अजय देवगन की सुपरहिट फिल्म दृश्यम अब अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी मजबूत पकड़ बनाने के लिए तैयार है। फिल्म की कहानी अब स्पैनिश भाषा में नए रूप में पेश की जाएगी। हाल ही में प्रोजेक्ट को लेकर मेकर्स ने पुष्टि की है कि फिल्म का स्पैनिश रीमेक जल्द ही फ्लोर पर जाएगा। रिपोर्ट्स के अनुसार, फिल्म के इंटरनेशनल रीमेक राइट्स खरीदने के बाद से ही इसे विदेशी दर्शकों तक पहुंचाने की योजना बनाई जा रही थी। अब इस दिशा में बड़ा कदम उठाते हुए प्रोड्यूसर रोड्रिगो एस्पिनेल ने खुलासा किया है कि फिल्म की शूटिंग इसी साल जून से शुरू होगी। दिल्ली में आयोजित एक इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल के दौरान उन्होंने इस प्रोजेक्ट की पुष्टि करते हुए बताया कि तैयारियां अंतिम चरण में हैं। प्रोड्यूसर का कहना है कि 'दृश्यम' की कहानी बेहद दमदार और सार्वभौमिक भावनाओं से जुड़ी है, जिसे किसी भी संस्कृति में आसानी से ढाला जा सकता है। उन्होंने बताया कि स्पेन के दर्शकों के स्वाद और संस्कृति को ध्यान में रखते हुए फिल्म की स्क्रिप्ट को अनुकूलित किया जा रहा है। इसके लिए स्पेन के प्रमुख कलाकारों और एक बड़े निर्देशक को भी साइन किया जा चुका है, जिससे इस रीमेक को और मजबूती मिलने की उम्मीद है। फिल्म की मूल कहानी एक ऐसे पिता के इर्द-गिर्द घूमती है, जो अपनी बेटी को बचाने के लिए हर संभव प्रयास करता है, जबकि दूसरी ओर एक मां अपने लापता बेटे की तलाश में है। यह भावनात्मक संघर्ष और पारिवारिक जुड़ाव की कहानी दुनिया भर के दर्शकों को सहज रूप से जोड़ने की क्षमता रखती है। यही कारण है कि इसे अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रस्तुत करना अपेक्षाकृत आसान माना जा रहा है।

खास खबर

तेज रफ्तार ट्रक ने बाइक को मारी टक्कर, दर्दनाक मौत

जौनपुर। चंदवक के डोभी थाना क्षेत्र के वाराणसी आजमगढ़ मार्ग पर मूर्खा गांव के पास शुक्रवार की सुबह समय करीब 8 बजे ट्रक की चपेट में आने से एक युवक की मौके पर ही दर्दनानक मौत हो गई। ट्रक आजमगढ़ की तरफ जा रहा था बाइक सवार शिबू अहमद पुत्र वाजिद अहमद वाराणसी से आजमगढ़ की तरफ अपने बहन के यहाँ जा रहा था। की मुर्खा के पास विपरीत दिशा से आ रही थी। बजरंग नगर चौकी पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए ग्रामीणों की मदद से ट्रैक को कनौरा ग्राम सभा के पास कब्जे में ले लिया चालक मौके से फरार हो गया। टक्कर इतनी तेज थी कि बाइक के खरपच्चे उड़ गए और बाइक टूट कर दो भागों में हो गई मौके से सीएचसी डोभी ले जाया गया वहीं डाक्टरों की टीम में देखते हुए उसे मृत घोषित कर दिया। वहीं शव को अपने कब्जे में लेकर पीएम के लिए आवश्यक कार्यवाही में जुटे।

गांव के ही तलाब में मिली युवक की लाश

जौनपुर। बक्शा थाना क्षेत्र के सरायरैचन्द गांव में शुक्रवार की सुबह तालाब में एक 35 वर्ष के युवक की लाश मिलने से हड़कंप मच गया है। घटना की जानकारी होने पर वहां पहुंचें ग्रामीणों ने प्रधान और मृतक युवक के परिजनों ने लाश की पहचान कर पुलिस को सूचना दे दी। मृतक युवक की पहचान उक्त गांव निवासी धर्मेंद्र उर्फ बच्चा गौड़ की लाश गांव के ही एक तालाब में उतराई पाई गई। फिल्हाल इस मामले को लेकर पहुंची पुलिस ने मृतक युवक की लाश को अपने कब्जे में ले कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पुलिस मामले की छानबीन में जुट गई है।

भीषण सड़क हादसे में युवक की दर्दनाक मौत

जौनपुर। चंदवक थाना क्षेत्र के वाराणसीदूआजमगढ़ मार्ग पर शुक्रवार सुबह करीब 8 बजे भीषण सड़क हादसे में एक युवक की दर्दनाक मौत हो गई है। यह हादसा मूर्खा गांव के पास का बताया जा रहा है। ट्रेलर आजमगढ़ की ओर जा रहा था, जबकि बाइक सवार वाराणसी की दिशा में आ रहा था। इसी दौरान दोनों के बीच आमने. सामने जोरदार टक्कर हो गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि बाइक के परखच्चे उड़ गए और वह दो हिस्सों में बंट गई। घटना के बाद मौके पर अफरा.तफरी मच गई। सूचना मिलते ही बजरंग नगर चौकी पुलिस मौके पर पहुंची और ग्रामीणों की मदद से ट्रेलर को कनौरा ग्राम सभा के पास कब्जे में ले लिया। हालांकि, हादसे के बाद चालक वाहन छोड़कर मौके से फरार हो गया। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और फरार चालक की तलाश में जुट गई है। मामले की जांच की जा रही है।

आरक्षण व्यवस्था को खत्म करना चाहती है सरकार : एमएलसी लालबिहारी

केन्द्र व प्रदेश में लूट हत्या भष्टाचार व घोटाले बढे

जौनपुर। शिक्षक एमएलसी समाजवादी नेता प्रतिपक्ष लालबिहारी यादव ने सरायख्वाजा की जंगीपुर कला के रघुवर गंगा स्मारक बालिका विद्यालय परिसर में सभा को संबोधित करते हुए कहा कि केंद्र व प्रदेश की सरकार आरक्षण व्यवस्था को खत्म कर देना चाहती है, पुरानी पेंशन बहाली, वित्तविहीन शिक्षकों का मानदेय बढ़ाने से इनकार कर दिया। वर्तमान सरकार में भ्रष्टाचार घोटाले बढे है , विभागों में तमाम पद खाली पड़े हैं सरकार भरना नही चाहती, शिक्षकों के सामने समस्याएं हैं शिक्षक भूखों मर रहा है, बीएड बीटीसी पीएचडी नेट जेआरएफ करके आज के युवा बेरोजगार पड़े हैं ,उन्हें घर परिवार संभालना मुश्किल है। जहां तहां परीक्षाओ का पेपर आउट करा कर मार्केट में पेपर बेचा जा रहा है ,स्कूलों शिक्षको के साथ भेदभाव किया जा रहा है । लालबिहारी यादव ने कहा कि अगर इन सबसे निजात पानी है तो इन सब की राजनीति की चाबी यानी मास्टर की सपा के पाले में लाना होगा, लेकिन सपा के जिले व प्रदेश में काफी ऐसे नेता हैं जो घरों से अपनी लग्जरी गाड़ी में बैठकर शहरों और लखनऊ तक का सफर करते हैं, गांव के जमीनों पर गरीबों जरूरतमंदों के दुख सुख से परहेज करते हैं। सपा में युवा पीढ़ी हवा हवाई है पूरी तरह भटक चुकी है, कुर्ता पैजामा सिलवाये 3 दिन नहीं होता वह भैया अखिलेश के यहां फोटो खिंचवाने के लिए कतार में खड़ी हो जाती है और फोटो खिंचवाने के बाद व्हाट्सएप फेसबुक पर राजनीति करने लगती है। सपा के लिए चिंता जनक है । छोटे-बड़े सब नेता व्हाट्सएप फेसबुक की राजनीति कर रहे हैं, जमीन पर काम नहीं कर रहे हैं । सपा में नेताजी के अलावा किसी में संघर्ष नहीं दिखाई दे रहा है, गांव के गरीब उपेक्षित हैं। उनके लिए काम करने और साथ खड़े होने की जरूरत है। पीडीए को जोड़कर चलने की जरूरत है। भाजपा सरकार तो महिलाओं के खाते में धन भेज कर और राशन देकर वोट खरीद रही है ,जबकि नौकरी जरूरी है यह सरकार गरीब विरोधी है और सरकार के गलत नीतियों के पर जो आवाज बुलंद करता है उसे जेल जाना पड़ता है। लोगों को जगाने की जरूरत है। बैलेंस बनाने और चुटकी भर बढाने जताने की जरूरत है जिससे आगामी चुनाव जीत सके। डॉ भीमराव अंबेडकर की देन है कि राजा हो या रंक को एक ही वोट का अधिकार है। इसलिए भ्रष्टाचार घोटाला लूट बलात्कार भेदभाव समाप्त करना है और सबको शिक्षा सबको सम्मान मिले । इसके लिए समाजवादी पार्टी को सत्ता में लानी होगी । इसके पूर्व नेता प्रतिपक्ष लालबिहारी का आए हुए लोगों ने माल्यार्पण कर स्वागत किया और उनसे शिक्षकों ने अपनी समस्याएं गिनाई। धन्यवाद ज्ञापन एवं संचालन राजेंद्र यादव ने किया। इस मौके पर प्रबंधक डॉ जगन्नाथ प्रसाद यादव, समाजसेवी राजदेव यादव, मंगरूराम मौर्य, जयहिंद यादव, उदयराज विश्वकर्मा, डॉ ओमप्रकाश यादव , रामानंद यादव, डॉ जोगेंद्र प्रसाद यादव , आलोक यादव ,अजय यादव संतोष कवि, उमाशंकर ,चंदन यादव मौजूद रहे।

संदिग्ध हालात में विवाहिता की मौत, फैली सनसनी

खाना बनाते समय दुपट्टे में लगी आग पुलिस जांच में जुटी

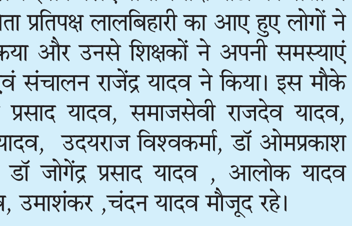

भदोही। जिले के सुरियावां में विवाहिता की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई बताया जा रहा है कि उनका विवाह अप्रैल 2025 में कुलदीप गौतम नामक युवक से हुआ था। घर में कुसुम गौतम खाना बना रही थी इसी दौरान दुपट्टे में आग लग गई। शुक्रवार को कुसुम गौतम घर में दाल बना रही थी अचानक उनके दुपट्टे में आग लग गई जिससे वह गंभीर रूप से झुलस गई घटना के बाद घर में अफरा तफरी मच गई। परिजनों ने तुरंत उन्हें उपचार के लिए जीवनदीप अस्पताल में भर्ती कराया लेकिन इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। सूचना मिलने पर पुलिस अस्पताल पहुंची और शव को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी। थाना प्रभारी मनीष द्विवेदी ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है मामले में हर पहलुओं पर जांच की जा रही है।

पुलिस यह भी जांच कर रही है कि यह हादसा था या इसके पीछे कोई अन्य कारण है आगे पुलिस ने कहा कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद ही मौत के वास्तविक कारणों का स्पष्ट पता चल सकेगा।

सुपर ओवर में गोबरही बना चैंपियन, चार रन से जीता रोमांचक मुकाबला

चार दिवसीय श्री अंजनीसुत रात्रिकालीन क्रिकेट प्रतियोगिता का फाइनल

तरुणमित्र

- प्रतिस्पर्धा नहीं बल्कि व्यक्तित्व निर्माण का सशक्त माध्यम है खेल : रंजीत
- 52-52 रन पर टाई के बाद सुपर ओवर में तय हुआ विजेता
- आखिरी गेंद तक सांसें थमी रहीं, समीर ने खेली 28 गेंद पर 36 रन की दमदार पारी

राजापाकड़/कुशीनगर। हनुमान जन्मोत्सव के निमित्त तमकुही के राजापाकड़ धाम परिसर में आयोजित चार दिवसीय श्री अंजनीसुत रात्रिकालीन क्रिकेट प्रतियोगिता का फाइनल मुकाबला रोमांच की पराकाष्ठा पर पहुंच गया। सुपर ओवर तक खिंचे मुकाबले में डब्ल्यू इलेवन गोबरही ने अरुण इलेवन बसंतपुर को चार रन से हराकर खिताब अपने नाम कर लिया, हालांकि बसंतपुर के खिलाड़ियों ने शानदार खेल से दर्शकों का दिल जीत लिया। टास जीतकर गोबरहीं ने पहले क्षेत्ररक्षण का फैसला किया। पहले बल्लेबाजी करते हुए बसंतपुर की टीम ने 10 ओवर में सात विकेट खोकर 52 रन बनाए। लक्ष्य का पीछा करने उतरी गोबरही की टीम भी 10 ओवर में आठ विकेट के नुकसान पर 52 रन ही बना सकी, जिससे मुकाबला टाई हो गया। मैच के दौरान हर गेंद पर रोमांच बना रहा। बसंतपुर के बल्लेबाज समीर ने 28 गेंद में 36 रन बनाया। सुपर ओवर में पहले बल्लेबाजी करते हुए गोबरही ने एक विकेट खोकर 10 रन बनाए। जवाब में उतरी बसंतपुर की टीम पांच गेंद में एक विकेट पर छह रन बना लिया लेकिन छठी गेंद पर बल्लेबाज के आउट होते ही गोबरही ने चार रन से जीत दर्ज कर ट्राफी पर कब्जा जमा लिया। अरुण को प्लेयर आफ द मैच व समीर को प्लेयर आफ द टूर्नामेंट घोषित किया गया। मैच में विशाल तिवारी व राज सिंह ने अंपायरिंग, ओमकार यादव ने स्कोरिंग व संजय सम्राट ने कमेंट्री की। विजेता व उपविजेता टीम को ट्राफी के साथ क्रमशः साइकिल व पंखा देकर

सम्मानित किया गया। मुख्य अतिथि उत्तर प्रदेश ग्रामीण बैंक के प्रबंधक रंजीत यादव, मैनेजर यादव, धनन्जय मिश्र व मुन्ना मिश्र ने खिलाड़ियों को पुरस्कृत किया। मुख्य अतिथि प्रबंधक रंजीत यादव ने कहा कि खेल केवल प्रतिस्पर्धा नहीं बल्कि व्यक्तित्व निर्माण का सशक्त माध्यम है, जिससे युवाओं में आत्मविश्वास, टीम भावना व अनुशासन विकसित होता है। ने भी खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया। इस अवसर पर ज्ञानदीप पब्लिक स्कूल के प्रबंधक आनंद पाठक, केन यूनियन के संचालक सत्यनारायण यादव, मृत्युंजय सिंह मोनू, मुकेश यादव, पप्पू यादव, ईश्वरचंद गुप्त, आयोजन समिति के अध्यक्ष अंशुमान मिश्र उर्फ साहब, कोषाध्यक्ष रवि वर्मा, अनूप गोंड, हरेश यादव, मुख्य कार्यकारी भोलू यादव, हरिओम गुप्ता आदि उपस्थित रहे।

निर्यातकों को एजीएम तक देनी होगी बढ़ी सदस्यता शुल्क

- सीईपीसी ने जनवरी 2025 के एजीएम में सदस्यता शुल्क में करीब 300 फीसदी की बढ़ोत्तरी कर दी

तरुणमित्र

भदोही। जनपद में कालीन निर्यात संवर्धन परिषद (सीईपीसी) की बढ़ी सदस्यता शुल्क फिलहाल कम होने के आसार नहीं हैं। बीते दिनों सीईपीसी बोर्ड की बैठक में शुल्क कम करने पर सहमति तो बन गई थी, लेकिन यह तभी संभव होगा, जब वार्षिक साधारण सभा (एजीएम) में यह पारित हो जाए। अभी एजीएम होने में काफी समय है। सीईपीसी ने जनवरी 2025 के एजीएम में सदस्यता शुल्क में करीब 300 फीसदी की बढ़ोत्तरी कर दी थी। जिसे जून 2025 से लागू किया जा चुका है। पहले सदस्यता शुल्क के चार अलग-अलग कैटेगरी निर्धारित थे। इसमें सलाना 50 लाख तक का कारोबार करने वाले निर्यातकों के लिए दो हजार, 50 लाख से एक करोड़ तक तीन हजार, एक करोड़ से 10 करोड़ तक के कारोबारियों को पांच हजार तथा 10 करोड़ से अधिक सलाना व्यवसाय करने वाले निर्यातकों को 10 हजार रुपये शुल्क देना होता था। बीते साल जून से दरों में लगभग 300 प्रतिशत बढ़ोत्तरी करते हुए सभी निर्यातकों के एक स्लैब बनाकर शुल्क छह हजार रुपये कर दिया गया। बीते दिनों आम निर्यातकों की ओर से शुल्क बढ़ोत्तरी पर सवाल उठाए जाने पर सीईपीसी प्रशासनिक सदस्य संजय गुप्ता ने बोर्ड की बैठक में दरों की समीक्षा किए जाने की मांग की थी।

इसमें दरों पर पुनर्विचार करने पर सहमती तो बन गई थी और कहा गया था कि इसे आगामी एजीएम में रखा जाएगा, लेकिन एजीएम में अभी महीनों का समय है और जब तक एजीएम की बैठक नहीं होती तब तक दरों पर पुनर्विचार संभव नहीं है।

वरिष्ठ शिक्षक जयप्रकाश पाण्डेय को भावभीनी विदाई, शिक्षकीय योगदान को किया गया नमन

तरुणमित्र

मुहम्मदाबाद/ गाजीपुर। स्थानीय तहसील अंतर्गत कम्पोजिट विद्यालय चन्दनी में प्राथमिक शिक्षक संघ के जिलाध्यक्ष एवं वरिष्ठ शिक्षक जयप्रकाश पाण्डेय के सेवानिवृत्ति उपलक्ष्य में एक गरिमामय विदाई समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ सरस्वती वंदना और दीप प्रज्वलन के साथ हुआ, जिसके बाद उपस्थित शिक्षकों और अतिथियों ने उनके लंबे शिक्षकीय जीवन और योगदान को याद किया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में डॉ. विनोद कुमार राय ने दूरभाष के माध्यम से अपने संबोधन में कहा कि जयप्रकाश पाण्डेय ने अपने लंबे शिक्षकीय जीवन में विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए उल्लेखनीय कार्य किए हैं। उन्होंने कहा कि उनकी सरलता, अनुशासनप्रियता और समर्पण की भावना आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणादायक रहेगी। मुख्य अतिथि विजयशंकर राय एवं विशिष्ट

अतिथि हेमनाथ राय सेवानिवृत्त शिक्षक, एवं अतिथिगण मानवेंद्र सिंह अटेवा महामंत्री, दुर्गेश सिंह उपाध्यक्ष विशिष्ट बीटीसी सुधीर सिंह जिला महामंत्री uppss समस्त एआरपी, समस्त nprc समन्वयक उपस्थित होकर भावभीनी विदाई के साक्षी बने। समारोह में उपस्थित शिक्षकों और अतिथियों ने पुष्पगुच्छ, स्मृति चिन्ह और अंगवस्त्र भेंट कर उन्हें सम्मानित किया तथा उनके व्यक्तित्व और कार्यशैली की सराहना की। सभी ने कहा कि पाण्डेय जी ने शिक्षा के क्षेत्र में निष्ठा और ईमानदारी के साथ अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन किया है। अपने उद्बोधन में जयप्रकाश पाण्डेय ने विद्यालय परिवार, सहकर्मियों और विद्यार्थियों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए अपने शिक्षकीय जीवन के अनुभव साझा किए। उन्होंने सभी को मेहनत, अनुशासन और ईमानदारी के साथ अपने कर्तव्यों का पालन करने का संदेश दिया। कार्यक्रम के अंत में विद्यालय परिवार की ओर से उन्हें स्मृति चिन्ह और पुष्पगुच्छ भेंट कर सम्मानित किया गया तथा उनके स्वस्थ और उज्ज्वल भविष्य की कामना की गई। कार्यक्रम का संचालन राजीव प्रधान और प्रमोद उपाध्याय ने किया, जबकि धन्यवाद ज्ञापन विद्यालय के मनोज कुमार राय ने किया। इस अवसर पर मनोज कुमार राय, मनीष कुमार राय, अमित कुमार सिंह, कृष्ण मुरारी राय, विनय कुमार पाण्डेय, संजीव कुमार पटेल, बालाजी राय, राजेश राय,जितेश राय, रामाशीष प्रजापति,अनिल राय अखिलेश राय, जयनारायण उपाध्याय, केसरी राय,पंकज जायसवाल, राजीव यादव,बिंदु राय, सुषमा राय,सुमन गुप्ता,शशि कुमार मौर्य, अश्विनी राय,रामावतार यादव, संचालन राजीव प्रधान, प्रमोद उपाध्याय इत्यादि सैकड़ों शिक्षक उपस्थित रहे।

आस्था की राह में बाधा दूर, प्रशासन ने हटवाया अतिक्रमण, प्राचीन शिव मंदिर का बाधित रास्ता हुआ मुक्त

तरुणमित्र

नोनहरा/ गाजीपुर। स्थानीय थाना क्षेत्र के भाला गांव में स्थित अति प्राचीन शिव मंदिर के मार्ग से प्रशासन ने अतिक्रमण हटवाकर रास्ता बहाल करा दिया। यह कार्रवाई न्यायालय के आदेश के अनुपालन में राजस्व विभाग और पुलिस की संयुक्त टीम द्वारा की गई। जिसमें हलका दरोगा हरिश्चंद्र राय सहित दर्जनों पुलिस बल एवं महिला पुलिस बल तैनात रही। ग्रामीणों के अनुसार, यह प्राचीन शिव मंदिर उनकी आस्था का प्रमुख केंद्र है। परंपरा के अनुसार यहां बारात, दुल्हन आगमन, मुण्डन संस्कार तथा अन्य धार्मिक अनुष्ठानों के दौरान पूजा-पाठ किया जाता रहा है। लेकिन कुछ लोगों द्वारा दीवार खड़ी कर कब्जा कर लिया गया था, जिससे ग्रामीणों की आस्था को ठेस पहुंच रही थी। ग्रामीणों की शिकायत के बाद न्यायालय के आदेश पर प्रशासन हरकत में आया और मौके पर पहुंचकर अतिक्रमण को हटवा दिया। कार्रवाई के दौरान राजस्व निरीक्षक अरुण सिंह, लेखपाल प्रतिमा कुशवाहा, रविकांत सिंह और मनीष यादव सहित राजस्व विभाग की टीम मौजूद रही। वहीं सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखने के लिए भारी पुलिस बल भी तैनात रहा, जिसमें दरोगा और महिला आरक्षी भी शामिल थीं। प्रशासन की मौजूदगी में दीवार हटाकर मंदिर जाने का रास्ता पुनः खुलवा दिया गया। ग्रामीणों ने प्रशासन की इस कार्रवाई का स्वागत करते हुए कहा कि इससे वर्षों पुरानी धार्मिक परंपरा और आस्था की राह फिर से सुगम हो गई है।

Uppcs 2024 की परीक्षा मे शेरपुर के रवि राय शर्मा ने फहराया सफलता का परचम, 64वी रैंक के साथ बने बीडीओ

तरुणमित्र

भावरकोल/ गाजीपुर। मंजिल उन्हीं को मिलती है, जिनके सपनों में जान होती है, पंख से कुछ नहीं होता, हौसले से उड़ान होती है ये पंक्तियां क्षेत्र के शेरपुर खुर्द निवासी रवि राय शर्मा पर चरितार्थ हो रही है। उत्तर प्रदेश पीसीएस परीक्षा 2024 में 64 वा स्थान हासिल कर खंड विकास अधिकारी (बीडीओ) पद पर चयनित होकर जनपद का मान बढ़ाया है। अपनी मेहनत, लगन के बल पर सफलता का नया करिश्मा कर दिखाया है। वह दूसरी बार में यह सफलता अर्जित की हैं। रवि राय शर्मा ने प्रारंभिक शिक्षा गाव के ही किसान पूर्व माध्यमिक

विद्यालय शेरपुर खुर्द व हाईस्कूल और इंटर की पढ़ाई आर्मी पब्लिक स्कूल झांसी और इंजीनियरिंग (स्नातक) एचबीआईटी कानपुर से मैकेनिक इंजीनियरिंग की डिग्री प्राप्त की हैं । इंटर की परीक्षा में पूरे झांसी जनपद में सर्वाधिक अंक लाकर टाप किया था। पिता रवींद्रनाथ राय भारतीय सेना में सूबेदार पद से रिटायर्ड और माता बिंदु राय गृहणी है। दो सगे भाई बहनों में बड़ा भाई अर्जुन राय यूपी पुलिस व बड़ी बहन रेखा राय शिक्षक के पद पर कार्यरत है।रवि राय इंजीनियरिंग की पढ़ाई पूरी करने के बाद तीन साल तक देश की प्रतिष्ठित निजी कंपनी में जाब किया।उसके बाद सन् 2015 में आईटीवीपी में असिस्टेंट कमांडेंट के पद पर चयन हुआ।वर्तमान में राष्ट्रीय सुरक्षा गार्ड (NSG) में डिप्टी कमांडेंट के पद पर कार्यरत हैं। साथ ही, उन्होंने VVIP सुरक्षा में मुख्य सुरक्षा अधिकारी के तौर पर भी अहम जिम्मेदारियां निभा रहे हैं। पिता रविन्द्र नाथ राय ने बताया कि रवि शुरू से ही पढ़ने में मेधावी रहा यह उपलब्धि कठिन परिश्रम व मेहनत से पीसीएस परीक्षा में सफलता अर्जित किया है। रवि राय शर्मा ने अपनी सफलता का श्रेय माता - पिता व गुरुजनों को दिया। और कहा की मेहनत कोई विकल्प नहीं होता। जब तक लक्ष्य हासिल न कर ले तब तक हिम्मत न छोड़े। यूपीपीसीएस का रास्ता इतना कठिन है की हर कोई इस रास्ते पर सफल नही हो सकता। यह सफलता परिश्रम लगन , अनुशासन ,एकाग्रता और दृढ़ता के बल पर हासिल की है। आगे कहा कि सफलता का कोई शॉर्टकट नही है। मेहनत व लगन से किया गया प्रयास कभी निरर्थक नहीं होता है। यूपी पीसीएस 2024 का जैसे ही परीक्षा का परिणाम आया की गाव में परिवार के सदस्यों सहित ग्रामीणों में खुशी की लहर दौड़ गयी। आवास पर दिन भर बधाई देने वालो लोगों का ताता लगा रहा । इस मौके पर प्रधान प्रतिनिधि जयानंद राय मोनू, डॉo सत्यानंद राय, दुर्गेश उपाध्याय,शशिशेखर राय,डॉ0 राहुल राय,डॉ0प्रशांत राय , आनंद राय, राजेश राय बागी,डॉ0 आलोक राय ,नवीन राय , पत्रकार विधाशंकर राय ,मिथलेश राय, ओमप्रकाश मिश्रा,शिक्षक दयाशंकर राय , लल्लन यादव, रामबली राय, बालाजी राय,शिक्षक मनीष राय, सर्वेश राय,विकास राय पहलवान, ज्ञानेंद्र राय, राघवेन्द्र उपाध्याय , त्रिलोकीनाथ राय, आशीष राय सिंटू राय,अनुज राय, अंकुर राय, नीरज राय, सत्यम मिश्रा आदि लोगो ने अपनी शुभकामना व्यक्त की।

गाजीपुरः स्वामी सहजानन्द सरस्वती स्मृति स्मारिका का हनुमान जयंती पर चंद्रेश्वर नाथ सेवाश्रम शेरपुर में हुआ विमोचन

जब तक सांसे है तब तक समाज के लिए रहूंगा समर्पित - चंद्रबली राय मिश्रा - संस्थापक - चंद्रेश्वर नाथ सेवाश्रम

तरुणमित्र

- स्वामी सहजानंद सरस्वती राष्ट्र उद्धारक महापुरुष- डॉक्टर राघव शरण शर्मा

भांवरकोल/ गाजीपुर। स्थानीय ब्लॉक अंतर्गत क्षेत्र के शेरपुर कलां स्थित चंद्रेश्वर नाथ ट्रस्ट द्वारा प्रखर प्रज्ञावतार किसानों के मसीहा जननायक स्वामी सहजानन्द सरस्वती स्मृति स्मारिका का विमोचन हुआ । ट्रस्ट के संस्थापक चंद्रबली राय मिश्रा ने बताया कि स्वामी जी की 137 वीं जन्म शताब्दी के अवसर पर दिनांक 22 फरवरी 2026 को एक स्मारिका का प्रकाशन कराया गया था ।श्रीराम जन्मोत्सव एवं श्री हनुमान जयन्ती के कार्यक्रम पर क्षेत्र के प्रबुद्ध नागरिकों के साथ उसका विमोचन कराया गया। आए हुए सभी अतिथियों को अंगवस्त्रम एवं श्रीरामचरितमानस की प्रति भेट की गई।और अंत में सभी लोगों ने प्रसाद ग्रहण किया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि जहानाबाद के डॉक्टर राघव शरण शर्मा रहे। विशिष्ट अतिथियों में प्रमुख रूप से पूर्व आई ए एस लालजी राय, पूर्व आई ए एस ओ पी राय, पूर्व जिला कार्यक्रम अधिकारी डॉक्टर आशा राय, कवि दिनेश चंद्र शर्मा, डॉक्टर राजेंद्र राय, शेष

नाथ राय, उपस्थित रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता पूर्व क्षेत्रीय सेवा योजन अधिकारी भोला राय ने किया एवं मंच संचालन सुरेन्द्र नाथ राय मास्टर साहब ने किया। वक्ताओं ने स्वामी सहजानंद के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि हमे महापुरुषों के आदर्शों को जीवन में उतारना होगा तभी अगली पीढ़ी का विकास संभव है , साथ ही इस प्रकार के आयोजन की सभी लोगों ने भूरि भूरि प्रशंसा की। इस अवसर पर पूर्व प्रधान जय प्रकाश राय, स्वामी सहजानंद स्मृति न्यास के संस्थापक शशिधर राय टुनटुन, ब्रह्मर्षि वेलफेयर एसोसिएशन के राष्ट्रीय प्रवक्ता त्रिलोकी नाथ राय, विनय राय, मिथिलेश राय, अशोक राय, राकेश राय, झुन्ना राय, श्याम नारायण राय मास्टर, दयाशंकर राय, अखिलानंद राय इत्यादि सैकड़ों लोग उपस्थित रहे।

चौकी प्रभारी घोसिया उपनिरीक्षक से निरीक्षक के पद पर हुए पदोन्नत

तरुणमित्र

- पुलिस अधीक्षक भदोही द्वारा पदोन्नत निरीक्षक को स्टार लगाकर दी गई शुभकामनाएं

भदोही। पुलिस उपमहानिरीक्षक,स्थापना मुख्यालय पुलिस महानिदेशक,उ०प्र० लखनऊ के आदेश द्वारा उत्तर प्रदेश उप निरीक्षक और निरीक्षक (नागरिक पुलिस) सेवा नियमावली के अनुसार उपनिरीक्षक नागरिक पुलिस को निरीक्षक नागरिक पुलिस के पद पर प्राधिकृत बोर्ड द्वारा पदोन्नति हेतु उपयुक्त पाये जाने एवं पुलिस महानिदेशक, उत्तर प्रदेश द्वारा अनुमोदित किये जाने के फलस्वरूप जनपद में नियुक्त प्रभारी चौकी घोसिया वीर बहादुर चौधरी अभिनव त्यागी पुलिस अधीक्षक भदोही द्वारा पुलिस अधीक्षक कार्यालय में उपनिरीक्षक नागरिक पुलिस के पद से निरीक्षक नागरिक पुलिस के पद पर प्रोन्नत होने पर उनके कंधे पर स्टार लगाकर उन्हें उनके नवीन पदभार की शुभकामनाएं दी गई। इस मौके पर नि0 प्रवीण कुमार राय प्रभारी मीडिया सेल/PRO पुलिस अधीक्षक मौजूद रहे।

फल मार्केट के पैसेज में अवैध बिक्री करने वालों पर कार्रवाई

2 लाख रुपये का जुर्माना वसूला

तरुणमित्र/ब्यूरों

नवी मुंबई। कृषि उपज मंडी समिति (एपीएमसी) के वाशी स्थित फल बाजार में नियमों का उल्लंघन कर गैलरी और पैसेज में फल बेचने वाले व्यापारियों के खिलाफ प्रशासन ने कड़ा रुख अपनाया है. बाजार समिति के सचिव शरद जरे के आदेश पर शुरू किए गए इस विशेष अभियान के तहत मार्च महीने में नियमों को ताक पर रखने वाले व्यापारियों से करीब 2 लाख रुपये का दंड वसूला गया है। पिछले कुछ वर्षों में फल मार्केट के अधिकृत दुकान के बाहर सामान्य मार्ग और पैसेज में फल बेचने की प्रवृत्ति काफी बढ़ गई थी. इस अतिक्रमण के कारण

बाजार में पैदल चलने की जगह भी नहीं बचती थी, जिससे ग्राहकों और माथाड़ी कामगारों को भारी असुविधा का सामना करना पड़ रहा था. लगातार मिल रही शिकायतों के बाद उपसचिव राजेंद्र कोंडे और मुख्य सुरक्षा अधिकारी चक्रधर पवार के मार्गदर्शन में सुरक्षा अधिकारी संजय तलेकर की टीम ने इस कार्रवाई को अंजाम दिया है. प्रशासन की जांच में यह चौंकाने वाली बात सामने आई है कि कई गाला मालिक अपने लाइसेंस पर माल मंगवाते हैं और उसे अवैध दलालों को अवैध रूप से बेचने के लिए दे देते हैं. ये दलाल बिना किसी आधिकारिक लाइसेंस के पैसेज और खाली जगहों पर कब्जा जमाकर व्यापार करते हैं. सूत्रों के अनुसार, कुछ गाला मालिक एक-एक दलाल से 25 से 30 हजार रुपये तक का मासिक किराया वसूल रहे हैं. एक ही गाले के बाहर 3 से 4 दलालों को बैठाकर कुछ मालिक महीने में करीब 1 लाख रुपये तक की अवैध कमाई कर रहे हैं. बाजार समिति ने स्पष्ट किया है कि भविष्य में उन गाला मालिकों पर भी कठोर कार्रवाई की जाएगी जो अपनी सीमा से बाहर माल रखवाते हैं या अवैध दलालों को संरक्षण देते हैं. इस हालिया कार्रवाई का असर अब बाजार में दिखने लगा है और एच विंग को छोड़कर अन्य हिस्सों में काफी हद तक अनुशासन कायम हुआ है. प्रशासन ने चेतावनी दी है कि पैसेज और ट्रकों में अवैध रूप से माल बेचने वालों पर पंचनामा और जुर्माने की प्रक्रिया निरंतर जारी रहेगी।

दिवा में चला व्यापक स्वच्छता अभियान, 14 टन कचरा हटाया गया

तरुणमित्र. सारा पुरी

दिवा। ठाणे महानगर पालिका क्षेत्र में स्वच्छता को लेकर चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत दिवा क्षेत्र में गुरुवार को बड़े पैमाने पर सर्वांगीण स्वच्छता अभियान चलाया गया। प्रभाग समिति 33 के अंतर्गत वाय जंक्शन से कौसा तालाव, चरणी पाड़ा रोड और आसपास के इलाकों में यह अभियान प्रभावी रूप से राबवाया गया। उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे की संकल्पना तथा महापौर शर्मिला पिंपळोलकर के मार्गदर्शन में यह अभियान पूरे ठाणे महानगर पालिका क्षेत्र में चरणबद्ध तरीके से चलाया जा रहा है। महापौर ने पदभार संभालने के बाद निर्देश दिए थे कि स्वच्छता अभियान केवल ठाणे शहर तक सीमित न रहे, बल्कि दिवा, मुंब्रा और कळवा सहित सभी प्रभागों में नियमित रूप से चलाया जाए। अभियान की शुरुआत स्वच्छता की शपथ लेकर की गई। इस दौरान घनकचरा प्रबंधन विभाग की ओर से लगभग 150 सफाई कर्मचारी तैनात किए गए। सफाई कार्य में 2 जेटिंग मशीन, जेसीबी, डंपर और छोटी-बड़ी कुल 10 घंटागाड़ियों का उपयोग किया

गया। अभियान के दौरान करीब 14 टन कचरा और मलबा हटाया गया, वहीं सड़कों को पानी से धोकर साफ किया गया। इसके अलावा विभिन्न स्थानों पर लगे अवैध पोस्टर और विज्ञापन भी हटाए गए। इस अभियान में उद्यान विभाग, अतिक्रमण विभाग, फाइलेरिया विभाग और निर्माण विभाग के अधिकारी व कर्मचारी भी शामिल रहे। घनकचरा प्रबंधन विभाग की ओर से स्वास्थ्य अधिकारी रानी शिंदे, मुख्य स्वच्छता निरीक्षक मयुरी वखारिया, उपमुख्य स्वच्छता निरीक्षक डोंगर परदेशी, लक्ष्मण पुरी, गौरी तांबे सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे। वहीं निर्माण विभाग के उप अभियंता सचिन कदम, सामाजिक कार्यकर्ता और बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिकों ने भी अभियान में सहभाग लिया। महानगर पालिका प्रशासन का कहना है कि इस तरह के अभियान आगे भी निरंतर चलाए जाएंगे, ताकि शहर को स्वच्छ और स्वस्थ बनाया जा सके।

बोईसर में हिंदू परिवारों की हुई घर वापसी

तरुणमित्र

पालघर। जिले के बोईसर में विहिप -बजरंग दल द्वारा मनाई जाने वाली मुंबई परिक्षेत्र के लिए सबसे बड़ी 'संकटमोचन श्री हनुमान' का जन्मोत्सव इस बार १५ वॉ वर्ष बेहद खास ऐतिहासिक रहा।

'श्री हनुमान जन्मोत्सव' पर चल रही विशेष तैयारियों के बीच भुले भटके हिंदू भाइयों के घर वापसी को लेकर ०२ अप्रैल, गुरुवार को बोईसर का टीमा ग्राउंड कुछ विशेष तरह से तैयार किया गया। जहां एक साथ जिले के सुदूर ग्रामीण क्षेत्र के भटके २५१ परिवारों ने शास्त्रोक्त पद्धति से बनाये गये यज्ञशाला में पुरोहितों द्वारा षोडशोपचार पूजन,हवनादि के उपरांत सहर्ष बड़े उत्साह के साथ 'जय श्रीराम -जय हनुमान' उदघोष करते घर वापसी

की। हिंदू भाइयों की घर वापसी पर स्वागत सत्कार के लिए बड़ी संख्या में धर्मावलंबियों के साथ निरंतर सहयोग का भरोसा दिलाने के लिए इस्कॉन गोर्वधन इकोविलेज के निदेशक संत कुमार दास प्रभु, डॉ परमहंस श्री गिरीजी महाराज,पं. करिया बाबा,भाजपा के प्रदेश सचिव संतोष शि.जनाठे,जिलाध्यक्ष भरत राजपूत,विहिप के प्रांत मंत्री मोहन सालेकर, उत्तर मुंबई विभाग मंत्री चंदन सिंह,जिलाध्यक्ष महावीर सोलंकी जैन, मंत्री जयेश घरत, सहमंत्री रामरंजन सिंह, धर्माचार्य पालघर जिला प्रमुख मुकेश दुबे,बोईसर प्रखंड प्रमुख एसपी सिंह,मंत्री अरविंद सिंह, बजरंग दल जिला संयोजक कुंदन सिंह व भाजपा के जिला महासचिव अशोक सदु वडे, जिला उपाध्यक्ष तुषार संखे,अंकुर राऊत,सचिव सत्यप्रकाश सिंह,मंडल अध्यक्ष महेंद्र भोणे समेत वरिष्ठ भाजपा नेता संजय ज.पाटील एवं बड़ी संख्या में लब्धप्रतिष्ठित समाजसेवी व सामाजिक कार्यकर्ता,उद्योजक उपस्थित रहे।

दूषित पानी की शिकायतों पर तत्काल कार्रवाई के निर्देश, लीकेज को जल्द ठीक करने के आदेश

तरुणमित्र / हंसराज कनौजिया

मुंबई। बृहन्मुंबई महानगरपालिका इलाके में चल रहे सड़क के काम, गर्मियों में पानी की बढ़ती मांग और आने वाले मानसून के मौसम को देखते हुए, गुरुवार शाम को बीएमसी के वॉटर इंजीनियरिंग डिपार्टमेंट की एक स्पेशल रिव्यू मीटिंग बीएमसी मुख्यालय में आयोजित हुई। मीटिंग में डिप्टी कमिश्नर (स्पेशल इंजीनियरिंग) पुरुषोत्तम मालवड़े, वॉटर इंजीनियर दिलीप पाटिल और वॉटर इंजीनियरिंग डिपार्टमेंट के दूसरे सीनियर इंजीनियर और अधिकारी शामिल हुए। बीएमसी के अतिरिक्त नगर आयुक्त (प्रोजेक्ट) अभिजीत बांगर ने जल अभियंता विभाग की विशेष समीक्षा बैठक में दूषित पानी की शिकायतों का तात्कालिक और सर्वोच्च प्राथमिकता के आधार पर निपटारा करने के निर्देश दिए हैं। साथ ही, जल पाइपलाइनों में हो रही लीकेज को जल्द से जल्द खोजने और उसे ठीक करने के लिए विशेष टीमों

की तैनाती के आदेश भी जारी किए गए हैं। उन्होंने सुझाव दिया कि जरूरत पड़ने पर जल वितरण प्रणाली में बदलाव, ज़ोनिंग सिस्टम में सुधार, पाइपलाइन लीकेज की त्वरित मरम्मत, संरचनात्मक सुधार और अतिरिक्त बूस्टिंग जैसे उपाय किए जा सकते हैं।बांगर ने यह भी निर्देश दिया कि पानी की समस्या से जुड़ी कार्रवाई की जानकारी स्थानीय जनप्रतिनिधियों को दी जाए और उनके साथ संयुक्त निरीक्षण भी किए जाएं, ताकि क्षेत्रीय समस्याओं की सटीक जानकारी मिल सके।दूषित पानी की शिकायतों को अत्यंत गंभीर बताते हुए उन्होंने कहा कि इन मामलों में 'एक्सट्रीम अर्जेंसी' के साथ कार्रवाई होनी चाहिए, क्योंकि देरी से जनस्वास्थ्य पर गंभीर प्रभाव पड़ सकता है। इसके लिए 24×7 आधार पर विशेष टीमों का गठन कर परिमंडल स्तर पर तैनात करने के निर्देश दिए गए हैं। उन्होंने यह भी कहा कि जल अभियंता विभाग के सभी उपविभागों—पानी आपूर्ति, निर्माण, योजना और रखरखाव—के बीच नियमित समन्वय और संवाद जरूरी है, ताकि समस्याओं का त्वरित समाधान किया जा सके।साथ ही, जल आपूर्ति परियोजनाओं में देरी होने पर जिम्मेदारी तय कर संबंधित अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई की चेतावनी भी दी गई है। बैठक में यह भी बताया गया कि शहर में चल रहे सड़क निर्माण और अन्य विकास कार्यों के कारण कई जगह पाइपलाइनों को नुकसान पहुंच सकता है या उन्हें स्थानांतरित करना पड़ सकता है, जिससे जल आपूर्ति बाधित हो सकती है। ऐसी स्थिति में तत्काल मरम्मत या नई पाइपलाइन बिछाने के निर्देश दिए गए हैं।

नगरसेवक विनोद मिश्रा ने पीड़ितों और पुलिस उपायुक्त से मुलाकात की

तरुणमित्र.ब्यूरो

मुंबई। मुंबई के मलाड ईस्ट स्थित कुरार गांव के पालनगर में एसिड हमले की एक भयानक घटना सामने आई है। शुक्रवार को, बीजेपी के ग्रुप लीडर और कॉर्पोरेटर विनोद मिश्रा इस घटना में गंभीर रूप से घायल हुए पीड़ितों से मिलने के लिए कांदिवली (पश्चिम) स्थित भारत रत्न डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर (शताब्दी) अस्पताल पहुंचे।वहाँ उन्होंने पीड़ितों की हालत के बारे में जानकारी ली और उनके परिवारों को सांत्वना दी। मिश्रा ने कहा कि यह कृत्य पूरी तरह से अमानवीय है और वे इस घटना से बेहद दुखी हैं। उन्होंने ज़ोर देकर कहा कि उनकी सबसे पहली प्राथमिकता यह सुनिश्चित करना है कि पीड़ितों को सर्वोत्तम संभव चिकित्सा सहायता मिले। उन्होंने

इस मामले के लिए ज़िम्मेदार लोगों के खिलाफ़ कड़ी से कड़ी कार्रवाई की मांग करने के लिए दहिसर (ज़ोन 12) के पुलिस उपायुक्त महेश चिमटे से भी मुलाकात की। पुलिस ने आश्वासन दिया है कि वे दोषियों के खिलाफ यथासंभव कड़ी कानूनी कार्रवाई करेंगे।

नवदिवसीय श्री रामकथा का शुभारंभ

तरुण मित्र ब्यूरो

ठाणे। घोड़बंदर रोड, प्रीति पार्क के सामने, गांवदेवी रोड, ओवला नाका स्थित वैष्णवी बैंक्वेट हाल में नवदिवसीय भव्य एवं संगीतमय श्री राम कथा का शुभारंभ हो चुका है। प्रसिद्ध कथा वाचक, शास्त्री महेश प्रसाद दुबे अपने मुखारविंद से श्रीराम भक्तों को कथा का अमृत रसपान करा रहे हैं। कथा में भक्तों की भारी भीड़ देखने को मिल रही है।

कथा के आयोजक वैष्णवी पंडित ने बताया कि कथा 3 अप्रैल से 10 अप्रैल के बीच, शाम को 5.30 से 8.30 बजे तक चलेगी। अंतिम दिन यानी 11 अप्रैल को हवन, पूजन और महाभंडारे के साथ कथा की पूर्णाहुति की जाएगी। उन्होंने

सभी भक्तों से कथा का श्रवण करने और पुण्य लाभ अर्जित करने का आह्वान किया है। सहयोगी -सलाहकार के रूप में राजेंद्र एस पाटील, केपी मिश्रा, संतोष पांडेय आचार्य, सुनील कुमार सिंह, राजकुमार सिंह, बी के तिवारी, अरुण शुक्ला, शैलेश कुमार सिंह, योगेश कुमार दुबे, विपिन कुमार मिश्रा, उत्तमकुमार मिश्रा आदि का विशेष सहयोग मिल रहा है।

ठाणे में प्रॉपर्टी टैक्स बिल जारी, समय पर भुगतान पर मिलेगी छूट

तरुणमित्र / ब्यूरो

ठाणे। ठाणे महानगर पालिका ने वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए प्रॉपर्टी टैक्स के बिल 1 अप्रैल 2026 से जारी कर दिए हैं। महानगर पालिका की ओर से करदाताओं को एसएमएस और लिंक के माध्यम से बिल भेजे गए हैं, जिससे वे अपना टैक्स ऑनलाइन देख और जमा कर सकते हैं। महापौर शर्मिला पिंपळोलकर और आयुक्त सौरभ राव ने वर्ष 2025-26 में समय पर कर जमा करने के लिए नागरिकों का आभार व्यक्त किया है और इस वर्ष भी करदाताओं से सहयोग की अपील की है। महानगर पालिका ने तय समयसीमा के भीतर पूरा प्रॉपर्टी टैक्स (बकाया सहित) जमा करने वाले करदाताओं को छूट देने की

घोषणा की है। इसके तहत.. 15 जून 2026 तक भुगतान करने पर 10% छूट। 16 जून से 30 जून 2026 तक भुगतान पर 4% छूट। 1 जुलाई से 31 जुलाई 2026 तक भुगतान पर 3% छूट। 1 अगस्त से 31 अगस्त 2026 तक भुगतान पर 2% छूट। यह छूट दूसरे अर्धवार्षिक के सामान्य कर पर लागू होगी। महानगर पालिका प्रशासन के अनुसार, टैक्स बिल की प्रिंट कॉपी भी करदाताओं तक पहुंचाई जा रही है। साथ ही propertytax.thanecity.gov.in पोर्टल के माध्यम से नागरिक ऑनलाइन भुगतान कर सकते हैं। इसके अलावा, सभी प्रभाग कार्यालयों के कलेक्शन सेंटर और मुख्यालय के नागरिक सुविधा केंद्र कार्यदिवसों में सुबह 10 बजे से शाम 5 बजे तक तथा शनिवार को सुबह 10 बजे से शाम 4:30 बजे तक खुले रहेंगे। करदाता क्रेडिट कार्ड, डेबिट कार्ड, चेक, डीडी और नकद के अलावा Google Pay, PhonePe, BHIM, Paytm और व्हाट्सऐप चैटबॉट के जरिए भी आसानी से भुगतान कर सकते हैं। महानगर पालिका प्रशासन ने नागरिकों से समय पर प्रॉपर्टी टैक्स भरकर शहर के विकास कार्यों में सहयोग करने की अपील की है।

सराफा व्यापारियों से ठगी करने वाला आरोपी गिरफ्तार

तरुणमित्र ब्यूरो

ठाणे। ठाणे क्राइम ब्रांच घटक एक ने ने सराफा व्यापारियों से करोड़ों की ठगी करने वाले एक शातिर आरोपी को गिरफ्तार कर बड़ी सफलता हासिल की है। आरोपी के कब्जे से करीब 3 करोड़ रुपये मूल्य की सोने की लगड़ियां और 17 लाख 50 हजार रुपये नकद बरामद किए गए हैं।

जानकारी के अनुसार, वर्ष 2025 में दीपावली के दौरान आरोपी ने ठाणे और भिवंडी के सराफा व्यापारियों को "ए-वन क्वालिटी" का शुद्ध सोना उपलब्ध कराने का झांसा दिया। अधिक मुनाफे का लालच देकर आरोपी ने व्यापारियों से सोना लिया और फरार हो गया। इस संबंध में ठाणेनगर पुलिस स्टेशन में 29 अक्टूबर 2025 को मामला दर्ज किया गया था। मामले

की जांच के दौरान आरोपी लगातार अपना ठिकाना बदलता रहा और पुलिस को चकमा देता हुआ विभिन्न राज्यों में घूमता रहा। तकनीकी जांच और गुप्त सूचना के आधार पर पता चला कि आरोपी घोड़बंदर, ठाणे क्षेत्र में आने वाला है। इसके बाद वरिष्ठ अधिकारियों के मार्गदर्शन में वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक सचिन गायकवाड के नेतृत्व में पीएसआई दीपक घुगे और उनकी टीम ने 23 मार्च 2026 को रात 8:20 बजे जाल बिछाकर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस हिरासत के दौरान की गई पूछताछ में आरोपी से ठाणे और राजस्थान के पाली जिले से बड़ी मात्रा में माल बरामद किया गया। इसमें अपराध क्रमांक 653/2025 के तहत 1.39 करोड़ रुपये मूल्य की 1,215.79 ग्राम वजन की 5 सोने की लगड़ियां तथा अपराध क्रमांक 643/2025 के तहत 90 लाख रुपये मूल्य की 742 ग्राम वजन की 2 सोने की लगड़ियां बरामद हुईं। इसके अलावा 17 लाख 50 हजार रुपये नकद भी जब्त किए गए।

गिरफ्तार आरोपी की पहचान जीवाराम वर्धाजी चौधरी (46) के रूप में हुई है, जो ठाणे के जांभळी नाका क्षेत्र का निवासी है तथा मूल रूप से राजस्थान के पाली जिले का रहने वाला है। यह कार्रवाई अपर पुलिस आयुक्त डॉ. पंजाबराव उगले, पुलिस उपायुक्त (गुन्हे) अमरसिंह जाधव और सहायक पुलिस आयुक्त शेखर बागड़े के मार्गदर्शन में की गई। इस कारवाई को सफल बनाने में वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक सचिन गायकवाड, पीएसआई दीपक घुगे, दीपक जाधव, सुनील माने सहित अन्य पुलिसकर्मियों की अहम भूमिका रही। पुलिस अब आरोपी से जुड़े अन्य मामलों और संभावित साथियों की तलाश में जुटी हुई है।

भिवंडी में हनुमान जयंती पालखी सोहला उत्साह के साथ संपन्न

तरुणमित्र / ब्यूरो

भिवंडी। भिवंडी ग्रामीण क्षेत्र सहित शहर के विभिन्न इलाकों में हनुमान जयंती के अवसर पर कई कार्यक्रमों का आयोजन कर त्योहार को बड़े उत्साह के साथ मनाया गया। विश्व हिंदू परिषद और श्री गोपाल गणेश दांडेकर प्रतिष्ठान की ओर से नवीवस्ती शास्त्रीनगर स्थित हनुमान मंदिर से लेकर नवीवस्ती के लकडा मार्केट परिसर स्थित मार्कंडेय महामुनी मंदिर तक भव्य पालखी शोभायात्रा निकाली गई। इस दौरान हनुमान भक्तों ने भगवा झंडे लहराते हुए "जय श्रीराम" के जयघोष लगाए। बड़ी संख्या में कार्यकर्ता और श्रद्धालु इस शोभायात्रा में शामिल हुए। मुस्लिम बहुल क्षेत्र होने के कारण किसी भी तरह की अप्रिय घटना न हो, इसके लिए भिवंडी पुलिस उपायुक्त शशिकांत बोराटे के नेतृत्व में कड़ा पुलिस बंदोबस्त तैनात किया गया था। पुलिस की सतर्कता के चलते कार्यक्रम शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न हुआ।

स्वामी-स्व. कैलाशनाथ प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक स्वतंत्र कुमार द्वारा नवभारत प्रेस लिमिटेड, नवभारत भवन प्लाट नंबर-13 सेक्टर 8 सानपाडा (पूर्व) नवी मुंबई : 470709 से मुद्रित एवं पत्रकार सदन लोकमान्य नगर नं. 4 ठाणे- 400606 महाराष्ट्र से प्रकाशित।
RNI No. MAHHIN/2008/27046 संपादक- स्वतंत्र कुमार सिटी कार्यालय- गाला नं. 61 दादोजी कोंडदेव स्टेडियम खारटन रोड, ठाणे(वेस्ट) महाराष्ट्र, मोबा: 09415287970, 7400223777, 9892789606,
ईमेल tarun.thana@gmail.com, www.tarunmitra.in * इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं उत्पन्न समस्त विवाद ठाणे न्यायालय के अधीन होंगे।

बिजोवा में भाजपा का दो दिवसीय प्रशिक्षण महाअभियान सम्पन्न

मामाजी मंदिर परिसर में 210 कार्यकर्ताओं ने लिया भाग लिया

पाली ब्यूरो चीफ भरत शर्मा

पाली -रानी। बिजोवा फाटक स्थित नोक मामाजी मंदिर परिसर में भाजपा बिजोवा मंडल का दो दिवसीय प्रशिक्षण महाअभियान का सफलतापूर्वक समापन हुआ। शिविर में पार्टी कार्यकर्ताओं को संगठन की रीति-नीति, अनुशासन और बूथ प्रबंधन का प्रशिक्षण दिया गया।इस दौरान कार्यकर्ताओं में भारी उत्साह देखने को मिला। शिविर में मारवाड़ जंक्शन विधायक केसाराम चौधरी, जिलाध्यक्ष सुनील भंडारी सहित कई वरिष्ठ नेताओं ने कार्यकर्ताओं का मार्गदर्शन किया। वक्ताओं ने टीम भावना पर जोर देते हुए कहा कि सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना हर कार्यकर्ता की जिम्मेदारी है। इसके अलावा कार्यकर्ताओं को बूथ स्तर पर पार्टी को मजबूत करने और आमजन से निरंतर संपर्क बनाए रखने का आह्वान किया गया। साथ ही, 'सरल ऐप' (Saral App) के माध्यम से डिजिटल रिपोर्टिंग और मॉनिटरिंग का तकनीकी प्रशिक्षण भी दिया गया।

पूर्व सरपंच की उपस्थिति रही चर्चा में इस दो दिवसीय प्रशिक्षण शिविर में हाल ही में कांग्रेस छोड़कर भाजपा में शामिल हुए पूर्व सरपंच सकाराम सालरिया की उपस्थिति विशेष चर्चा का विषय रही। उन्होंने भी पूरे कार्यक्रम में सक्रिय रूप से भाग लिया। कार्यक्रम में जिला महामंत्री भरत त्रिवेदी, जिला उपाध्यक्ष सुमित्रा राजपुरोहित, जिला आईटी सेल संयोजक सज्जन सिंह, जिला प्रकोष्ठ प्रभारी जयवर्धन रांकावत, प्रभारी एवं पूर्व प्रधान किशोर सिंह राजपुरोहित, हरीश चौधरी और पूर्व मंडल अध्यक्ष फतेह सिंह कुंपावत ने भी संगठन के बारे में विस्तार से जानकारी दी। इस अवसर पर मंडल महामंत्री मोहन मारूं, उपाध्यक्ष मोहन सोलंकी, जन्मजय सिंह खारड़ा, मुकेश गर्ग, पंचायत समिति सदस्य दिनेश चौधरी, तेजाराम चौधरी,आईटी सेल संयोजक नरेश सैन,कोषाध्यक्ष रामलाल प्रजापत,सहसंयोजक चिंटू सिंह, पुनम सिंह जवाली,सोशल मीडिया प्रभारी हरी सिंह राजपुरोहित ,मीडिया प्रभारी अजय कुमार जैन जवाली, गणपत सिंह राजपुरोहित व मनोज व्यास नगराज. देवासी सहित कई पदाधिकारी मौजूद रहे। सभी मोर्चों के कार्यकर्ताओं, बूथ अध्यक्षों और शक्ति केंद्र प्रभारियों ने शिविर में सक्रिय भागीदारी निभाई। कार्यक्रम के अंत में भाजपा बिजोवा मंडल अध्यक्ष उत्तम सिंह राजपुरोहित एवं समस्त कार्यकारिणी ने पधारे हुए सभी अतिथियों, वरिष्ठ नेताओं और कार्यकर्ताओं का आभार व्यक्त किया।

सोजत शहर में हनुमान जन्मोत्सव पर शहर में निकाली भव्य शोभायात्रा

अखाड़ों के करतब और झांकियां रही आकर्षण का केंद्र

कर्मपालसिंह सवाली/अमरपूरी गोस्वामी

पाली। सोजत शहर में हनुमान जन्मोत्सव का महापर्व धूमधाम से मनाया गया। इस अवसर पर एक विशाल शोभायात्रा निकाली गई। जिसमें विभिन्न आकर्षक झांकियां और अखाड़ों के हैरतअंगेज प्रदर्शन मुख्य आकर्षण रहें। शोभायात्रा में बड़ी संख्या में महिलाएं व पुरुषों ने भाग लिया। हनुमान जन्मोत्सव के अवसर पर शहर के प्रमुख हनुमान मंदिरों में सुबह से ही श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ी। बस स्टैंड स्थित जय वीर हनुमान मंदिर, रामेलाव तालाब स्थित बालाजी की भाकरी , दांतिया बालाजी मंदिर, इच्छापूर्ण बालाजी मंदिर में विशेष पूजा अर्चना की गई। हनुमान जन्मोत्सव शोभायात्रा का शुभारंभ दोपहर बाद जैतारणिया गेट स्थित वाल्मीकि समाज के बालाजी मंदिर से हुआ। शोभायात्रा में सजे धजे घुड़सवार और ऊंट सवार शामिल थे। मनोहारी बैंड और डीजे की धुन पर गुंजते भजनों के बीच युवा एवं बालिकाएं नृत्य करते हुए आगे बढ़ रहे थे। अखाड़ों द्वारा किए गए रोमांचक प्रदर्शन शोभायात्रा का मुख्य आकर्षण रहें। शोभायात्रा में कई आकर्षक झांकियां भी शामिल थी। यह शोभायात्रा विश्व हिन्दू परिषद, बजरंग दल, मातृशक्ति एवं दुर्गा वाहिनी सोजत के तत्वावधान में आयोजित की गई। हनुमान जन्मोत्सव शोभायात्रा पर पुष्प वर्षा भी की गई। इस कार्यक्रम में सोजत विधायक शोभा चौहान, पूर्व काबिना मंत्री लक्ष्मीनारायण दवे, हनुमान जन्मोत्सव समिति अध्यक्ष राजेश तंवर, आनंद भाटी, जुगल किशोर निकुंभ, पंकज त्रिवेदी, प्रफुल्ल ओझा, डॉ. महेश सोनी, अनिता श्रीवास्तव, नरपतराज सोलंकी, विश्व हिन्दू परिषद जोधपुर प्रांत संगठन मंत्री राजेश पटेल, जिला मंत्री मांगीलाल गहलोत, जिला सह मंत्री मानवेन्द्र भाटी, कैलाश चावला, महेन्द्र टांक, राजकुमार चौधरी, जोगेश जोशी, रणजीत सिंह राजपुरोहित, नेमीचंद गहलोत, दिलखुश गहलोत, पांचाराम जोशी, राकेश खींची एवं नेहड़ा बेरा, नयापुरा महिला मण्डल और वीरागंगा वाहिनी के सदस्यों ने भी इसमें भाग लिया।

एशियन सब जूनियर भारतीय टीम चयन ट्रायल में भाग लेंगे पाली के मुक्केबाज छत्रपाल सिंह

कर्मपालसिंह सवाली

पाली। पाली जिले के प्रतिभाशाली मुक्केबाज छत्रपाल सिंह भारतीय मुक्केबाजी संघ के तत्वावधान में 4 से 11 अप्रैल 2026 तक नेताजी सुभाष नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ स्पोर्ट्स, पटियाला (पंजाब) में आयोजित राष्ट्रीय सब जूनियर टीम चयन ट्रायल में राजस्थान का प्रतिनिधित्व करेंगे।

उक्त ट्रायल के माध्यम से चयनित मुक्केबाजों का चयन आगामी सब जूनियर एशियन बॉक्सिंग चैंपियनशिप (ताशकंद, उज्बेकिस्तान) हेतु भारतीय टीम में किया जाएगा। छत्रपाल सिंह, पुत्र बलवंत सिंह, पाली जिले के माण्डल गांव के निवासी हैं। वे अब तक पांच बार राजस्थान राज्य स्तरीय चैंपियन रह चुके हैं तथा पांच राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में राज्य का प्रतिनिधित्व कर चुके हैं। वर्ष 2025 में उन्होंने एसजीएफआई अंडर-14 राष्ट्रीय बॉक्सिंग चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक अर्जित कर उल्लेखनीय सफलता प्राप्त की थी।

उनकी इस उपलब्धि पर पाली जिला बॉक्सिंग संघ के अध्यक्ष वासुदेव शर्मा सहित अन्य पदाधिकारियों एवं खेल प्रेमियों ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए शुभकामनाएं प्रेषित की हैं। कोच दिलीप गहलोत ने विश्वास व्यक्त किया कि छत्रपाल सिंह अपने उत्कृष्ट प्रदर्शन से राज्य एवं देश का नाम गौरवान्वित करेंगे।

उदयपुर को मिला नया प्रशासनिक नेतृत्व: आईएएस गौरव अग्रवाल ने संभाला कलेक्टर पद, नमित मेहता बने आबकारी आयुक्त

कर्मपालसिंह सवाली
ब्यूरो चीफ ऋचा पानेरी

उदयपुर। राज्य में 1 अप्रैल 2026 को हुए बड़े प्रशासनिक फेरबदल के बाद गौरव अग्रवाल को उदयपुर का नया जिला कलेक्टर नियुक्त किया गया है। वर्ष 2014 बैच के आईएएस अधिकारी और यूपीएससी टॉपर रहे अग्रवाल ने जोधपुर कलेक्टर पद से स्थानांतरित होकर उदयपुर की जिम्मेदारी संभाली। वहीं, उदयपुर के निवर्तमान कलेक्टर नमित मेहता को आबकारी आयुक्त के पद पर नियुक्त किया गया है।

नवनियुक्त कलेक्टर गौरव अग्रवाल के उदयपुर पहुंचने पर सर्किट हाउस में प्रशासनिक अधिकारियों द्वारा उनका गर्मजोशी से स्वागत किया गया। इस दौरान एडीएम प्रशासन दीपेंद्रसिंह, एडीएम सिटी जितेंद्र ओझा, एसडीएम गिरवा अवुला साइकृष्ण, एसडीएम गोगुंदा शुभम भैंसारे सहित अन्य अधिकारियों ने उनका अभिनंदन किया।इसके साथ ही निजी सहायक राधेश्याम शर्मा, गार्ड गिरधारीलाल एवं अन्य स्टाफ भी स्वागत के दौरान उपस्थित रहे। गौरव अग्रवाल ने उदयपुर पहुंचते ही जिला कलेक्टर के रूप में कार्यभार ग्रहण कर लिया। उनके पदभार संभालने के साथ ही जिले में प्रशासनिक कार्यों को नई दिशा और गति मिलने की उम्मीद जताई जा रही है। गौरव अग्रवाल इससे पूर्व जोधपुर में जिला कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट के रूप में कार्य कर चुके हैं। अपने कार्यकाल में उन्होंने प्रशासनिक दक्षता और बेहतर प्रबंधन के लिए पहचान बनाई है, जिससे उदयपुर में भी उनसे प्रभावी प्रशासन की अपेक्षा की जा रही है।

उदयपुर में यह प्रशासनिक बदलाव नई ऊर्जा और नई सोच के साथ विकास कार्यों को आगे बढ़ाने का संकेत है। एक ओर जहां गौरव अग्रवाल से बेहतर प्रशासनिक परिणामों की उम्मीद है, वहीं नमित मेहता को नई जिम्मेदारी सौंपकर राज्य सरकार ने उनके अनुभव का व्यापक स्तर पर उपयोग करने का निर्णय लिया है।

राज्य स्तरीय पावर लिफ्टिंग प्रतियोगिता के लिए खिलाडियो का ट्रायल सम्पन्न

अमरपुरी गोस्वामी दादाई

पाली । प्रदेश के अलवर में आयोजित होने वाली राज्य स्तरीय पावर लिफ्टिंग प्रतियोगिता के लिए गुरूवार का जिला स्तरीय ट्रायल हुआ संपन्न हुआ।

पाली जिला पावरलिफ्टिंग अध्यक्ष किशन कुमार व सचिव बंशीलाल चौहान के सानिध्य में सिटी क्लब जिम बैनर तले जिला स्तरीय पावरलिफ्टिंग की ओर से 2 बालिकाएं व 9 बालको का चयन सहायक रेफरी सुरेश राणा ,गौरव शर्मा के नेतृत्व में हुआ।

चयनित प्रतियोगी शुक्रवार को प्रतियोगिता मे भाग लेने रवाना होगें। जिनमे बालिकाएं करिश्मा पवार , हिमांशी कवर, बालक वर्ग मे गोविंद कुमार ,यश परिहार, निखिल पवार, श्रवण सिंह, शुभम ,अक्षय बंजारा ,कुंदन सिंह निखिल देवांकर शामिल होंगे।

नवनियुक्त पाली जिला कलेक्टर रविंद्र गोस्वामी का कनिष्क शर्मा के नेतृत्व में ब्राह्मण युवा महासभा ने मंत्रोचार के साथ माला साफा पहनाकर स्वागत किया

कर्मपालसिंह सवाली

पाली। नवनियुक्त पाली जिला कलेक्टर रविंद्र गोस्वामी का कनिष्क शर्मा के नेतृत्व में ब्राह्मण युवा महासभा ने मंत्रोचार के साथ माला साफा पहनाकर स्वागत किया। एवं पाली के धरातल के इतिहास को लेकर चर्चा की गई। इस दौरान जिलाध्यक्ष मनु शर्मा पप्पू शर्मा दशरथ राजपुरोहित पीयूष शर्मा पंडित कृष्ण कुमार शास्त्री सत्यनारायण गॉड दीपक जोशी अभिषेक पारीक पुलकित शर्मा अशोक शर्मा पाइसवाल उत्कर्ष शर्मा अशोक भाटी पवन पांडेय नमन शर्मा पंकज शर्मा पहुंचकर मारवाड़ी परंपरा के अनुसार स्वागत किया गया

राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी ने सभी जिलों के जिला प्रभारी व सह प्रभारी लगाएं

प्रदेश महासचिव एवं प्रवक्ता आर सी चौधरी जयपुर ग्रामीण के जिला प्रभारी नियुक्त

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक तरुणमित्र ब्यूरो चीफ डॉ नरेन्द्र मेहरा

टोंक। राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी के प्रदेशाध्यक्ष गोविन्द सिंह डोटासरा ने राजस्थान के सभी जिलों के जिला प्रभारी व सह प्रभारी की सूची जारी की है। पी सी सी महासचिव राम चन्द्र चौधरी (आर सी चौधरी) ने बताया की राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी के प्रदेशाध्यक्ष गोविन्द सिंह डोटासरा ने राजस्थान प्रभारी सुखजिंदर सिंह रणधावा की सहमति से राजस्थान के सभी 50 जिलों में जिला कांग्रेस कमेटी के जिला प्रभारी व सह प्रभारी बनाए है और उसकी सूची आज जारी की है जिसमें आमेर के विधायक प्रशांत शर्मा को टोंक जिले का प्रभारी व डॉ सुमित गर्ग को सह प्रभारी लगाया है तथा इसी तरह जयपुर ग्रामीण के पूर्व व पश्चिम जोन में राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी के प्रदेश महासचिव एवं प्रवक्ता आर सी चौधरी को जिला प्रभारी तथा संजय यादव को सह प्रभारी तथा निवाई के पूर्व विधायक व प्रदेश महासचिव प्रशांत बैरवा को करोली जिले का प्रभारी व सह प्रभारी चतर सिंह तथा टोंक जिले के पूर्व जिला प्रमुख एवं प्रदेश उपाध्यक्ष रामविलास चौधरी को जैसलमेर व फलौदी जिले का प्रभारी व शंकर लाल को सह प्रभारी तथा अलवर जिले का प्रभारी फूल सिंह ओला तथा सह प्रभारी देवली निवासी प्रदेश सचिव माया सुवालका सहित सभी 50 जिलों में जिला प्रभारी व सह प्रभारियों की नियुक्ति की गई है।

भामाशाह सोनी परिवार वालों की तरफ से प्रवेश द्वार का किया उद्घाटन निकाली शोभायात्रा

पाली ब्यूरो चीफ भरत शर्मा

पाली -रानी। समीपवर्ती श्री ज्वालेश्वर महादेव उज्जैनेश्वर महादेव धाम जवाली में साधु संतों की निश्रा में भामाशाह सोनी परिवार की ओर से प्रवेश द्वार का उद्घाटन किया गया। जानकारी के अनुसार ज्वालेश्वर महादेव मंदिर में भव्य प्रवेश द्वार का उद्घाटन भामाशाह परिवार कमला देवी धर्मपत्नी स्वर्गीय सुखराज सोनी, देवेंद्र सोनी, गणपत सहित उनके परिवारजन के द्वारा किया गया। उद्घाटन से पूर्व रथ में भव्य शोभायात्रा भी निकाली गई, जो गांव के विभिन्न मार्गो से होते हुए महादेव मंदिर के प्रांगण में पहुंची। जिसमें शहर और आसपास के गांव के सैकड़ो लोगों ने भाग लिया। बताया कि एक वर्ष पूर्व प्रवेश द्वार बनाने की नींव रखी गई थी। मंदिर कमेटी की ओर से भामाशाह परिवार का सम्मान किया गया।

बी.एल.ओ को सौपी मतदाता सूची चेक लिस्ट : अमरपुरी गोस्वामी दादाई

पाली । नगर निकाय चुनाव तैयारियो को लेकर गुरूवार को पंचायत समिति सभागार में सुपरवाईजर एवं बूथ लेवल अधिकारियो की आवश्यक बैठक का आयोजन किया गया। निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी एवं उपखंड अधिकारी विमलेन्द्र सिंह राणावत ने बताया कि आगामी दिनो मे सम्पन्न होने वाले निकाय चुनाव के तहत बूथ लेवल अधिकारियो मतदाता सूची की चेक लिस्ट वितरण की गई। जिनका वे अपने मतदान क्षेत्र मे पठन कर त्रुटियो का निवारण एवं वेरिफाई कर पुनः निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी मे जमा करवाएगें । जिससे कि 13 अप्रेल को ड्राफ्ट सूची का प्रकाशन किया जाएगा। इस मौके पर ललित कुमार दवे, अनिल नामा, रमेश अणकिया, सुरेश व्यास, मीडिया प्रभारी विक्रम सिंह परिहार,राजेश कुमार सैन, लोकेश दवे, मनोज कुमार रांगी,पारसराम,सुरेश चौधरी, संजय चौधरी, अनिता पारीक, भगवान दास बाबानी, संजय भटनागर,धर्मेन्द्र सोलंकी, रामलाल, नेमीचंद,प्रवीण कुमार, मोहित माथुर आदि मौजूद रहे।

मनमानी के इस दौर में स्कूल

लेखिका माधुरी शर्मा उदयपुर

आजकल हर गली, हर मोड़ पे, स्कूलों का अजीब सा राज है, नियमों की आड़ में छुपा हुआ, बस मनमानी का ही ताज है।

कभी फीस का बढ़ता बोझ यहाँ, कभी ड्रेस का नया फरमान, किताबों से ज्यादा लगता है, जैसे चलता हो कोई दुकान ।

बच्चों के सपनों से खेलते, माता-पिता भी लाचार हैं, शिक्षा के मंदिर कहलाते थे, अब बस व्यापार के द्वार हैं।

जहाँ ज्ञान ही सबसे खास था, आज नंबर, रैंक और पैसों में, हर रिश्ता जैसे उदास था।

फिर भी उम्मीद की लौ बाकी, कभी तो बदलेगा ये हाल, जब शिक्षा फिर से शिक्षा होगी, न होगा कोई भी बेमिसाल जंजाल ।

मुख्य सचिव ने किया आरयूएचएस का दौरा

स्वास्थ्य सेवाओं का किया निरीक्षण, रिम्स के कार्य में तेजी लाने के दिए निर्देश

स्थानीय संपादक कर्मपालसिंह सवाली

जयपुर, 3 अप्रैल। मुख्यमंत्री श्री भजन लाल शर्मा की पहल पर आरयूएचएस अस्पताल को एम्स की तर्ज पर रिम्स के रूप में विकसित किया जा रहा है। मुख्य सचिव श्री वी. श्रीनिवास ने शुक्रवार को आरयूएचएस अस्पताल का दौरा किया और देश के प्रतिष्ठित चिकित्सा संस्थानों के विषय विशेषज्ञों एवं चिकित्सा शिक्षा विभाग के अधिकारियों के साथ रिम्स के विकास पर विस्तृत चर्चा की। उन्होंने बजट घोषणा के अनुरूप रिम्स के कार्य में तेजी लाकर जल्द से जल्द इसका कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि यह संस्थान प्रदेश में विश्व स्तरीय स्वास्थ्य सुविधाओं, चिकित्सा के क्षेत्र में अनुसंधान एवं शोध को नई दिशा देगा।

मुख्य सचिव ने कहा कि सवाई मानसिंह अस्पताल में अत्यधिक रोगीभार को देखते हुए आरयूएचएस को एक विश्वस्तरीय चिकित्सा संस्थान के रूप में विकसित किया जाना राज्य सरकार का चिकित्सा सुविधाओं के उन्नय की दिशा में बड़ा कदम है। उन्होंने कहा कि इस संस्थान के विकास में आ रही तमाम बाधाओं को जल्द से जल्द दूर किया जाए। सभी प्रकार की स्वीकृतियां जल्द प्राप्त की जाएं। यहां चरणबद्ध रूप से आधारभूत सुविधाओं, उपकरणों की खरीद, विशेषज्ञ सेवाओं के विस्तार को मिशन मोड में पूरा किया जाए। रिम्स की स्थापना से संबंधित नियमों को जल्द अधिसूचित किए जाने के भी उन्होंने निर्देश दिए। मुख्य सचिव ने कहा कि रिम्स के विकास के लिए साप्ताहिक एवं मासिक लक्ष्य तय कर उनके आधार पर काम को गति दी जाए। उन्होंने इसका विस्तृत प्लान जल्द तैयार करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि रिम्स को पूरी तरह डिजिटल प्रणाली पर विकसित किया जाए, ताकि रोगियों को स्वास्थ्य सुविधाएं प्राप्त करने में सुगमता हो।

बैठक में एम्स के डॉ. रमेश अग्रवाल, डॉ. संजीव लालवानी, डॉ. अशोक जारयाल, डॉ. राजेश खड़गावत, मारवाड़ मेडिकल यूनिवर्सिटी के वाइस चांसलर डॉ. एमके आसेरी सहित अन्य विशेषज्ञों ने रिम्स के विकास को लेकर अपने सुझाव दिए। उन्होंने आरयूएचएस के विकास को लेकर विभिन्न तकनीकी पक्षों पर अपने विचार रखे। इससे पहले मुख्य सचिव ने आरयूएचएस अस्पताल का दौरा कर वहां उपलब्ध करवाई जा रही स्वास्थ्य सेवाओं का निरीक्षण किया। मुख्य सचिव ने ओपीडी, आईपीडी, आईसीयू सहित अन्य सुविधाओं का निरीक्षण किया। उन्होंने इस दौरान रोगियों एवं उनके परिजनों से संवाद कर स्वास्थ्य सुविधाओं के संबंध में फीडबैक भी लिया। अस्पताल प्रशासन ने बताया कि विगत समय में आरयूएचएस अस्पताल में सुविधाओं के विस्तार एवं उन्नयन से यहां ओपीडी एवं आईपीडी में रोगी भार पहले की तुलना में काफी बढ़ा है। अब यहां कई प्रकार की विशेषज्ञ चिकित्सा सुविधाएं भी उपलब्ध करवाई जा रही हैं। बैठक में चिकित्सा शिक्षा आयुक्त श्री बाबूलाल गोयल, कृषि आयुक्त श्री नरेश गोयल, मुख्य सचिव कार्यालय में विशेषाधिकारी गरिमा नरूला, आरयूएचएस के कुलगुरू डॉ. प्रमोद येवले, सवाई मानसिंह मेडिकल कॉलेज के प्रधानाचार्य डॉ. दीपक माहेश्वरी, आरयूएचएस के प्रधानाचार्य डॉ. विनोद जोशी, अधीक्षक डॉ. अनिल गुप्ता, स्टेट कैंसर इंस्टीट्यूट के अधीक्षक डॉ. संदीप जसूजा सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

मुख्य सचिव ने आपदा तैयारियों की समीक्षा की, अब अर्ली वार्निंग और मजबूत व्यवस्थाओं से कम होगा नुकसान

जिलों में बाढ़ प्रबंधन, अस्पतालों में फायर सेफ्टी, किसानों के लिए जल संरक्षण और ग्रामीण कार्यों को गति देने के निर्देश

स्थानीय संपादक कर्मपालसिंह सवाली

जयपुर, 3 अप्रैल। मुख्य सचिव श्री वी. श्रीनिवास ने प्रदेश में आपदाओं से आमजन को सुरक्षित रखने के लिए पूर्व चेतावनी प्रणाली को सुदृढ़ करने, शहरी जलभराव की समस्या का स्थायी समाधान सुनिश्चित करने तथा प्रभावित नागरिकों को त्वरित राहत उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि समय पर चेतावनी और बेहतर समन्वय से आपदा के दौरान नुकसान को प्रभावी रूप से कम किया जा सकता है।

मुख्य सचिव ने शुक्रवार को सचिवालय में आयोजित राज्य कार्यकारी समिति (एसईसी) की बैठक में राज्य आपदा न्यूनीकरण निधि (एसडीएमएफ) एवं अन्य प्रस्तावों की समीक्षा कर रहे थे। उन्होंने जिला कलेक्टर्स को निर्देश दिए कि वे अपने क्षेत्रों में आपदा प्रबंधन कार्यों की नियमित मॉनिटरिंग सुनिश्चित करें तथा ड्रेनेज, प्रोटेक्शन वॉल एवं अन्य संरचनात्मक कार्यों को प्राथमिकता से पूरा कराएं, ताकि स्थानीय स्तर पर जोखिम कम हो सके।

उन्होंने आपदा प्रबंधन एवं नागरिक सुरक्षा विभाग को निर्देश दिए कि चयनित जिलों में अर्ली वार्निंग सिस्टम शीघ्र स्थापित किया जाए, ताकि बाढ़ संभावित क्षेत्रों में समय रहते चेतावनी जारी की जा सके। जयपुर सहित प्रमुख शहरों में शहरी बाढ़ प्रबंधन कार्यों को प्राथमिकता देते हुए मुख्य सचिव ने कहा कि जलभराव एवं ड्रेनेज से जुड़ी समस्याओं का दीर्घकालिक समाधान सुनिश्चित किया जाए।

मुख्य सचिव ने कृषि विभाग को निर्देश दिए कि फार्म पॉण्ड, सिंचाई पाइपलाइन, ड्रिप एवं मिनी स्प्रिंकलर तथा वाटर हार्वेस्टिंग संरचनाओं के माध्यम से जल संरक्षण को बढ़ावा दिया जाए, जिससे किसानों को राहत मिल सके। राज्य कृषि विपणन बोर्ड को मंडियों में शेड निर्माण कार्य शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश दिए गए, ताकि किसानों एवं व्यापारियों को प्रतिकूल मौसम में सुविधा मिल सके।

मुख्य सचिव ने चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग को प्रमुख अस्पतालों में फायर सेफ्टी ऑडिट एवं आवश्यक सुरक्षा व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। स्वायत्त शासन विभाग को शहरी क्षेत्रों में ड्रेनेज एवं बाढ़ नियंत्रण कार्य समयसीमा में पूर्ण करने तथा डीएमआईएस 2.0 जैसी तकनीक आधारित प्रणालियों को लागू करने पर बल दिया। उन्होंने यह भी निर्देश दिए कि आपदा प्रभावित नागरिकों एवं किसानों को एसडीआरएफ के अंतर्गत त्वरित राहत राशि समयबद्ध रूप से उपलब्ध कराई जाए। साथ ही सभी कार्य एसडीएमएफ के दिशा-निर्देशों के अनुरूप पारदर्शिता एवं गुणवत्ता के साथ किए जाएं तथा जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के माध्यम से उनकी नियमित समीक्षा सुनिश्चित की जाए। बैठक में अतिरिक्त मुख्य सचिव आपदा प्रबंधन, सहायता एवं नागरिक सुरक्षा विभाग भास्कर आत्माराम सावंत, प्रमुख शासन सचिव वित्त श्री वैभव गालरिया, शासन सचिव स्वायत्त शासन विभाग श्री रवि जैन, शासन सचिव कार्मिक विभाग श्रीमती अर्चना सिंह, आयुक्त कृषि नरेश कुमार गोयल सहित संबंधित विभागों के अधिकारी मौजूद थे तथा संबंधित जिला कलेक्टर वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से उपस्थित थे।

पाली–देसूरी–चारभुजा हाइवे पर विकास की नई कड़ी: नाडोल में दिव्या फिलिंग स्टेशन का भव्य शुभारंभ

स्थानीय संपादक कर्मपालसिंह सवाली

पाली। नाडोल की पावन धरा पर पाली–देसूरी–चारभुजा मार्ग (NH-162E) पर स्थित दिव्या फिलिंग स्टेशन का आज संत समाज के सानिध्य में भव्य शुभारंभ किया गया, जिसमें क्षेत्रीय विधायक पुष्पेंद्रसिंह राणावत ने अपने करकमलों से फीता काटकर उद्घाटन किया। प्रातः 9:15 बजे वैदिक मंत्रोच्चार, हवन-यज्ञ और पूजा-अर्चना के साथ कार्यक्रम की शुरुआत हुई, जिसमें कृष्ण भक्त महेंद्रगिरी महाराज, केसूली के सकाराम महाराज और मांगू महाराज सहित संत समाज की गरिमामयी उपस्थिति रही। विधायक के आगमन पर मारवाड़ी परंपरा के अनुसार ढोल-नगाड़ों और पुष्प वर्षा के साथ जोरदार स्वागत किया गया, वहीं प्रो. ताराचंद सीरवी ने साफा और माला पहनाकर अतिथियों का अभिनंदन किया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में ग्रामीण, महिलाएं, जनप्रतिनिधि और विभिन्न समाजों के लोग मौजूद रहे, जिन्होंने इस नई सुविधा के लिए शुभकामनाएं दी।

विधायक राणावत ने कहा कि हाईवे पर इस पेट्रोल पंप की शुरुआत से किसानों, यात्रियों और व्यापारियों को बड़ी राहत मिलेगी तथा यह क्षेत्रीय आर्थिक विकास को गति देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। दिव्या फिलिंग स्टेशन के संचालक प्रो. ताराचंद सीरवी ने बताया कि वे पहले से गुड़ा अखेराज में वर्षों से ईमानदारी के साथ सेवाएं दे रहे हैं और अब इस नए केंद्र के माध्यम से भी बेहतर गुणवत्ता और भरोसे के साथ सेवा देने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

पर्यटन और रोजगार के लिए बड़ा अवसर:पाली–नाडोल–देसूरी–चारभुजा मार्ग, जो लगभग 83 किलोमीटर लंबा है और मारवाड़ को मेवाड़ से जोड़ने वाली महत्वपूर्ण कड़ी माना जाता है, धार्मिक पर्यटन और आवागमन की दृष्टि से अत्यंत अहम है, ऐसे में इस पेट्रोल पंप का शुभारंभ विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। हालांकि, इस महत्वपूर्ण मार्ग पर बढ़ती आवाजाही और पर्यटन को देखते हुए अब एक बड़ा सवाल भी उभरता है कि क्या क्षेत्रीय विकास को और गति देने के लिए यहां सीएनजी गैस पंप और ओला-उबर जैसी आधुनिक टैक्सी सेवाओं का विस्तार किया जाएगा, ताकि यात्रियों को सस्ती, सुरक्षित और सुगम परिवहन सुविधा मिल सके और स्थानीय युवाओं के लिए रोजगार के नए अवसर भी सृजित हो; ऐसे में यह पहल केवल एक पेट्रोल पंप तक सीमित न रहकर पूरे क्षेत्र के समग्र विकास का आधार बन सकती है। ग्राम पंचायत नाडोल प्रशासक फुंल कंवर राजपुरोहित ,सरपंच प्रतिनिधित्व गुलाबसिंह राजपुरोहित ग्राम पंचायत नारलाई प्रशासक शेखर मीणा ,भगवती रेस्टोरेंट देसूरी के प्रोपराइट बाबूसिंह राजपुरोहित, पूर्व उपसरपंच प्रभुदास वैष्णव बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता के अलावा सर्व समाज के लोग भी मौजूद रहे इस समय भोजन प्रसादी का आयोजन रखा गया,

दूनी व देवली में सरकारी कांटे का हुआ शुभारंभ

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक तरुणमित्र ब्यूरो चीफ डॉ नरेन्द्र मेहरा

टोंक । देवली क्रय-विक्रय सहकारी समिति द्वारा राजस्थान न्यूनतम समर्थन मूल्य खरीद केन्द्र के सरकारी तुलाई कांटे का शुभारंभ दूनी व देवली कृषि उपज मंडी के प्रांगण में प्रसिद्ध पंडित रमेश पारीक ने मंत्रोच्चार से इलेक्ट्रॉनिक कांटे की विधिवत रूप से पुजा अर्चना करवा कर समिति अध्यक्ष श्रीमती काली देवी गुर्जर द्वारा किया गया तथा शुभारंभ के अवसर पर कांटे पर चने के कट्टे को तोल कर किया गया इस अवसर पर समिति जनरल मैनेजर विनोद पहाड़िया, समिति लेखाकार सीताराम पंचौली, चेयरमैन प्रतिनिधि देवलाल गुर्जर, दूनी ग्राम सेवा सहकारी समिति लि के चेयरमैन मोतीलाल मेहरा के प्रतिनिधि दूनी जी एस एस के डायरेक्टर डॉ नरेन्द्र मेहरा एडवोकेट, दूनी कांटा प्रभारी रतन लाल मीना, तुलाई ठेकेदार प्रधान धाकड, समिति लिपिक दिनेश सांमरिया, राम सहाय कीर, किशन लाल चौधरी, किशन लाल मीणा सहित किसान मोजूद थे।

सादड़ी में बेमौसम बर्षा से ईट भट्टा मालिको को हुआ लाखो का नुकसान हुआ

क्राइम रिपोर्टर छगन प्रजापति

सादड़ी। सादड़ी में बेमौसम बर्षा से ईट भट्टा मालिको को हुआ लाखो का नुकसान हुआ। अचानक बारिश होने से सादड़ी शहर में राजु,मांगीलाल, फुलचंद प्रजापत,भगवानलाल प्रजापत सहित आसपास क्षेत्रों के ईट भट्टो पर पकाने के लिए जमाई हुई ईंटे बेमौषम बारिश से गल गई जिससे ईट भट्टा मालिको को लाखो का नुकसान हुआ है।

रमेश प्रजापत सादड़ी ने बताया कि कजावा की कच्ची ईंटे पकाने को को रखी हुई थी कही जगह तैयार ताजा ईट सुखाने को रखी थी कि अचानक बारिश से कच्ची ईंटे पानी से गिली हो गई और मिट्टी हो गई हमारी मेहनत पर पानी फिर गया असामयिक वर्षा से कजावा की ईंट बर्बाद हो गई वही कृषकों की फसलो को भी नुक्सान हुआ है देर रात्री में आधा घंटा तक तेज बारिश हुई जिसे खेतो मे पानी पसरा और काटी हुई फसल व ईट भट्टो पर कच्ची इटो को नुक्सान हुआ है। ईट भट्टा मालिको ने बताया कि कर्ज लेकर ईंटे तैयार की थी और बेमोशम बारिश ने ईट भट्टो को चौपट कर दिए अब इट भट्टा मालिको को कर्ज चुकाने की चिंता सता रही है

सरकारी डॉक्टर को हाईकोर्ट से झटका, पत्नी को देने होंगे 40 लाख रुपये

गुजारा भत्ता अमीरी का जरिया नहीं, सम्मान का आधारः हाईकोर्ट

तरुणमित्र

जोधपुर । राजस्थान हाईकोर्ट के जस्टिस अरुण मोंगा और जस्टिस योगेंद्र कुमार पुरोहित की खंडपीठ ने एक तलाकशुदा पत्नी को मिलने वाले स्थायी गुजारा भत्ते को 25 लाख से बढ़ाकर 40 लाख रुपये कर दिया है। कोर्ट ने माना कि पत्नी 16 सालों से अकेले बच्चों का पालन-पोषण कर रही है। महिला के पास न आय है, न अपना घर। कोर्ट ने स्पष्ट किया कि जब पति एक सरकारी विशेषज्ञ डॉक्टर है, तो फैमिली कोर्ट का 25 लाख रुपये का पुराना फैसला न्यायोचित नहीं था। कोर्ट ने कहा कि गुजारा भत्ता अमीरी का जरिया नहीं है, बल्कि सम्मान का अधिकार है। यह मामला जोधपुर निवासी शोभा कंवर और डॉ. नरपतसिंह के बीच चल रहे विवाद का है। दोनों का विवाह 23 अप्रैल 1994 को मारवाड़ जंक्शन में हिंदू रीति-रिवाज से हुआ था। इनके दो बेटे है। पत्नी ने 2 मार्च 2015 को फैमिली कोर्ट में तलाक की याचिका दायर की थी। पत्नी का आरोप है कि 2004 में पति और उसके परिवार पर पिता का मकान और जमीन बेचकर पैसे लाने का दबाव बनाया। इनकार करने पर एक मई 2009 को पीटा गया और बच्चों सहित घर से निकाल दिया गया। इस मामले में दहेज प्रताडन्ना, आपराधिक विश्वासघात, मारपीट और षड्यंत्र के तहत एफआईआर भी दर्ज है। फैमिली कोर्ट, जोधपुर ने 29 अगस्त 2025 को तलाक की डिक्री जारी करते हुए पति को 25 लाख रुपए एकमुश्त और भुगतान होने तक 45 हजार रुपये हर महीने देने का आदेश दिया था। पत्नी ने इसे अपर्याप्त बताते हुए 2 करोड़ रुपए की मांग की, जबकि पति ने इसे अत्यधिक बताते हुए हाईकोर्ट में चुनौती दी। महिला के वकील ने पैरवी करते हुए बताया कि पति ईएनटी विशेषज्ञ और सरकारी अस्पताल पाली में वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारी हैं। वेतन के अलावा निजी प्रैक्टिस, आरटीओ फिटनेस सर्टिफिकेट और मेडिकल एजेंसी से मिलाकर उनकी 8-10 लाख रुपये मासिक आय है। पत्नी के पास आय का कोई साधन नहीं है। वह 16 साल से बच्चों को अकेले पाल रही है। वहीं, पति की ओर से वकील ने तर्क दिया कि पत्नी बीए एलएलबी, एलएलएम और पीएचडी योग्यताधारी वकील है। पचास हजार रुपये मंथली कमाती है। पति की बूढ़ी मां बीमार हैं और विकलांग भाई आश्रित है, जबकि दोनों वयस्क पुत्र इंजीनियरिंग कॉलेज में कार्यरत हैं। ऐसे में पति पर ही पूरे परिवार की जिम्मेदारी है। दोनों पक्षों की दलीलें सुनकर खंडपीठ ने माना कि विवाह लगभग 15 साल तक चला और पत्नी 16 वर्षों से बच्चों को अकेले पाल रही है। कोर्ट ने पाया कि पति का वेतन लगभग दो लाख रुपए मासिक प्रमाणित है। उसके पास स्वअर्जित मकान और पैतृक संपत्ति है। इसके विपरीत, पत्नी के पास कोई स्वतंत्र आवास नहीं है।

वित्तीय वर्ष 2026-27 के टैरिफ में विद्युत शुल्कों में कोई बढ़ोतरी नहीं

- **राजस्थान विद्युत विनियामक आयोग ने जारी किया आदेश**
- **तीनों डिस्कॉम की याचिकाओं पर सुनवाई के बाद दरों को रखा यथावत**

कर्मपालसिंह सवाली

जयपुर, 2 अप्रेल। प्रदेश में 1.75 करोड़ से अधिक विद्युत उपभोक्ताओं के लिए राहत की खबर है। वर्तमान वित्तीय वर्ष में राजस्थान डिस्कॉम्स (जयपुर, जोधपुर एवं अजमेर विद्युत वितरण निगम) ने बिजली की दरों में कोई बढ़ोतरी नहीं की है। प्रदेश के तीनों विद्युत वितरण निगमों द्वारा वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए प्रस्तुत वार्षिक राजस्व की आवश्यकता (एआरआर) और टैरिफ याचिकाओं पर सुनवाई के बाद राजस्थान विद्युत विनियामक आयोग ने आज अपना आदेश जारी कर दिया। टैरिफ को युक्तिसंगत बनाने की दिशा में तीनों डिस्कॉम ने याचिका में एमआईपी श्रेणी के उपभोक्ताओं के लिए न्यूनतम विद्युत शुल्क 6 रुपये 30 पैसे प्रति यूनिट से घटाकर 6 रुपये प्रति यूनिट करने, स्ट्रीट लाइटिंग को डे टाइम टैरिफ से छूट देने, ईवी चार्जिंग स्टेशंस को बढ़ावा देने के लिए इस पर फिक्स चार्जेज हटाना प्रस्तावित किया था, जिस पर राजस्थान विद्युत विनियामक आयोग ने मंजूरी दे दी है।

एजीटीएफ ने किया ड्रग्स फैक्ट्री का भंडाफोड़

कर्ज चुकाने के लिए घर को बनाया मौत की लैब

तरुणमित्र

जोधपुर । जोधपुर में एंटी गैंगस्टर टास्क फोर्स (एजीटीएफ) ने एडीजी दिनेश एमएन के निर्देशन में मकान की छत पर चल रही एमडी ड्रग्स की फैक्ट्री पकड़ी है। एजीटीएफ ने मौके से 3.055 किलोग्राम एमडी ड्रग्स और 55 किलो 725 ग्राम घातक रसायन बरामद किए हैं। जब्त की गई ड्रग्स की अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत तीन करोड़ रुपए आंकी गई है। साथ ही एक तस्कर को गिरफ्तार किया है। एजीटीएफ ने मंडली बालोतरा, हाल निवासी शंकर नगर, बनाड़ निवासी गणपतराम बेनीवाल को गिरफ्तार किया है। आरोपी ने 12 लाख का कर्ज चुकाने के लिए सांचौर के तस्कर आसुराम उर्फ लक्की और भानू के साथ सौदा किया था। इसके लिए उसने अपने ही घर बेनीवाल सदन को जहर बनाने की लैब में तब्दील कर लिया था। जानकारी के अनुसार मौके से बरामद खतरनाक रसायनों से 60 किलो एमडी ड्रग्स तैयार करने की योजना थी। एडीजी दिनेश एमएन ने बताया कि राजस्थान एजीटीएफ को लगातार सूचना मिल रही थी कि जोधपुर शहर में माफियाओं द्वारा भारी मात्रा में ड्रग्स पैडलरों को एमडी ड्रग्स सप्लाई की जा रही है। इसी क्रम में एजीटीएफ के एएसआई राकेश जाखड़ को मिली गोपनीय सूचना पर एसपी ज्ञानचंद यादव और एएसपी नरोत्तम लाल वर्मा के सुपरविजन में एक विशेष टीम गठित की गई। सूचना पर टीम ने तुरंत जाल बिछाने की रणनीति तैयार की। इसके बाद एजीटीएफ, एटीएस, डीएसटी और बनाड़ थाना पुलिस ने रात के अंधेरे में सुनसान इलाके में बने मकान की घेराबंदी की। जब टीम मकान की छत पर पहुंची तो वहां का नजारा देख हैरान रह गई। बिजली के बल्ब की रोशनी में गद्दे पर एमडी ड्रग्स सुखाई जा रही थी। वहां रसायनों के ड्रम व इलेक्ट्रॉनिक चूल्हे बिखरे पड़े थे। मौके से 3.055 किलोग्राम निर्मित एमडी ड्रग्स, डाइक्लोरोमीथेन, मैक्स फाइन केम, डी-आयोनाइज्ड वाटर और ज्योति हाईड्रोटेक जैसे घातक केमिकल और इलेक्ट्रॉनिक चूल्हा, 9 बाल्टियां, स्टील के बर्तन और ड्रग्स सुखाने के उपकरण जब्त किए हैं। इस ऑपरेशन में एएसआई राकेश जाखड़ और कांस्टेबल सुमेर सिंह की विशेष भूमिका रही। तकनीकी सहयोग एएसआई रमेश कुमार यादव ने दिया।

टोरंटो में भारत के नए कॉन्सुल जनरल बने महावीर सिंघवी, जैन समाज में खुशी की लहर

स्थानीय संपादक कर्मपालसिंह सवाली

मुंबई। कनाडा के टोरंटो में भारत के नए कॉन्सुल जनरल के रूप में महावीर सिंघवी के पदभार ग्रहण करने की खबर के बाद मुंबई सहित देशभर के जैन समाज में खुशी और गौरव का वातावरण देखने को मिल रहा है। उनकी नियुक्ति ऐसे समय पर हुई है जब भारत और कनाडा के बीच व्यापार, तकनीक, शिक्षा और नवाचार के क्षेत्र में संबंधों को और मजबूत करने की आवश्यकता है। बताया जा रहा है कि महावीर सिंघवी अपने कार्यकाल के दौरान कनाडा के विभिन्न संस्थानों, उद्योग जगत और भारतीय प्रवासी समुदाय के साथ मिलकर आपसी विश्वास को मजबूत करने, नए अवसरों को बढ़ावा देने और द्विपक्षीय संबंधों को नई ऊंचाई देने की दिशा में कार्य करेंगे। उनका बहुआयामी अनुभव—डिप्लोमैट, वकील, चार्टर्ड अकाउंटेंट, कंपनी सेक्रेटरी, एमबीए और कॉस्ट मैनेजमेंट अकाउंटेंट के रूप में—उन्हें इस महत्वपूर्ण जिम्मेदारी के लिए और अधिक सक्षम बनाता है। इस अवसर पर मुंबई के मशहूर वित्त विशेषज्ञ भरतकुमार सोलंकी ने समस्त जैन समाज को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि महावीर सिंघवी की यह नियुक्ति केवल समाज के लिए ही नहीं, बल्कि देश के लाखों युवाओं के लिए प्रेरणास्रोत है। उन्होंने कहा कि यह उपलब्धि दर्शाती है कि कड़ी मेहनत, बहुआयामी शिक्षा और वैश्विक दृष्टिकोण के साथ युवा अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी अपनी पहचान बना सकते हैं। सोलंकी ने आगे कहा कि इस नियुक्ति से विदेशों में व्यापार और नौकरी के अवसरों की संभावनाएं भी बढ़ेंगी। भारतीय युवाओं के लिए नए रास्ते खुलेंगे, खासकर उन लोगों के लिए जो वैश्विक स्तर पर करियर बनाना चाहते हैं। उन्होंने इसे "नई पीढ़ी के लिए अवसरों का द्वार" बताते हुए कहा कि ऐसे पदों पर भारतीयों की बढ़ती भागीदारी देश की साख को भी मजबूत करती है। समाज के विभिन्न संगठनों और प्रमुख व्यक्तियों ने भी महावीर सिंघवी को शुभकामनाएं देते हुए आशा व्यक्त की है कि उनके नेतृत्व में भारत-कनाडा संबंधों को नई दिशा मिलेगी और प्रवासी भारतीयों के हितों को और मजबूती मिलेगी।

कंपनी में इंवेस्टमेंट के नाम पर 6 करोड़ की धोखाधड़ी : स्थानीय पीड़ित ने कई लोगों से धन लेकर निवेश कराया

तरुणमित्र

जोधपुर । शहर के चौपासनी हाउसिंग बोर्ड सेक्टर 18 ई में रहने वाले व्यक्ति से कुछ लोगों ने एक कंपनी में इंवेस्टमेंट के नाम पर बड़ा मुनाफा और एजेंट के तौर पर काम करने का प्रलोभन देकर पांच-छह करोड़ का फ्र ॉड कर दिया। पीड़ित ने अदालत की शरण लेकर अब महामंदिर थाने में 15 लोगों के खिलाफ रिपोर्ट दी है। पुलिस ने घटना में अब अग्रिम पड़ताल आरंभ की है। मामले में रमेश पुरी पुत्र भीमपुरी ने रिपोर्ट दी। रिपोर्ट में समृद्ध जीवन मल्टी स्टेट मल्टी प्रपोज कॉपरेटिव सोसाईटी लिमिटेड एवं समृद्ध जीवन फुड्स इण्डिया लिमिटेड के डायरेक्टर महेश किशन मोतेवार और अन्य पर आरोप लगाया गया है। वैशाली मोतेवार, राजेश पंडूरंग, विनोद डांगी, राजस्थान यूनिट हैड, निवासी-गांव बीबीसर जिला झुन्झुनु, राजेश मात्रे निवासी- पुणे, प्रभादः पारसबार घनश्याम, जस भाई, सोमनाथ, अरूण भालेराव पारसवार, लीला महेश मोतेवार, अभिषेक मोतेवार एवं राजेश को भी नामजद किया गया है। पीड़ित ने बताया कि विनोद डांगी नाम के व्यक्ति ने मेरे व मेरे अन्य साथियों से सम्पर्क कर बताया कि वह समृद्ध जीवन फुड्स इण्डिया लिमिटेड व समृद्ध जीवन मल्टी प्रपोज कॉ-ऑपरेटिव सोसाईटी लिमिटेड़ जिसका ऑफिस मैन पावटा सनसिटी अस्पताल, जोधपुर के पास रखा तथा इसका मुख्यालय पुणे में है। कम्पनी भारत में करीब 16 राज्यों में हर तरह का व्यवसाय करती है तथा उसका काफी अच्छा मुनाफा देती है। आप भी हमसे जुड़ों और अपना निवेश करों व एजेन्ट के रूप में अन्य लोगों का निवेश कराओं, जिस पर मैं व मेरे अलावा कुशालाराम सोलंकी, हनुमानाराम, सुनन्दा बोराणा, कैलाश राव, प्रेमाराम, रूपाराम, बाबूलाल जांगिड, अब्दुल मुजीब, अनित्ता बोराणा, जेठमल, पूजा बोराणा व रमेश पूरी हम सब उनसे मिलने उनके पावटा ऑफिस गए। तब विनोद डांगी ने बताया कि कम्पनी का पेपर चलता, टीवी चेनल व होटल इंजीनियरिंग कॉलेज, अस्पताल, बकरी व भैंस पालन, कृषि कार्य आदि का कार्य करती है। जिस पर बिनोद डांगी पर विश्वास करके उनके डायरेक्टर व सह डायरेक्टर व कम्पनी के अन्य अधिकारियों से बात की। इसके बाद अधिकारियों ने हमें पुणे बुलाया तथा हम सब के साथ उन्होंने मिटिंग की, जिसमें कम्पनी के डायरेक्टर महेश किशन गोतेवार, वैशाली महेश किशन गोलेवार, राजेश पाण्डुरंग भण्डारे, घनश्याम, राजेश, जस भाई, राजेश मात्रे, सोमनाथ, अरूण भालेराव, प्रसाद पारारावार, लीला महेश किशन मोतेवार, अभिषक मोतेवार पुत्र महेश किशन मोत्तेराव आदि ने हम लोगों से काफी घण्टों तक बातचीत की व अपने व्यवसाय के बारे में बताया व हमें अपनी कम्पनी में इन्वेस्ट करने व एजेन्ट के रूप में कार्य करने को कहां, इस पर हमने उनकी झूठी बातों पर विश्वास करते हुए एजेन्ट के रूप में कार्य करना आरम्भ किया।

दीवानी मामले को फौजदारी रूप देकर दर्ज करवाई रिपोर्ट, आरोपित की गिरफ्तारी पर रोक

तरुणमित्र

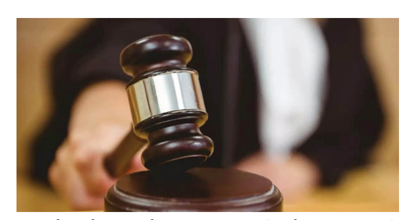

जोधपुर । राजस्थान हाईकोर्ट ने कलाइट इंजीनियरिंग एंड वर्क्स के प्रोपराइटर गुवाहाटी (असम) निवासी सुमित अग्रवाल को राहत देते हुए उसके खिलाफ दर्ज एफआईआर में उसकी गिरफ्तारी पर रोक लगा दी। न्यायाधीश बलजिंदर सिंह संधू की एकल पीठ ने यह आदेश सुमित अग्रवाल की ओर से दायर आपराधिक विविध याचिका पर सुनवाई के पश्चात दिया। सुमित की ओर से अधिवक्ता हस्तीमल सारस्वत एवं रेखा सांखला ने पैरवी की। याचिका में भीलवाड़ा के कोतवाली थाना में दर्ज एफआईआर को चुनौती दी गई थी। यह एफआईआर क्रेन सर्विस भीलवाड़ा के मालिक परिवादी गोविंद टांक ने सुमित के विरुद्ध धोखाधड़ी के आरोप में दर्ज करवाई थी, जिसमें आरोप लगाया गया कि डूंगलस सीमेंट कॉरपोरेशन लिमिटेड के कार्यके लिए परिवादी को 700 एमटी क्रेन उपलब्ध कराने का आदेश दिया गया। उक्त आदेश के अनुसार क्रेन की मोबिलाइजेशन एवं डी- मोबिलाइजेशन के लिए बीस लाख एवं ढाई लाख रुपये प्रतिदिन किराया तय किया गया था। उसकी क्रेन 17 अगस्त 2025 को असम राज्य के पाठशाला नगर पहुंची, तत्पश्चात 18 अगस्त को कस्टम क्लीयरेंस के पश्चात क्रेन भूटान साइट पर पहुंचाई गई। कार्य के दौरान सुमित अग्रवाल ने परिवादी के स्टाफ एवं ऑपरेटर को निर्धारित क्षमता से अधिक भार उठाने के लिए धमकाया जिसके कारण क्रेन को गंभीर क्षति पहुंची, जिससे परिवादी को लाखों रुपयों का नुकसान उठाना पड़ा। रिपोर्ट में आरोप लगाया गया कि सुमित ने परिवादी की क्रेन को अवैध रूप से रोक लिया हैं एवं उसके एक करोड़ चौरासी लाख छत्तीस हजार रुपये नहीं दिए। याचिका पर बहस करते हुए याची के अधिवक्ता सारस्वत ने तर्क दिया कि यह मामला पक्षकारों के मध्य संविदा से संबंधित विवाद होकर पूर्ण रूप से दीवानी प्रकृति का है जिसे फौजदारी रूप दिया गया है, उन्होंने कहा कि रिपोर्ट के तथ्यों से स्पष्ट रोशन होता है कि रुपयों की वसूली के लिए एफआईआर दर्ज करवाई गई है, जो हर सूरत में निरस्त किए जाने योग्य है। परिवादी के अधिवक्ता ने कहा कि सुमित को गिरफ्तार कर लिया गया है इसलिए याचिका सारहीन हो चुकी है, जिसे खारिज किया जाए।

धौलपुर में श्रद्धा और उल्लास से निकाली हनुमान जन्मोत्सव शोभायात्रा

तरुणमित्र

धौलपुर । रामभक्त हनुमान के जन्मोत्सव पर गुरूवार रात को धौलपुर में भव्य शोभा यात्रा निकाली गई। बैंडबाजों से सुसज्जित शोभा यात्रा में पौराणिक प्रसंगों पर सजी झांकियों ने मन मोहा। शोभा यात्रा में रामभक्त हनुमान का डोला आकर्षण का केन्द्र रहा। हनुमान जन्मोत्सव के उपलक्ष्य में गुरूवार रात को आगरा मुंबई नेशनल हाईवे स्थित सती वाले हनुमान मंदिर से शोभायात्रा शुरू हुई। हनुमान जन्मोत्सव कमेटी के अध्यक्ष कुक्ककू शर्मा सहित अन्य ने वैदिक रीति से पूजा अर्चना के बाद में शोभा यात्रा को रवाना किया। हनुमान जन्मोत्सव शोभा यात्रा में सबसे आगे धर्मध्वजा लिए श्रद्धालु चल रहे थे। शोभा यात्रा में तथा पांच चार दर्जन झांकियां और डेढ दर्जन बैण्ड और ढोल और तासे शामिल रहे। हनुमान जन्मोत्सव की शोभा यात्रा में भगवान मर्यादा पुरूषोत्तम श्रीराम, हनुमान,मां काली,मां दुर्गा,खाटू श्याम,भगवान शिव एवं पार्वती,सीता वनवास,भगवान श्रीकृष्ण द्वारा कालिया नाग का मर्दन तथा राम दरबार सहित विभिन्न पौराणिक प्रसंगों पर झांकियां सजाई गईं थीं। शोभा यात्रा का आकर्षण अंत में चल रहा वीर हनुमान का प्राचीन डोला रहा। हनुमान जन्मोत्सव शोभायात्रा महात्मानंद की बगीची, फूटा दरवाजा,हास्पीटल रोड,जगन तिराहा,सराय गजरा,लाल बाजार,पुरानी सब्जी मंडी,धूलकोट,संतर रोड, तोप तिराहा,बजरिया एवं गडरपुरा होते हुए सती वाले हनुमान मंदिर पंहुचकर संपन्न हुई।

33 लाख कीमत के खोए हुए 110 मोबाइल बरामद

तरुणमित्र

जोधपुर । जोधपुर कमिश्नरेट की साइबर सेल और जिला पश्चिम के विभिन्न पुलिस थानों ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए संचार साथी (सीईआईआर) पोर्टल की मदद से 110 खोए हुए मोबाइल फोन बरामद कर उन्हें उनके वास्तविक मालिकों को लौटाया है। डीसीपी (पश्चिम) कमल शेखावत ने बताया कि बरामद किए गए मोबाइल फोन की कुल अनुमानित कीमत करीब 33 लाख रुपए है। मोबाइल वापस मिलने पर परिवादियों के चेहरों पर खुशी साफ झलक उठी। उन्होंने बताया कि संचार साथी (सीईआईआर) पोर्टल के माध्यम से अब तक जिला जोधपुर पश्चिम में कुल 820 खोए हुए मोबाइल फोन बरामद कर संबंधित परिवादियों को लौटाए जा चुके हैं। यह पहल आमजन के लिए काफी राहतकारी साबित हो रही है। पुलिस ने आमजन से अपील की है कि मोबाइल खोने या चोरी होने की स्थिति में तुरंत सीईआईआर पोर्टल पर शिकायत दर्ज कराएं, जिससे समय रहते मोबाइल को ट्रैक कर बरामद किया जा सके।

जोधपुर नगर निगम : जनगणना में लगाई मृतकों की ड्यूटी

तरुणमित्र

जोधपुर । नगर निगम प्रशासन ने एक ऐसा कारनामा किया है जिसका खुलासा होने पर हर कोई अचंभित है। नगर निगम ने जनगणना कार्य में मृतकों और डेढ़ साल पहले रिटायर्ड हो चुके कर्मचारियों की ड्यूटी लगा दी है। दरअसल गत 27 मार्च को कार्यालय प्रमुख जनगणना अधिकारी और निगम कमिश्नर सिद्धार्थ पालानीचामी ने 2084 लोगों की एक लिस्ट जारी की है। इसमें जनगणना के लिए ड्यूटी लगाई गई। इस लिस्ट में जिन लोगों का निधन हो चुका है या जो रिटायर हो चुके हैं, उनके नाम भी हैं। लिस्ट में एक नाम अब्दुल वाहिद है। उनका जोधपुर के लाला लाजपत राय कॉलोनी में घर है। गत 10 मई 2024 को अब्दुल वाहिद का निधन हो गया था। वे जयनारायण व्यास यूनिवर्सिटी में यूडीसी थे। चौंकाने वाली बात ये है कि 15 मई 2024 को नगर निगम की ओर से ही मृत्यु प्रमाण-पत्र भी जारी किया जा चुका है। वहीं जय नारायण व्यास यूनिवर्सिटी की पेंशनर्स कमेटी के संयोजक अशोक व्यास ने बताया कि वह अगस्त 2024 में विश्वविद्यालय की सेवा से सेवानिवृत्त हो गए थे। इसके बावजूद उनकी ड्यूटी जनगणना में लगा दी गई। उन्होंने बताया कि वीरम राम का नाम भी इस लिस्ट में है। वह स्वयं वीरम राम और मुनाराम एक ही दिन रिटायर हुए थे। लेकिन पूरी लापरवाही है कि सेवानिवृत्त और मृत कर्मचारियों की ड्यूटी लगा दी गई।

"धंधे में रोना बंद करे-प्रोफेशनल बने, वेल्थ बनाएं" : भरतकुमार सोलंकी, वित्त विशेषज्ञ

तरुणमित्र

मुंबई। पिछले चालीस वर्षों से अधिक समय से वस्त्र, मेटल, इलेक्ट्रॉनिक और ज्वैलरी बाजार के व्यापारी बंधुओं से मेरा घनिष्ठ संबंध रहा है। बचपन से व्यापारिक माहौल देखा, फिर जीवन बीमा, जनरल इंश्योरेंस और आज एसेट मैनेजमेंट जैसे क्षेत्रों में काम करते हुए सैकड़ों व्यापारियों की वास्तविक आर्थिक स्थिति को करीब से समझने का अवसर मिला—और यही मेरे जीवन का सबसे बड़ा अनुभव रहा।

पिछले दस-पंद्रह वर्षों में बाजार में जाना कम हो गया, लेकिन जब भी किसी पुराने व्यापारी भाई से मुलाकात होती है, तो एक बात लगभग हर किसी के मुँह से सुनने को मिलती है—"अब धंधे में पहले जैसा मजा नहीं रहा... मंदी है... ग्राहकी नहीं है... पैसा समय पर नहीं आता... कंपीटिशन बहुत बढ़ गया है।" लेकिन क्या यह बातें नई हैं? बिल्कुल नहीं। यही बातें मैंने आज से तीस साल पहले भी सुनी थीं, जब मैंने एलआईसी का काम शुरू किया था। फर्क सिर्फ इतना है कि समय बदल गया, लेकिन सोच नहीं बदली। सच कहूँ तो इसी "रोने की आदत" के कारण मैंने बाजार में आना-जाना कम कर दिया और अपने एसेट मैनेजमेंट के काम को पूरी तरह ऑनलाइन कर दिया। आज जो व्यापारी मेरे संपर्क में हैं, वे न केवल अपने व्यापार में अच्छा कर रहे हैं, बल्कि नियमित निवेश के माध्यम से अपनी वेल्थ भी लगातार बढ़ा रहे हैं—और सबसे बड़ी बात, वे संतुष्ट भी हैं। हाल ही में जैन समाज के प्रतिष्ठित अखबार "शताब्दी गौरव" के संपादक सिद्धराज लोढ़ा से बातचीत में भी यही विषय निकला। उन्होंने भी वही हाल बताया—बाजार में अधिकांश व्यापारी आज भी परेशान हैं। मैंने उनसे सीधा सवाल पूछा—"जब तीस साल से यही स्थिति है, तो लोग यह धंधा बंद क्यों नहीं कर देते?" उनका जवाब सीधा और सच्चा था—"ये लोग उधार के धंधे में इतने फंसे हैं कि न छोड़ सकते हैं, न सह सकते हैं और न ही किसी से कह सकते हैं।"

अब असली सवाल यही है—क्या उधार में व्यापार करना ही समस्या है? नहीं। देश की बड़ी-बड़ी कंपनियां भी उधार में व्यापार करती हैं। फिर वे सफल क्यों हैं? क्योंकि वे प्रोफेशनल तरीके से काम करती हैं।

बड़ी कंपनियां हर साल अपनी पूंजी का 15–20% डायरेक्टर की सैलरी के रूप में निकालती हैं। और उस पैसे को खर्च नहीं करतीं, बल्कि दूसरी मजबूत कंपनियों में निवेश करती हैं—शेयर या म्यूचुअल फंड के माध्यम से। पांच साल में वे अपनी पूरी पूंजी व्यापार से बाहर निकाल लेती हैं। उसके बाद जो भी मुनाफा आता है, वह अतिरिक्त संपत्ति बनता जाता है। अब सवाल—क्या यह तरीका छोटे व्यापारी नहीं अपना सकते?

क्या एक छोटा व्यापारी अपने लिए साल की शुरुआत में सैलरी तय नहीं कर सकता?

क्या वह अपने मुनाफे का एक हिस्सा नियमित निवेश के लिए अलग नहीं रख सकता?

यही तो फर्क है—

जो व्यापारी केवल धंधा करते हैं, वे जिंदगी भर उलझे रहते हैं। और जो व्यापारी धंधे को प्रोफेशनल बनाते हैं, वे धीरे-धीरे वेल्थ क्रिएटर बन जाते हैं। एक प्रोफेशनल व्यापारी वही है जो अप्रैल में ही तय करता है—इस साल कितना कमाना है, कितना निकालना है और कितना निवेश करना है। वह केवल "आज" नहीं सोचता, बल्कि अगले 10–20 साल की योजना बनाता है। अंत में हर व्यापारी से मेरा एक ही सवाल है— क्या आप जिंदगी भर "मंदी" का रोना रोते रहना चाहते हैं, या अपनी सोच बदलकर समृद्धि की ओर बढ़ना चाहते हैं?

क्योंकि सच्चाई यही है—

धंधा सब करते हैं, लेकिन वेल्थ वही बनाता है जो सोच बदलता है।

तीन हजार रुपए का फरार इनामी तस्कर गिरफ्तार

तरुणमित्र

जोधपुर । पुलिस उपायुक्त पश्चिम द्वारा अवैध मादक पदार्थो की तस्करी के विरूद्व चलाए जा रहे ऑपरेशन चक्रव्यूह के तहत राजीव गांधी नगर थाने में एनडीपीएस एक्ट में वांछित तीन हजार रुपए के एक इनामी अभियुक्त को गिरफ्तार किया गया है।

डीसीपी पश्चिम कमल शेखावत ने बताया कि पीथावास निवासी रामनिवास सिंह विश्नोई पुत्र देवाराम विश्नोई को गिरफ्तार किया गया है। उन्होंने बताया कि गत 17 फरवरी को थानाधिकारी गोविन्दलाल व्यास मय जाब्ता पुलिस थाना प्रतापनगर सदर हल्का में गश्त के लिए रवाना हुए। तब हल्का गश्त के सीएसटी टीम ने सूचना दी कि तुलसी कालोनी में पूनाराम विश्नोई अपने घर में अवैध डोडा पोस्त व अफीम का दूध रखता है, जिस पर तुलसी कॉलोनी स्थित दाधिच किराणा स्टोर के पास पूनाराम के मकान पर पहुंच तलाशी ली गई तो पूनाराम के पास से 933 ग्राम अवैध डोडा पोस्त चूरा व 59 ग्राम अफीम का दूध मिला। इस पर पूनाराम को मौके पर ही गिरफ्तार किया गया।

मुल्जिम पूनाराम ने पूछताछ में उक्त अवैध मादक पदार्थ रामनिवास सिंह विश्नोई से खरीदना बताया। उक्त कार्रवाई पर एनडीपीएस एक्ट में केस पंजीबद्व कर अनुसंधान राजीव गांधी नगर के थानाधिकारी रविन्द्र पाल सिंह को सौंपा गया। उक्त प्रकरण में वांछित मुल्जिम रामनिवास सिंह विश्नोई करीब दो माह से फरार था जिसकी निरन्तर तलाश की जा रही थी।

तीन हजार का था इनाम घोषित : रामनिवास सिंह विश्नोई पर तीन हजार रुपए का इनाम घोषित करवाया गया था। अभियुक्त जगह बदल बदल कर फरारी काट रखा था। आसूचना संकलन व तकनीकी साक्ष्यो के आधार पर राजीव गांधी नगर व डांगियावास थाना टीम की संयुक्त कार्रवाई में उसे पकड़ा है।

एक दशक बाद जिम्बाब्वे का दौरा करेगी ऑस्ट्रेलियाई टीम

एजेंसी, सिडनी

ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट टीम इसी साल सितंबर में जिम्बाब्वे का दौरा करेगी। इस दौरे में ऑस्ट्रेलिया तीन मैचों की एकदिवसीय सीरीज खेलेगी। ऑस्ट्रेलियाई टीम एक दशक के बाद जिम्बाब्वे जा रही है। इससे पहले वह साल 2014 में जिम्बाब्वे गयी थी। सीरीज 15 सितंबर को शुरू होगी, जबकि दूसरा और तीसरा मैच 18 और 20 सितंबर को खेला जाएगा। ये सभी मैच हरारे स्पोर्ट्स क्लब में खेले जाएंगे। वहीं इस दौरे को लेकर जिम्बाब्वे बोर्ड उत्साहित हैं। उसका मानना है कि इससे टीम को आईसीसी पुरुष क्रिकेट विश्व कप 2027 की तैयारी का अवसर मिलेगा। टी20 विश्कप के मेजबानों में दक्षिण अफ्रीका और नामीबिया के साथ जिम्बाब्वे, भी शामिल है। जिम्बाब्वे क्रिकेट के मैनेजिंग डायरेक्टर गिवमोर माकोनी ने कहा कि यह दौरा टीम के लिए एक अहम मोड़ पर आया है। उन्होंने कहा, हमें ऑस्ट्रेलिया का जिम्बाब्वे में फिर से स्वागत करते हुए बहुत खुशी हो रही है। यह एक बेहद रोमांचक एकदिवसीय सीरीज होने की उम्मीद है। शीर्ष स्तर की टीम के खिलाफ मैच से ही हमारी टीम आगे बढ़ेगी। ये टीम के विकास के लिए भी बहुत जरूरी हैं। पुरुष क्रिकेट विश्व कप 2027 नजदीक आ रहा है, ऐसे में यह दौरा हमें अपनी तैयारियों को मजबूत करने का एक अच्छा अवसर देता है। हम दक्षिण अफ्रीका और नामीबिया के साथ मिलकर इस टूर्नामेंट की मेज़बानी की दिशा में आगे बढ़ रहे हैं।

उन्होंने आगे कहा, यह हमारे प्रशंसकों के लिए भी एक अच्छा अवसर है कि वे अपने घर पर ही विश्व स्तरीय अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट का आनंद उठा सकें। हमें उम्मीद है कि हरारे स्पोर्ट्स क्लब में हमें अपने प्रशंसकों का जोरदार समर्थन मिलेगा। हाल के दिनों में जिम्बाब्वे ने ऑस्ट्रेलिया को कई बार टक्कर दी है। इसी साल फरवरी में हुए टी20 विश्व कप में जिम्बाब्वे ने ऑस्ट्रेलिया की टी20 टीम को 23 रनों से हराया था।

इसके अलावा ऑस्ट्रेलिया की 50 ओवरों की टीम को भी जिम्बाब्वे के खिलाफ अपने पिछले मैच में हार का सामना करना पड़ा था। सितंबर 2022 में टाउन्सविले में खेले गए इस मैच में ऑस्ट्रेलिया तीन विकेट से हार गयी थी। ऑस्ट्रेलिया के जिम्बाब्वे दौरे पर सभी मुकाबले हरारे में खेले जाएंगे। पहला एकदिवसीय 15 सितंबर, दूसरा 18 सितंबर और तीसरा 20 सितंबर को खेला जाएगा।

आईपीएल में टीमों को बढ़ाने पर विचार कर रहा बीसीसीआई : अरुण धूमल

टूर्नामेंट की गुणवत्ता से समझौता नहीं करेंगे

एजेंसी, मुम्बई

इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) साल 2008 में शुरु होने के बाद से ही लगातार छाया हुआ है। यहां तक कि आज आईपीएल दुनिया में सबसे बड़ी क्रिकेट लीग है। इसके मैचों का प्रसारण दुनिया भर में होता है। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) की सबसे अधिक कमाई आईपीएल से ही होती है। ऐसे में बोर्ड अब इसमें टीमें बढ़ाने पर विचार कर रहा है। आईपीएल चेयरमैन अरुण धूमल के अनुसार बोर्ड टीमों की संख्या बढ़ाने का कोई भी फैसला, टूर्नामेंट की गुणवत्ता से समझौता करते हुए नहीं लेगा।

धूमल ने कहा, टीम बढ़ाने का फैसला इस बात पर निर्भर करेगा कि इसके लिए कितना समय मिलता है। निवेशकों की इसमें कितनी रुचि है क्योंकि आईपीएल में निवेश पर असाधारण रिटर्न मिल रहा है। मैचों की संख्या बढ़ाने के पहले कई बातों का ध्यान रखना होता है। साथ ही कहा कि अगर इस लीग को नियमित रूप से आयोजित किया जाना है, तो नई व्यवस्था होगी। आईसीसी कार्यक्रम में कम द्विपक्षीय मैच रखने होंगे। तभी लीग क्रिकेट बढ़ सकता है। साथ ही कहा कि जब बोर्ड ने प्रसारण अधिककार 48,390 करोड़ रुपए में बेचे थे, तो योजना यह थी कि धीरे-धीरे मैचों की संख्या बढ़ाई जाएगी। इसके अनुसार साल 2023 और 2024 में 74 मैच, 2025 और 2026 में 84 मैच, और अंत में साल 2027 तक 94 मैच खेले जाने थे पर ये योजना अभी रुकी हुई है। साल 2026 में भी 74 मैच ही खेले जाएंगे। इसके पीछे को कारण आईसीसी का मौजूदा भविष्य दौरा कार्यक्रम (एफटीपी) है, जो अप्रैल 2027 तक चलेगा, इससे मैचों के बीच बहुत कम खाली समय मिलता है। धूमल ने आईपीएल के विस्तार को लेकर कहा, लीग को 74 से 94 मैचों तक ले जाने के लिए हमें एक बड़ी विंडो की जरूरत है। ज़्यादातर अंतरराष्ट्रीय कैलेंडर पहले से ही बुक है। मार्च के बीच से मई के आखिर तक का समय ही हमारे पास सीमित उपलब्ध है। वहीं जून में बारिश शुरु हो जाती है। तब नर्मिंट को आगे नहीं बढ़ाया जा सकता है। अगर हम मौजूदा विंडो में ही 74 से 94 मैच करवाने की कोशिश करेंगे तो हमें अधिक डबल-हेडर करवाने पड़ेंगे। जो कि प्रसारण कर्ता के लिए फायदे का सौदा नहीं होते। हमें सभी के हितों का ध्यान रखना होता है। इसीलिए हमने अब तक 74 मैच ही रखे हैं।

केविन पीटरसन ने की दिल्ली कैपिटल्स के बल्लेबाज समीर रिजवी की तारीफ

एजेंसी, लंदन

इंग्लैंड के पूर्व कप्तान क्रिकेटर केविन पीटरसन ने दिल्ली कैपिटल्स की ओर से खेल रहे बल्लेबाज समीर रिजवी की जमकर प्रशंसा की है। रिजवी ने लखनऊ सुपर जायंट्स के खिलाफ मैच में शानदार बल्लेबाजी करते हुए 70 रन बनाकर अपनी टीम को जीत दिलायी है। पीटरसने पिछले साल कैपिल्स के मेंटर रहे थे। उनका कहना है कि पिछले सीजन में ही उन्होंने समीर की प्रतिभा देख ली थी। तभी से वह इस युवा बल्लेबाज के खेल से प्रभावित हैं। उन्होंने टीम प्रबंधन से अपील की है कि वह इस युवा का साथ देते रहे। जिससे उसका आगे भी इसी प्रकार खेलने के लिए मनोबल बढ़ता रहे। पीटरसन ने कहा, उन्होंने हालात के हिसाब से बहुत ही शानदार बल्लेबाजी की और इसमें मुझे इसमें कोई हैरानी नहीं हुई। मैंने पिछले सीजन में समीर के साथ काफी समय बिताया था और उन्हें बहुत करीब से देखा था।

उन्होंने एक अभ्यास मैच में भी शतक बनाया था पर टूर्नामेंट के पहले चरण में उन्हें टीम में जगह नहीं मिल पाई थी। हालांकि जब सत्र के बाद के हिस्से में उन्हें अवसर मिला, तो उनकी क्षमताएं सभी ने देखीं। तब हर किसी ने उनकी तरफ देखा और कहा इसमें काफी संभावनाएं नजर आती हैं। उन्होंने आगे कहा, जब आप किसी युवा खिलाड़ी पर भरोसा करते हैं, तो आपको यह विश्वास होना चाहिए कि वह खिलाड़ी आपके भरोसे पर खरा उतरेगा, और उसने इस मैच में ठीक वैसा ही किया है। उसने दबाव में भी बेहतरीन प्रदर्शन किया पीटरसन ने दिल्ली कैपिटल्स के कोच के उस फैसले का भी समर्थन किया, जिसमें उन्होंने अनुभवी बल्लेबाज डेविड मिलर से पहले ट्रिस्टन स्टब्स को बल्लेबाजी के लिए भेजा था।

टाइगर वुड्स ने राइडर कप से नाम वापस लेने के साथ ही खेल से ब्रेक लिया

इलाज के लिए विदेश जाएंगे

एजेंसी, न्यूयार्क

विश्व के नंबर एक दिग्गज रहे गोल्फर टाइगर वुड्स फिट नहीं होने के कारण राइडर कप गोल्फ टूर्नोमेंट में भाग नहीं लेंगे। वुड्स ने खराब सेहत का हवाला देते हुए खेल से ब्रेक लेने की भी घोषणा कर दी है। वुड्स ने कहा है कि वह इलाज के लिए विदेश जा रहे हैं। वह पिछले कुछ समय से गोल्फ से जुड़ी गतिविधियों से दूर थे पर गुरुवार को उन्होंने औपचारिक रूप से राइडर कप की कप्तानी ठुकरा दी साथ ही कहा कि वह इलाज के लिए विदेश जा रहे हैं। उन्हें अदालतन ने इलाज के लिए देश से बाहर जाने की अनुमति भी दे दी है। वुड्स को पिछले सप्ताह नशे में गाड़ी चलाने के संदेह के कारण गिरफ्तार किया गया था हालांकि कुछ घंटे बाद ही उन्हें जमानत पर रिहा कर दिया गया था। इसी कारण उन्हें विदेश जाने से पहले अदालत से अनुमति लेनी पड़ी हैं। वुड्स ने एक बयान जारी कर कहा कि वह 'इलाज कराने और अपने स्वास्थ्य पर ध्यान केंद्रित करने के लिए' अनिश्चित काल के लिए खेल से दूर जा रहे हैं। उनके वकील डगलस डंकन ने दायर एक याचिका में न्यायाधीश से वुड्स को उपचार के लिए विदेश जाने की अनुमति देने का अनुरोध किया था। उन्होंने कहा कि वुड्स को इलाज के लिए विदेश इसलिए जाना पड़ रहा है क्योंकि अमेरिका में उनके लिए अपनी निजता बनाये रखना संभव नहीं है।

बिजनेस

रिजर्व बैंक ने आरबीएल बैंक के अधिग्रहण के लिए एमिरेट्स एनबीडी बैंक को दी मंजूरी

एजेंसी, नई दिल्ली

रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) ने दुबई के एमिरेट्स एनबीडी बैंक को आरबीएल बैंक में 74 फीसदी तक हिस्सेदारी खरीदने की मंजूरी दे दी है। इसके बाद बैंक को सब्सिडी मॉडल के तहत विदेशी बैंक के रूप में वर्गीकृत किया जाएगा। आरबीएल बैंक ने शेयर बाजार को दी सूचना में बताया कि आरबीआई ने यह मंजूरी एक अप्रैल को दी, जिसकी वैधता एक वर्ष तक रहेगी। संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के दूसरे सबसे बड़े बैंक एमिरेट्स एनबीडी ने अक्टूबर 2025 में आरबीएल बैंक में 60 फीसदी की हिस्सेदारी करीब 26,853 करोड़ रुपये में खरीदने का प्रस्ताव पेश किया था, जिसके बाद यह मंजूरी दी गई है। आरबीआई की मंजूरी पत्र के अनुसार एमिरेट्स एनबीडी (ईएनबीडी) को आरबीएल बैंक की चुकता पूंजी का कम से कम 51 फीसदी हिस्सा बनाए रखना होगा। रिजर्व बैंक ने भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) के नियमों के अधीन ईएनबीडी को आरबीएल बैंक का प्रवर्तक वर्गीकृत करने पर भी कोई आपत्ति नहीं जताई है, लेकिन कहा कि बैंकिंग विनियमन अधिनियम, 1949 की धारा 12(2) के तहत ईएनबीडी के मताधिकार को आरबीएल बैंक के कुल मतदान अधिकारों के 26 फीसदी तक सीमित रखा जाएगा। ईएनबीडी को 'सिंगल मोड ऑफ प्रेजेंस' की शर्त से अस्थायी छूट दी गई है, जब तक कि भारत में उसकी शाखाओं का आरबीएल बैंक के साथ विलय नहीं हो जाता या अधिकतम एक वर्ष की अवधि पूरी नहीं हो जाती। आरबीआई ने स्पष्ट किया कि यह मंजूरी भारत सरकार से 49 प्रतिशत से अधिक निवेश के लिए आवश्यक स्वीकृति, बैंकिंग विनियमन अधिनियम 1949, विदेशी मुद्रा प्रबंधन अधिनियम (फेमा) 1999, सेबी नियमों तथा अन्य लागू नियमों के अनुपालन के अधीन होगी। इस प्रस्तावित सौदे को अभी अन्य नियामकीय मंजूरियां और 18 अक्टूबर, 2025 को निवेशक एवं बैंक के बीच हुए निवेश समझौते में उल्लिखित शर्तों को भी पूरा करना होगा। इससे पहले जनवरी में प्रतिस्पर्धा आयोग (सीसीआई) ने भी एमिरेट्स एनबीडी बैंक के आरबीएल बैंक में बहुलांश हिस्सेदारी खरीदने के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी थी। आरबीआई ने जारी एक बयान में कहा कि ऐसे बैंक पर पूर्ण स्वामित्व वाली अनुषंगी कंपनी मॉडल के तहत संचालित विदेशी बैंकों के लिए नियत प्रावधान लागू होंगे। हालांकि, निदेशक मंडल बैठकों में उपस्थित निदेशकों में कम से कम आधे स्वतंत्र निदेशक होने की शर्त इस पर लागू नहीं होगी। बैंक को अपने 'आर्टिकल्स ऑफ एसोसिएशन' में आवश्यक संशोधन कर आरबीआई से मंजूरी लेने को कहा गया है और बैंक इस दिशा में आवश्यक कदम उठाएगा।

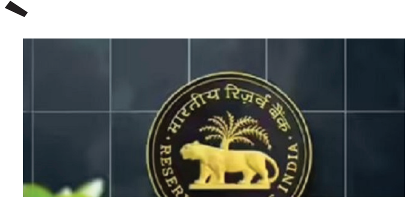

इंडिगो 19 अप्रैल से दिल्ली-इस्तांबुल मार्ग पर एयरबस ए321एक्सएलआर करेगा तैनात

एजेंसी, नई दिल्ली

देश की बजट एयरलाइन इंडिगो ने गुरुवार को कहा कंपनी अपनी अंतरराष्ट्रीय विस्तार की यात्रा में लगातार आगे बढ़ रही है। एयरलान ने बताया कि वह 19 अप्रैल से दिल्ली-इस्तांबुल मार्ग पर एयरबस ए321एक्सएलआर तैनात करेगा। एयरलाइन ने जारी एक बयान में कहा कि इंडिगो 19 अप्रैल से ज्यादा ट्रैफिक वाले दिल्ली-इस्तांबुल रूट पर अपना दूसरे एयरबस ए321एक्सएलआर विमान को लगाकर अंतरराष्ट्रीय विस्तार करेगी। यह इसके एक अहम अंतरराष्ट्रीय सेक्टर में क्षमता और प्रोडक्ट के मामले में एक बड़ा अपग्रेड है। इंडिगो ने कहा कि एयरलाइन अपनी अंतरराष्ट्रीय विस्तार की यात्रा में लगातार आगे बढ़ रही है। इसी क्रम में 19 अप्रैल से दिल्ली-इस्तांबुल रूट पर दूसरा एयरबस ए321एक्सएलआर विमान सेवा में शामिल किया जाएगा। यह रूट एयरलाइन के लिए रणनीतिक रूप से बहुत महत्वपूर्ण है। इसके जरिए इंडिगो तुर्की एयरलाइंस के साथ अपनी कोडशेयर पार्टनरशिप के तहत 50 से ज्यादा अंतरराष्ट्रीय जगहों के लिए बिना किसी रुकावट के आगे की यात्रा की सुविधा दे पाएगी। एयरलाइन के मुताबिक इस सेक्टर पर पहली बार इंडिगो दो तरह की सीट व्यवस्था पेश करेगा, जिसमें 183 इकोनॉमी सीटें और 12 इंडिगोस्ट्रेच सीटें होंगी। इंडिगोस्ट्रेच, इंडिगो का खास तौर पर तैयार किया गया बिजनेस प्रोडक्ट है। दोनों ही केबिन के यात्री दुनियाभर और स्थानीय व्यंजनों से प्रेरित मुफ़्त गर्म भोजन और पेय पदार्थों का आनंद ले सकेंगे। इसमें शाकाहारी भोजन डिफ़ॉल्ट रूप से उपलब्ध होगा, जबकि मांसाहारी भोजन की प्री-बुकिंग की जा सकेगी।

कंपनी ने बताया कि इकोनॉमी क्लास में शराब वाले पेय पदार्थ खरीदे जा सकते हैं या उनकी प्री-बुकिंग की जा सकती है, जबकि इंडिगोस्ट्रेच के यात्रियों के लिए ये मुफ़्त उपलब्ध होंगे। इसके अलावा, इस विमान में अगली पीढ़ी का डिजिटल इन-फ़्लाइट मनोरंजन सिस्टम लगा है, जिससे यात्री अपने निजी डिवाइस पर ही भारतीय और अंतरराष्ट्रीय फ़िल्में, टीवी शो, गेम्स, एनीमे और अन्य कई तरह के कंटेंट का सीधा आनंद ले सकेंगे। इंडिगो इसी साल की शुरुआत में इंडिगो एयरबस ए321एक्सएलआर विमान को अपने बेड़े में शामिल करने वाली पहली भारतीय एयरलाइन बनी थी, और उसने एथेंस के लिए अपनी उड़ानें शुरू की थीं। यह एयरलाइन की अंतरराष्ट्रीय विस्तार की यात्रा में एक बहुत बड़ी उपलब्धि थी। यह नई पीढ़ी का विमान ज्यादा दूरी तय करने की क्षमता, बेहतर ईंधन दक्षता और केबिन में ज़्यादा आराम की सुविधा देता है, जिससे इंडिगो नए लंबी दूरी वाले बाज़ारों तक अपनी पहुँच बना पाएगा और साथ ही यात्रियों को यात्रा का कहीं ज़्यादा बेहतर अनुभव दे पाएगा।

पश्चिम एशिया संकट के बीच ब्रेंट क्रूड का भाव पहुंचा 109 डॉलर के पार

एजेंसी, नई दिल्ली

पश्चिम एशिया में चल रहे संकट से कच्चे तेल की कीमतों में तेज उतार-चढ़ाव देखने को मिला रहा है। होर्मुज के जरिए तेल की सप्लाई में बाधा पैदा होने के कारण ब्रेंट क्रूड लगभग आठ फीसदी उछलकर 109.24 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में शुक्रवार को कारोबार के दौरान कच्चे तेल की कीमतों में तेज उछाल दर्ज किया गया। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की ओर से ईरान पर अगले 2 से तीन हफ्तों में संभावित सैन्य कार्रवाई की चेतावनी के बाद कच्चे तेल की सप्लाई को लेकर चिंता बढ़ने से क्रूड ऑयल के दाम में तेजी आई है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में ब्रेंट क्रूड फ्यूचर्स करीब आठ फीसदी उछलकर 109.24 डॉलर प्रति बैरल पहुंच गया है। वेस्ट टेक्सास इंटरमीडिएट (डब्ल्यूटीआई) क्रूड फ्यूचर्स 111.54 डॉलर प्रति बैरल पर ट्रेड करता देखा गया। पश्चिम एशिया में जारी संकट से साप्ताहिक आधार पर भी कच्चे तेल की कीमतों में उतार-चढ़ाव देखने को मिला है। यूएस डब्ल्यूटीआई क्रूड में पिछले शुक्रवार के मुकाबले 11.94 फीसदी की मजबूत बढ़ोतरी दर्ज की गई। हालांकि, ब्रेंट क्रूड की कीमत में इसी अवधि के दौरान 3.14 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई, जो बाजार में अस्थिरता को दर्शाती है।

गुड फ्राइडे पर बंद रहा शेयर बाजार, अब सोमवार को होगा कारोबार

एजेंसी, नई दिल्ली

गुड फ्राइडे के कारण आज घरेलू शेयर बााजार बंद है। वहीं, सप्ताहिक अवकाश होने की वजह से इस शनिवार और रविवार को भी शेयर बाजार बंद रहेगा। अब अगले हफ्ते के पहले दिन सोमवार को शेयर बााजार में कारोबार होगा।

गुड फ्राइडे के अवसर पर भारतीय शेयर बाजार बंद होने के कारण के दोनों प्रमुख सूचकांक बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) दोनों पर कारोबार नहीं होगा। चूंकि, इसके बाद शनिवार और रविवार को वीकेंड है, इसलिए शेयर बाजार में लगातार तीन दिन का ब्रेक रहेगा। इसके अलावा आज इक्विटी, इक्विटी डेरिवेटिव्स, एसएलबी , करेंसी डेरिवेटिव्स और इंटरेस्ट रेट डेरिवेटिव्स-सभी सेगमेंट में कोई ट्रेडिंग नहीं होगी, यानी पूरे दिन एक्सचेंज पर कारोबार पूरी तरह बंद रहेगा। घरेलू शेयर बाजार में अब अगला कारोबारी सत्र सोमवार, 6 अप्रैल को सुबह 9:15 बजे से शुरू होगा।

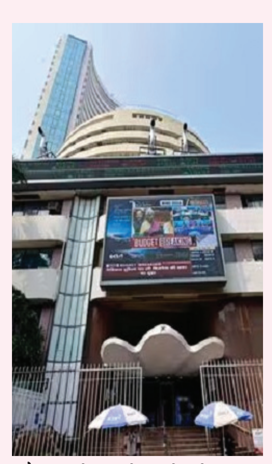

यूपीआई ने मार्च में 22.64 अरब लेनदेन का रिकॉर्ड बनाया: डीएफएस

एजेंसी, नई दिल्ली

देश में एकीकृत भुगतान व्यवस्था (यूपीआई) के जरिये होने वाले लेन-देन की संख्या मार्च महीने में 22.64 अरब के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गई। वित्त मंत्रालय के वित्तीय सेवा विभाग (डीएफएस) ने यह जानकारी दी है। वित्तीय सेवा विभाग (डीएफएस) ने गुरुवार को एक्स पोस्ट में बताया, ''यूपीआई के जरिये मार्च 2026 में 22.64 अरब लेन-देन हुए हैं। डिजिटल भुगतान को अपनाने और इस क्रांति को आगे बढ़ाने के लिए भारत का धन्यवाद। आइए, लेन-देन का तरीका बदलने की इस यात्रा को जारी रखें।''

डीएफएस ने कहा कि संख्या के लिहाज से इस महीने 22.64 अरब लेन-देन हुए, जबकि पिछले साल की समान अवधि में यह संख्या 18.3 अरब थी, जो 24 फीसदी की वृद्धि को दर्शाती है। वहीं, फरवरी में यूपीआई लेन-देन की संख्या 20.39 अरब रही थी। वित्तीय सेवा विभाग के अनुसार हाल ही में जारी आरबीआई के 'दो-स्तरीय सत्यापन' नियम का पालन करते हुए यूपीआई लेन-देन करना सुरक्षित होने के साथ उपयोग में भी आसान है। इसमें पहला सत्यापन बैंक से जुड़ा मोबाइल नंबर है, जबकि दूसरा पहलू यूपीआई खाते का पिन है। इससे लेन-देन तेजी से होता है और अनधिकृत पहुंच से रोकथाम मिलती है। डीएफएस ने बताया कि आज भारत में होने वाले कुल डिजिटल लेन-देन में यूपीआई की हिस्सेदारी 85 फीसदी है। इसका असर राष्ट्रीय सीमाओं से परे भी है और इसकी वैश्विक स्तर पर वास्तविक समय में होने वाले डिजिटल भुगतान का लगभग 50 फीसदी हिस्सेदारी है। उल्लेखनीय है कि यूपीआई पहले से ही संयुक्त अरब अमीरात, सिंगापुर, भूटान, नेपाल, श्रीलंका, फ्रांस और मॉरीशस सहित सात देशों में चालू है। फ्रांस में इसकी शुरुआत हो चुकी है और यह यूरोप में यूपीआई का पहला कदम है।